THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 286 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.7 2080 बुधवार, 3 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आजादी के बाद से लक्षद्वीप के इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान नहीं

कोई बिजली, गैस जैसी सुविधाओं से वंचित न रहे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लक्षद्वीप के अगत्ती में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर उतना ध्यान नहीं दिया गया।

हमारी सरकार का प्रयास है कि गरीबों के पास घर हो, टॉयलेट हो, बिजली, गैस जैसी सुविधाओं से कोई भी वंचित न रहे। लक्षद्वीप में पीएम 1 हजार 150 करोड़ रुपये की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे पहले पीएम ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन किया था। इसे 1100 करोड़ रुपये में बनाया गया है। इसके अलावा पीएम ने तमिलनाडु में रेल, सड़क, तेल और गैस, शिपिंग और उच्चतर शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी 19 हजार 850 करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री आज सुबह 10:30 बजे सबसे पहले तिरुचिरापल्ली पहुंचे। यहां वे भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने गोल्ड मेडलिस्ट स्टूडेंट्स को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री के साथ राज्य के गवर्नर आरएन रवि और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी मौजूद रहे। लक्षद्वीप अनेक संभावनाओं से भरा है, लेकिन आजादी के बाद लंबे समय तक इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर उतना ध्यान नहीं दिया गया। शिपिंग यहां की लाइफ लाइन होने का बावजूद लक्षद्वीप पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कमजोर ही रहा। यहां के लोगों को हेल्थ हो, शिक्षा हो, यहां तक की पेट्रोल डीजल के लिए भी बहुत परेशानियां उठानी पड़ती थी। इन सब चुनौतियों को अब हमारी सरकार दूर कर रही है।

हमारी सरकार का प्रयास है कि गरीबों के पास घर हो, टॉयलेट हो, बिजली, गैस जैसी सुविधाओं से कोई भी वंचित न रहे। अगत्ती सहित पूरे लक्षद्वीप के विकास के लिए भारत सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। पिछले 10 सालों में यहां कई विकास योजनाएं पूरी हुई हैं। हमने मछुआरों को आधुनिक सुविधाएं दी हैं। यहां के मछुआरे अब तो टूना मछली का निर्यात भी होने लगा है, जिससे उनकी इनकम बढ़ने के रास्ते खुल गए हैं।

तमिल संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीखा

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को तमिलनाडु की जीवंत संस्कृति और विरासत पर गर्व है। मेरे कई तमिल मित्र थे। मुझे उनसे तमिल संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं दुनिया में जहां भी जाता हूं, मैं खुद को तमिलनाडु के बारे में बात करने से नहीं रोक सकता। पवित्र सेनगोल को नए संसद भवन में स्थापित किया गया, जो सुशासन के उस मॉडल से प्रेरणा लेने की कोशिश है, जो तमिल विरासत ने भारत को दिया है। भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। हमारे देश में दुनिया के बड़े निवेशक निवेश कर रहे हैं। इसका फायदा तमिलनाडु और देश की जनता को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दौरे की जानकारी दी

तमिलनाडु में अपने पूर्व सहयोगी एआईएडीएमके से अलग होने के बाद पीएम मोदी का राज्य में यह पहला दौरा है। एआईएडीएमके के एक नेता ने कहा कि हम पीएम की यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिससे हमें दिशा मिल सके कि हमारी पार्टी राज्य में क्या करेगी।

दरअसल, सितंबर 2023 में एआईएडीएमके ने एनडीए गठबंधन छोड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद से तमिलनाडु और दिल्ली में भाजपा नेताओं ने अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है कि क्या भाजपा एआईएडीएमके को साथ लाने का प्रयास करेगी या अपना मोर्चा बनाएगी। फिलहाल तमिलनाडु में बीजेपी एकला चलो की राह पर चलती नजर आ रही है।

सरकार-ट्रांसपोर्टर्स के बीच सुलह

ड्राइवर्स तुरंत काम पर लौटेंगे, आश्वासन के बाद हड़ताल खत्म

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हिट एंड रन को लेकर नए कानून के खिलाफ आक्रोश के बीच जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। ट्रांसपोर्टर्स ने देशव्यापी हड़ताल की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय गृह सचिव ने उनके साथ बैठक की। बैठक और वार्ता का नतीजा भी तत्काल देखने को मिला। अब ट्रांसपोर्टर तत्काल ड्यूटी पर लौटेंगे। इससे पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस की बैठक पर केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा, हमने आज अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस के प्रतिनिधियों से चर्चा की।

नए कानून की धारा के तहत अभी कार्रवाई नहीं होगी :

अजय भल्ला ने कहा, सरकार ये बताना चाहती है कि नए कानून और जुर्माने के प्रावधान अभी लागू नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2) लागू करने से पहले अखिल भारतीय परिवहन कांग्रेस से विचार-विमर्श किया जाएगा। ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टर की चिंताओं को सुनने के बाद ही अंति निर्णय लिया जाएगा।

बैठक के बाद ट्रांसपोर्टर क्या बोले :

अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस (एआईएमटीसी) के अध्यक्ष अमृत लाल मदन ने गृह सचिव के साथ बैठक के बाद गतिरोध खत्म करने की अपील की। उन्होंने ड्राइवरों से कहा, आप सिर्फ हमारे ड्राइवर नहीं, सैनिक हैं। हम नहीं चाहते कि आप किसी भी असुविधा का सामना करें।

खुद गृह मंत्री शाह से मिला आश्वासन :

उन्होंने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वस्त किया है कि सरकार, कानून के तहत 10 साल की सजा और जुर्माने के प्रावधान पर रोक लगाएगी। अमृत लाल मदन के मुताबिक अखिल भारतीय मोटर परिवहन कांग्रेस की अगली बैठक तक कोई कानून लागू नहीं किया जाएगा।

सत्ताधीशों के लिए धर्मनिरपेक्षता अपमानजनक बन गई है : सोनिया

लोकतंत्र को बचाने का दावा करने वाले ही उसे कमजोर कर रहे

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा है कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए धर्मनिरपेक्षता अपमानजनक बात बन गई है। इसकी वजह से हमारे समाज का ध्रुवीकरण बढ़ता जा रहा है। सोनिया ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारत के लोकतंत्र की नींव का पत्थर है। सोनिया ने ये बातें मनोरमा ईयरबुक 2024 के लिए एक आर्टिकल में लिखीं।

उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कहते तो हैं कि वे लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन वे इसे कमजोर कर रहे हैं। वे रास्ते जिनसे हमारा देश एकता और तालमेल की तरफ जाता, उन्हें ही बर्बाद किया जा रहा है। लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता गहराई से आपस में जुड़े हैं (जैसे किसी रेल की पटरी के दो ट्रैक) जो सरकार को एक मजबूत सोसाइटी बनाने की तरफ ले जाते हैं। सोनिया ने कहा कि हम सब इन शब्दों से वाकिफ हैं, जिन्हें हम डिबेट, स्पीच, स्कूली किताबों और संविधान की प्रस्तावना में पढ़ते हैं। इसके बावजूद इन अवधारणाओं का असल मतलब आसानी से समझ नहीं आता है। इन शब्दों को अगर साफ-साफ समझ लिया गया, तो हर नागरिक को भारत के इतिहास, मौजूदा समय की चुनौतियां और भविष्य की राह को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। सोनिया ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के कई मतलब निकाले जा सकते हैं, लेकिन जो मतलब भारत के संदर्भ में सबसे ज्यादा उपयुक्त है वह महात्मा गांधी के कथन में जाहिर होता है, सर्व धर्म सम भाव। गांधी जी ने देख लिया था कि सभी धर्मों के बीच एकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू को गहराई से इस बात का आभास था कि भारत कई धर्मों से मिलकर बना एक समाज है, इसलिए उन्होंने लगातार सेक्युलर देश बनाने की दिशा में प्रयास किए। डॉ. बीआर अंबेडकर के नेतृत्व में भारत के संविधान निर्माताओं ने धर्मनिरपेक्षता का ये आइडिया विकसित किया।

हिट एंड रन कानून पर ट्रक ड्राइवरों के समर्थन में उतरे राहुल गांधी

कहा-केंद्र कर रही लोकतंत्र की आत्मा पर निरंतर प्रहार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए हिट एंड रन कानून को लेकर पूरे देशभर में बवाल मचा हुआ है। कई राज्यों में इस कानून के विरोध में ट्रक ड्राइवरों और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स ने चक्का जाम किया हुआ है। अब इस कानून को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये लोकतंत्र की आत्मा पर केंद्र लगातार प्रहार कर रहा है।

लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार :

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हिट एंड रन कानून को लेकर चल रहे विरोध पर अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि बिना प्रभावित वर्ग से चर्चा और बिना विपक्ष से संवाद के कानून बनाने की जिद लोकतंत्र की आत्मा पर निरंतर प्रहार है। जब 150 से अधिक सांसद निलंबित थे, तब संसद में शहंशाह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़, ड्राइवर्स के विरूद्ध एक ऐसा कानून बनाया जिसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

फरमान और न्याय के बीच केंद्र भूल चुकी है फर्क

उन्होंने आगे लिखा कि सीमित कमाई वाले इस मेहनती वर्ग को कठोर कानूनी भट्टी में झोंकना उनकी जीवनी को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। और साथ ही, इस कानून का दुरूपयोग संगठित भ्रष्टाचार के साथ वसूली तंत्र को बढ़ावा दे सकता है। लोकतंत्र को चाबुक से चलाने वाली सरकार शहंशाह के फरमान और न्याय के बीच का फर्क भूल चुकी है।

कितनी सजा का प्रावधान :

अगर किसी गाड़ी से किसी को टक्कर लग गई घायल की मदद करने के बजाय ड्राइवर गाड़ी को लेकर फरार हो जाता है तो ऐसे केस हिट एंड रन में गिने जाते हैं। नए कानून के मुताबकि अगर अब हिट एंड रन केस में लापरवाही के चलते किसी की मौत हो जाती है और ड्राइवर बिना पुलिस को बताए भाग जाता है तो उसको सजा हो सकती है। नए कानून के मुताबिक ड्राइवर को 10 साल तक की सजा और 7 लाख का रुपये का जर्माना लगाया जा सकता है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ रही घुसपैठ

बीएसएफ ने 744 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया

अगरतला, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कितने बड़े पैमाने पर घुसपैठ हो रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि साल 2023 में बीएसएफ ने 744 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। इनमें से 112 रोहिंग्या शामिल हैं। ये सभी लोग गैरकानूनी तरीके से भारत की सीमा में प्रवेश की कोशिश कर रहे थे। बीते साल का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले साल 2022 में बीएसएफ ने 369 और साल 2021 में 208 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया था।

बीते तीन साल में तेजी से बढ़ी घुसपैठ :

बीएसएफ ने घुसपैठियों के साथ ही बड़ी संख्या में प्रतिबंधित सामान जैसे प्रतिबंधित कफ सिरप, गांजा, याबा टैबलेट और ब्राउन शुगर आदि भी बरामद किए। इनकी कीमत करीब 41 करोड़ रुपये है। साथ ही साल 2023 में भारत बांग्लादेश सीमा पर चार किलो सोना भी बरामद किया गया है। बीएसएफ ने बताया कि साल 2023 में बीएसएफ ने 744 घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। इनमें से 112 रोहिंग्या, 337 बांग्लादेशी और 295 भारतीय शामिल हैं। बीते तीन साल में यह बीएसएफ द्वारा गिरफ्तार घुसपैठियों की सबसे बड़ी संख्या है।

त्रिपुरा सीमा से होती है घुसपैठ :

उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई और सीमा की सुरक्षा के साथ ही बीएसएफ देश में अवैध घुसपैठ रोकने में भी अहम भूमिका निभा रही है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि मुश्किल हालात में भी बीएसएफ अपना कर्तव्य का पालन कर रही है। बीएसएफ ने सीमा पर होने पर अपराधों से निपटने में भी अहम काम किया है। बता दें कि त्रिपुरा, बांग्लादेश के साथ 856 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है। इस सीमा से अवैध घुसपैठ होती है।

नीतीश सरकार को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

सार्वजनिक करना होगा जाति सर्वे का विवरण

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने जाति आधारित सर्वेक्षण कराया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर हुई है। याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार से कहा कि जाति सर्वेक्षण का डेटा ब्रेकअप सार्वजनिक किया जाए। अदालत ने कहा, इस मामले में अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा, बिहार में कराए गए जाति सर्वेक्षण का डेटा जनता को उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित है। अगर कोई व्यक्ति सर्वेक्षण के किसी विशेष निष्कर्ष को चुनौती देना चाहता है तो उसके पास सर्वेक्षण का डेटा होना चाहिए।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में पटना उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई है। बीते 2 अगस्त, 2023 को हाईकोर्ट में पारित आदेश में बिहार सरकार के फैसले को बरकरार रखा गया था। उच्च न्यायालय में जाति-आधारित सर्वेक्षण के फैसले को चुनौती दी गई थी।

गौरतलब है कि अक्टूबर, 2023 में बिहार सरकार के प्रभारी मुख्य सचिव विवेक सिंह ने जाति सर्वे की रिपोर्ट आंशिक रूप से जारी किए थे। इसके अनुसार, बिहार में सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग की आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 प्रतिशत है। सरकार की ओर से कुल 214 जातियों के आंकड़े जारी किए गए हैं। इनमें कुछ ऐसी जातियां भी हैं जिनकी कुल आबादी सौ से भी कम है।

बिहार की कुल आबादी, कितने लोगों पर हुआ सर्वेक्षण :

214 जातियों को अलावा 215वें नंबर पर अन्य जातियों का भी जिक्र रिपोर्ट में किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक, राज्य की कुल आबादी 13,07,25,310 है। वहीं कुल सर्वेक्षित परिवारों की संख्या 2,83,44,107 है। इसमें पुरुषों की कुल संख्या छह करोड़ 41 लाख और महिलाओं की संख्या छह करोड़ 11 लाख है। राज्य में प्रति 1000 पुरुषों पर 953 महिलाएं हैं।

बिहार में 81.99 प्रतिशत हिंदू हैं :

बिहार में 81.99 प्रतिशत यानी लगभग 82 प्रतिशत हिंदू हैं। इस्लाम धर्म के मानने वालों की संख्या 17.7 प्रतिशत है। शेष ईसाई सिख बौद्ध जैन या अन्य धर्म मानने वालों की संख्या 1 प्रतिशत से भी कम है। राज्य के 2146 लोगों ने अपना कोई धर्म नहीं बताया।

जाति सर्वेक्षण से जुड़ा एक तथ्य यह भी है कि बिहार में जब भारतीय जनता पार्टी के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी सरकार में थी, तभी बिहार विधानसभा और विधान परिषद ने राज्य में जाति आधारित गणना कराए जाने का प्रस्ताव पारित किया था। 1 जून 2022 को सर्वदलीय बैठक में जाति आधारित गणना को सर्वसम्मति से करने का प्रस्ताव पारित किया गया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने पंडित नेहरू की चीन नीति को कोसा

बोले-पंचशील समझौता समझ से परे

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की चीन नीति की आलोचना की है। एक इंटरव्यू में विदेश मंत्री ने कहा कि चीन नीति से जुड़ी पहले की बातों को समझना आज बेहद मुश्किल है। पंचशील समझौता भी इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि चीन से रिश्ते हकीकत के आधार पर होने चाहिए और उन्होंने पंडित नेहरू के चीन से लगाव पर भी सवाल उठाए।

क्या बोले विदेश मंत्री जयशंकर :

दरअसल एक इंटरव्यू में विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछा गया कि क्या भारत हमेशा माइंड गेम में चीन से हारा है? इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता कि हम हमेशा हारे हैं लेकिन पूर्व में ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिन्हें आज समझना बहुत मुश्किल है। पंचशील समझौता भी इसका उदाहरण है। हम सदियों पुरानी सभ्यताएं हैं और जब हम एक दूसरे से रिश्तें आगे बढ़ाएं तो इस बात का भी ख्याल रखा जाना चाहिए। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की चीन नीति की आलोचना करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीट को ही लें तो मैं ये नहीं कह रहा कि हमें उस वक्त सीट ले लेनी चाहिए थी, यह एक अलग बहस का विषय है लेकिन ये कहना कि पहले चीन को यह सीट लेने दी जाए, चीन के हित पहले आने चाहिए, यह एक अजीब बयान था।

मणिपुर में 12 घंटे में दूसरी बार फायरिंग इंफाल समेत 5 जिलों में कर्फ्यू लगा

इंफाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में 12 घंटे के अंदर दूसरी बार सुरक्षाबलों और विद्रोहियों के बीच क्रॉस फायरिंग हुई है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, तेंगनौपाल जिले के मोरेह शहर में सर्च ऑपरेशन जारी है। इसी दौरान दो लोगों को पकड़ा गया। उन्हें छुड़ाने के लिए विद्रोहियों ने फायरिंग की। स्थानीय महिलाओं ने पकड़े गए लोगों को छुड़ाने का प्रयास किया। सुरक्षाबलों ने भी क्रॉस फायरिंग की है। मुठभेड़ अभी भी जारी है। मणिपुर में नए साल के पहले ही दिन (सोमवार) को एक बार फिर हिंसा हुई। यहां थौबल के लेंगोल पहाड़ी इलाके में सोमवार शाम को 4 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 11 लोग घायल हुए। स्थानीय लोगों ने हमलावरों की तीन गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि हमलावर लिलोंग चिंगजाओ इलाके में जबरन वसूली के लिए आए थे, जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। स्थानीय लोगों ने हमलावरों को खदेड़ा, लेकिन बदमाशों ने भागते समय फायरिंग कर दी। आरोपियों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। जान गंवाने वालों में मोहम्मद दौलत (30), एम सिराजुद्दीन (50), मोहम्मद आजाद खान (40) और मोहम्मद हुसैन (22) शामिल हैं। सभी पंगाल (मुस्लिम) बताए गए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में तनाव है। प्रशासन का दावा है कि हिंसा पर काबू पा लिया गया है। हालांकि, इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में फिर से कर्फ्यू लगा दिया गया है। सीएम एन बीरेन सिंह ने एक वीडियो संदेश में हिंसा की निंदा की और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सभी मंत्रियों और सत्ता पक्ष के विधायकों की आपात बैठक भी बुलाई है।

जापान के भूकंप में अब तक 48 की मौत

टोक्यो, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जापान के इशिकावा में नए साल के पहले दिन 7.6 की तीव्रता का भूकंप आया। सूत्रों के मुताबिक इससे अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है, वहां 140 आफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। इनकी तीव्रता 3.4 से 4.6 के बीच रही है। इस बीच सुरक्षाकर्मी रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। इशिकावा में भूकंप से कई जगहों पर आग लग गई। इससे 200 इमारतें जलकर खाक हो चुकी हैं। 32,500 घरों में बिजली नहीं है। यहां एक और भूकंप की चेतावनी जारी की गई है। प्रधानमंत्री फुमिया किशिदा ने कहा है कि भूकंप में मरने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। किशिदा ने कहा कि जगह-जगह आग लगी है, लोग इमारतों के नीचे दबे हैं। समय कम है और ज्यादा लोगों की जान बचानी है। जापान के रक्षा मंत्री के मुताबिक मलबे में दबे लोगों को बचाने के लिए एक हजार सैनिक तैनात किए गए हैं। 8 हजार से ज्यादा सैनिकों को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

तीसरे समन पर केजरीवाल को आज होना है पेश

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तीन समन भेज चुका है। तीसरे समन में केजरीवाल को तीन जनवरी यानी कल बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पहले दो बार की तरह इस बार भी केजरीवाल पूछताछ के लिए नहीं जाएंगे।

इस बीच मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में सीएम केजरीवाल के पेश होने को लेकर पूछे गए सवाल पर आम आदमी पार्टी (आप) ने अपना रुख साफ कर दिया है। आप ने कहा है कि वह कानून के हिसाब से काम करेंगे। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ मंगलवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रही थीं, जिसमें उन्होंने भाजपा को बेरोजगारी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मुद्दे पर घेरा।

अरविंद केजरीवाल पर भड़के नवजोत सिद्धू

कहा-शराब घोटाले पर चुप्पी सिद्धांतों के साथ विश्वासघात

चंडीगढ़, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर चल रही मशक्कत के बीच नवजोत सिद्धू ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिद्धू ने दिल्ली शराब घोटाले पर केजरीवाल की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। सिद्धू ने एक्स पर लिखा- दिल्ली शराब घोटाले पर तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित मेरे सवालों को चुनाव 2022 के बाद से उत्तर नहीं मिला है। आपकी चुप्पी उन सिद्धांतों के प्रति एक विश्वासघात है जिनकी आपने एक बार वकालत की थी। एक समय जवाबदेही के मुखर समर्थक रहे अरविंद केजरीवाल मूक हो गए हैं। क्या यह असुविधाजनक सत्यों की स्वीकारोक्ति है?? सिद्धू ने लिखा-स्वयंभू आरटीआई योद्धा चोरी के मास्टर में बदल गया है। समय जवाबदेही और पारदर्शिता का है।

केजरीवाल को ईडी की ओर से जारी समन पर आप कानून के मुताबिक कदम उठाएगी : प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से जारी समन पर पार्टी कानून के मुताबिक कदम उठाएगी। ईडी ने आबकारी नीति से जुड़े धन सोशन मामले में केजरीवाल को पूछताछ के लिए तीन जनवरी को बुलाया है। संवाददाता सम्मेलन में कक्कड़ से पूछा गया कि क्या केजरीवाल पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होंगे। उन्होंने कहा, "इस सवाल का जवाब हमारी कानूनी टीम ही बेहतर दे सकेगी। हम कानून के अनुसार काम करेंगे।" आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को ईडी की ओर से यह तीसरा नोटिस है। इससे पहले दो नवंबर और 21 दिसंबर को भी समन जारी किये थे, लेकिन केजरीवाल ने पेश होने से इनकार कर दिया था। केजरीवाल ने ईडी के पहले के समन को "अवैध" और "राजनीति से प्रेरित" बताया था।

जापान और लद्दाख के बाद जम्मू में भूकंप के झटके

रिक्टर स्केल पर 3.9 रही तीव्रता

जम्मू, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जापान में दिल दहला देने वाले भूकंप के बाद मंगलवार सुबह जम्मू में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 दर्ज की गई है। जम्मू में 11 बजकर 33 मिनट पर भूकंप के झटके लगे। इसकी गहराई जमीन के अंदर पांच किमी दर्ज की गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी जानकारी दी है। हालांकि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई जानकारी अभी नहीं मिली है।

अधीर रंजन ने ममता पर लगाया इंडिया को खराब करने का आरोप

टीएमसी ने कांग्रेस को कहा बीजेपी का 'दलाल'

कोलकाता, 2 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में तनाव उभर के सामने आ गया है। गठबंधन के प्रमुख दलों के बीच सीट शेयरिंग के मुद्दे पर दलाल जैसे शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। एक ओर महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव गुट) ने 23 सीटों पर दावा ठोका है तो दूसरी ओर बंगाल में ममता बनर्जी अकेले चुनाव लड़ने की बात कह रही हैं। इस बीच कांग्रेस और तृणमूल के बीच बहसबाजी सार्वजनिक तौर पर सामने आ गई है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला।

सीपीएम, कांग्रेस बीजेपी के दलाल- सुदीप बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुदीप बनर्जी ने एक सभा में इंडिया अलायंस की सीट शेयरिंग पर चर्चा करते हुए सीपीएम और कांग्रेस को भाजपा का दलाल बता दिया है। सुदीप बनर्जी ने कहा है कि अगर 400 सीटों पर सीट शेयरिंग होती है तो भाजपा को 200 सीटों से नीचे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ये देखना होगा कि कांग्रेस की भूमिका क्या होगी। क्या कांग्रेस यूपी में अखिलेश को छोड़ेगी। क्या बिहार में लालू-नीतीश कुमार को छोड़ेंगे। बंगाल में वो ममता को छोड़ेंगे। पंजाब और दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को छोड़ेंगे।

ममता बनर्जी ने गठबंधन को खराब किया- अधीर

मुर्शिदाबाद के सांसद अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ममता बनर्जी ने इंडिया के गठबंधन को खराब कर दिया है, दीदी खुद गठबंधन नहीं चाहतीं, बंगाल की मुख्यमंत्री जोठ करने से उसको खुद बहुत मुश्किल में पड़ जाएंगे। हमें कोई दिक्कत नहीं है, कौन बंगाल में आ रहे हैं, और कौन चला जा रहा है, इस बंगाल में कांग्रेस खुद चुनाव लड़ने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह स्पष्ट है कि हम वहां चुनाव लड़ेंगे जहां हमारे पास शक्ति होगी।

क्या बोलीं थी ममता?

ममता बनर्जी ने बीते गुरुवार को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में बंगाल को अकेले ही परखने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा है कि बंगाल में टीएमसी लड़ेगी और बीजेपी को हराएगी। बंगाल में केवल टीएमसी ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है, कोई अन्य पार्टी नहीं। हालांकि, ममता ने कहा कि इंडिया गठबंधन देश भर में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर

नए कानून में संशोधन को एससी में मिली चुनौती समिति को लेकर याचिकाकर्ता ने की ये मांग

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए एक तटस्थ और स्वतंत्र चयन समिति की गठन करने की बात कही गई। वहीं, कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर बने नए कानून को चुनौती दी गई है। जनहित याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त और इलेक्शन कमिश्नर की नियुक्ति के लिए केंद्र द्वारा 28 दिसंबर, 2023 को जारी राजपत्र को रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

अधिवक्ता गोपाल सिंह ने दायर की याचिका

वहीं, कोर्ट में याचिका दायर कर नियुक्तियों में देश के मुख्य न्यायाधीश को पैनल में शामिल करने की मांग की गई है। वहीं, याचिका में यह भी कहा गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल किया जाए। अधिवक्ता गोपाल सिंह ने यह याचिका दायर की है।

दिसंबर में किया गया विधेयक को पारित

21 दिसंबर को लोकसभा ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए एक विधेयक पारित किया। कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने कहा कि यह कानून सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद लाया गया है। इसके बाद 28 दिसंबर को राष्ट्रपति ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक 2023 को मंजूरी दे दी थी। गौरतलब है कि संसोधित कानून में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को सलेक्शन पैनल से हटा दिया गया और इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता विपक्ष और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध कानून विद्वान प्रो वेद प्रकाश नंदा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प्रसिद्ध कानूनी विद्वान प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने कहा कि प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा का काम कानूनी शिक्षा के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर करता है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रोफेसर वेद प्रकाश नंदा के निधन से गहरा दुख हुआ, एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् जिनका कानूनी क्षेत्र में योगदान अमूल्य है। उनका काम कानूनी शिक्षा के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर करता है। वह संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के एक प्रमुख सदस्य भी थे और मजबूत भारत-अमेरिका संबंधों के प्रति उत्साही थे। उनके परिवार तथा मित्रों के लिए संवेदनाएं। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर नंदा एक भारतीय अमेरिकी शिक्षाविद थे। उन्हें 20 मार्च, 2018 को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

सेल्फी के चक्कर में 150 फीट ऊंचे पहाड़ से गिरा युवक, चट्टानों के बीच मिला शव

दमोह, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना के किशनगढ़ सिद्ध क्षेत्र में सोमवार को नए साल पर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आए एक युवक की पहाड़ी से सेल्फी लेते समय 150 फीट नीचे गहराई में गिरने से मौत हो गई। युवक अभाना के झिन्ना गांव का रहने वाला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचीं, लेकिन उसके दोस्त नहीं मिल पाए, जिससे बयान नहीं हो सके। युवक किन दोस्तों के साथ गया था। पुलिस इसकी पड़ताल करने में लगी हुई है। पुलिस ने बताया कि झिन्ना गांव निवासी संदीप लोधी 25 दोस्तों के साथ सिद्ध क्षेत्र गया था। यह क्षेत्र पहाड़ी पर है। ऊंचाई से नीचे खाई दिखाई देती है। बताते हैं कि युवक सेल्फी लेने के चक्कर में खाई देख रहा था, इस बीच उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे जा गिरा। पहले युवक को दोस्तों ने खोजा, जब नजर नहीं आया तो इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी और पुलिस को भी सूचना भेजी गई।

'ज्यादा वजन' वाले पुलिस कर्मियों की फिर से बीएमआई जांच शुरू

गुवाहाटी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। असम में पुलिस कर्मियों के लिए पेशेवर पोशाक सुनिश्चित करने की मुहिम के तहत "जरूरत से ज्यादा वजन" वाले पुलिसकर्मियों की मंगलवार को फिर से बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच शुरू की गई। पुलिस महानिदेशक जी। पी। सिंह ने बताया कि जोरहाट, सिलचर और गुवाहाटी में 1,884 पुलिसकर्मियों की बीएमआई की समीक्षा शुरू की गई।

राज्य पुलिस ने पिछले साल अगस्त में सभी पुलिसकर्मियों की बीएमआई जांच शुरू की थी और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने सबसे पहले जांच कराई थी। सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "अगस्त 2023 में बीएमआई जांच के बाद के चरण में 1,884 पुलिस कर्मियों की फिर से जांच शुरू की गई जो मोटापे की श्रेणी (30 प्लस बीएमआई) में थे। इसकी शुरुआत गुवाहाटी, सिलचर और जोरहाट में दो जनवरी 2024 से हुई।" बॉडी मास इंडेक्स किसी व्यक्ति की लंबाई के अनुसार उसके वजन का माप है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 25 से अधिक बीएमआई को अधिक वजन माना जाता है और 30 से अधिक को मोटापा माना जाता है।

1992 के राम मंदिर आंदोलन में कर्नाटक का कौन-कौन हिन्दू शामिल था

कांग्रेस सरकार ने खोली 31 साल पुरानी फाइल, धड़पकड़ शुरु

बैंगलोर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जैसे-जैसे अयोध्या में राम मंदिर का बहुप्रतीक्षित उद्घाटन नजदीक आ रहा है, कर्नाटक पुलिस विभाग ने तीन दशक पहले उग्र आंदोलन के दौरान राम मंदिर कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित संपत्ति विनाश और अपराधों की जांच शुरू कर दी है। 1992 के राम मंदिर आंदोलन से जुड़े व्यक्तियों की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है, जिसमें हिंसा और अंतर-सांप्रदायिक संघर्ष देखे गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने उन 'संदिग्धों' की एक सूची तैयार की है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी घटनाओं में शामिल थे। यह कदम 5 दिसंबर, 1992 को हुबली में एक अल्पसंख्यक स्वामित्व वाली दुकान को जलाने से जुड़े एक विशिष्ट मामले के मद्देनजर उठाया गया है। इस घटना के संबंध में, श्रीकांत पुजारी को हुबली पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है, जो इस मामले में तीसरे प्रतिवादी बन गए हैं। पुलिस सक्रिय रूप से 8 अतिरिक्त प्रतिवादियों की तलाश कर रही है, और श्रीकांत पुजारी को अदालत की निगरानी में रखा गया है। हुबली पुलिस ने अपनी जांच को आगे बढ़ाते हुए 1992 और 1996 के बीच कथित तौर पर सांप्रदायिक संघर्षों से जुड़े तक़रीबन 300 'संदिग्धों' की एक सूची बनाई है, जिनमें से अधिकतर लोग अब 60-70 की उम्र के आसपास पहुँच चुके हैं। इनमें से कई 'लोगों' ने कथित तौर पर शहर छोड़ दिया है, जबकि अन्य आज प्रमुख पदों पर हैं। पुलिस इन व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दायर करने के संभावित परिणामों पर विचार-विमर्श कर रही है, माना जाता है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के तहत इन मामलों की बड़े पैमाने पर जांच करने का निर्देश दिया गया था। एक उल्लेखनीय घटनाक्रम में, यह देखा गया है कि राम जन्म भूमि आंदोलन के कई 'संदिग्ध' प्रसिद्ध भाजपा राजनेता बन गए हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि भाजपा के शासन के दौरान, इन लोगों के खिलाफ मामले खारिज कर दिए गए थे, जिससे तनाव बढ़ गया था। हुबली-धारवाड़ आयुक्त रेणुका के सुकुमार ने बताया है कि यह एक सामान्य पुलिस प्रक्रिया थी और वे पिछले तीन महीनों से लंबे समय से लंबित मामलों को निपटाने के लिए अभियान चला रहे थे। उन्होंने कहा कि, 'हम समय-समय पर ऐसा करते रहते हैं, चाहे वह हत्या हो या संपत्ति संबंधी अपराध हों। हमने तीन महीनों में 47 मामलों का पता लगाया है। दंगों के लिए दायर ऐसे ही एक मामले में जहां आरोपी लापता था, हमने उस व्यक्ति (श्रीकांत पुजारी) को गिरफ्तार किया और उसे पेश किया। हम मामले को दोबारा नहीं खोल रहे हैं।" आयुक्त ने कहा कि 1992 में पुजारी के खिलाफ दायर मामले को 2006 में लंबे समय से लंबित मामले के रूप में घोषित किया गया था। उन्होंने कहा कि, 'हम सिर्फ लंबे समय से लंबित मामलों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। यह किसी भी मुद्दे के विशेष संदर्भ में नहीं है।' इन मामलों को फिर से खोलने में कांग्रेस सरकार की मौजूदा कार्रवाइयों की हिंदू संगठनों ने तीखी आलोचना की है। इस कदम की निंदा करते हुए, वे दावा करते हैं कि दशकों पुराने उदाहरणों की जांच करने का सरकार का प्रयास भाजपा और हिंदू संगठनों द्वारा अयोध्या में आगामी श्री राम मंदिर उद्घाटन की पृष्ठभूमि में घर-घर जाकर प्रचार करने की एक रणनीतिक प्रतिक्रिया है। इस घटनाक्रम से राज्य के भीतर एक महत्वपूर्ण बहस छिड़ने की उम्मीद है। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि 1990 के दशक में कर्नाटक में बड़ी हिंसा देखी गई थी, जो कि अनुभवी भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में राम जन्मभूमि आंदोलन के इस्लामी विरोध का परिणाम था।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के कदम को बताया हिन्दू विरोधी:-

1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद हुए दंगों में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि, कर्नाटक में कांग्रेस ने शर्मनाक तरीके से हिंदू कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया, बुजुर्ग कारसेवक श्री श्रीकांत पुजारी को 31 साल पुराने फर्जी मामले में गिरफ्तार कर लिया। जैसे हिंदू राम मंदिर का जश्न मना रहे हैं, कांग्रेस का कायरतापूर्ण कदम राम मंदिर की वास्तविकता को स्वीकार करने से उनके इनकार को दर्शाता है।

तीस्ता सीतलवाड़ पर 'रहम' करने से

गुजरात हाई कोर्ट का साफ इंकार ! गोधरा कांड के बाद कब्र खोदकर निकाली थीं 28 लाशें

अहमदाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। तीस्ता सीतलवाड़ को गुजरात उच्च न्यायालय ने कड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि तीस्ता सीतलवाड़ के रिकॉर्ड के मद्देनज़र वह पंडरवाड़ा सामूहिक कब्र खुदाई मामले में उन्हें कोई राहत देने के मूड में नहीं है। बता दें कि, गोधरा हिंसा के बाद दिसंबर 2005 में पंचमहल जिले के पंडरवाड़ा के नजदीक एक सामूहिक दफन स्थल से कब्र खोदने और 28 शवों को निकालने के मामले में सीतलवाड़ का नाम सामने आया है। 2011 में दर्ज की गई एफआईआर में अपना नाम शामिल होने के बाद सीतलवाड ने 2017 में कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी। 2006 में गुजरात पुलिस ने गुजरात दंगा मामले में झूठे सबूत गढ़ने, वास्तविक सबूत नष्ट करने, कब्रगाह पर अतिक्रमण करने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में तीस्ता सीतलवाड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। सोमवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो न्यायमूर्ति संदीप भट्ट ने सीतलवाड़ के वकील योगेश रवानी से कहा कि रिकॉर्ड देखने के बाद, "मैं (राहत देने का) इच्छुक नहीं हूं। आपको कोर्ट को संतुष्ट करना होगा।" सीतलवाड़ के वकील ने कोर्ट में कहा कि यह आधिपत्य का विशेषाधिकार है। हम कोर्ट को समझाने का प्रयास करेंगे, क्योंकि कोई जुर्म ही नहीं बनता है। यह एक राजनितीक उत्पीड़न है। इस पर जस्टिस भट्ट ने जवाब दिया कि यह आजकल इस्तेमाल किया जाने वाला एक बहुत व्यापक शब्द बन चुका है। इसके बाद मामले की सुनवाई 9 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि, लूनावाड़ा नगर पालिका ने सीतलवाड़ के एनजीओ सिटीजन फॉर जस्टिस एंड पीस के पूर्व कोऑर्डिनेटर रईस खान समेत 7 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। दंगा पीड़ितों के इन आरोपों के बाद कि उनके रिश्तेदारों को पोस्टमार्टम की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना दफनाया गया था। उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच का आदेश दिया था। वहीं, दूसरी तरफ गुजरात सरकार ने दावा किया था कि उस स्थान को कब्रिस्तान के रूप में उचित तौर पर अधिसूचित करने के बाद ही दफन किया गया था। रईस खान और सीतलवाड़ के अलग होने के बाद सीतलवाड़ का नाम खान के बयान के आधार पर एफआईआर में शामिल किया गया था। खान ने बताया था कि शवों को निकालने का काम तीस्ता के आदेश पर ही किया गया था।

सीएम मान के बयान पर संदीप दीक्षित का कटाक्ष, बोले- पार्टी के कुछ नेता जेल जाने को तैयार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि बड़े गठबंधन में आने के जितने तौर तरीके हैं। इन्हें उसकी समझ नहीं है। आने वाले समय में माताएं ये भी कहेंगी कि एक पार्टी थी जो आज कल तिहाड़ में मिलती है। ऐसी कौन

सी पार्टी है जिसका 40 फीसदी नेतृत्व जेल में हो और बाकी जाने के लिए तैयार बैठा हो।

रेल हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, केंद्र से मांगा ब्योरा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने रेल हादसों को रोकने के सुरक्षा उपायों पर केंद्र सरकार से ब्योरा मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से ब्योरा मांगते हुए कहा कि देश में ट्रेन हादसों को रोकने के लिए स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' लागू या लागू करने के लिए प्रस्तावित सुरक्षात्मक उपायों के बारे में जानना चाहता है। जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की खण्डपीठ में एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें ट्रेन हादसों को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों का मुद्दा उठाया गया था। पीठ ने याचिकाकर्ता विशाल तिवारी से कहा कि वह अपनी याचिका की एक प्रति अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को सौंपें। वहीं पीठ ने मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता विशाल तिवारी ने अदालत से कहा कि यह याचिका सार्वजनिक सुरक्षा उपायों का मुद्दा उठाती है।

कवच प्रणाली को लेकर याचिका में उठाए सवाल

पिछले वर्ष जून में ओडिशा के बालासोर जिले में ट्रेन हादसे का जिक्र करते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार द्वारा एक सुरक्षा प्रणाली शुरू की गई थी ताकि ट्रेनों की टक्कर को रोका जा सके, बावजूद इसके पिछले वर्ष में ट्रेनों से जुड़े कई हादसे हुए हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि क्या इस बारे में कोई कवायद की गई है कि कवच प्रणाली को पूरे भारत में लागू करने पर कितना वित्तीय प्रभाव पड़ेगा। हर चीज का वित्तीय पहलू से सह-संबंध होता है क्योंकि अंततः इसका बोझ यात्रियों पर डाला जाएगा।' बता दें याचिका में रेलवे प्रणाली में जोखिम और सुरक्षा मापदंडों का विश्लेषण और समीक्षा करने समेत कई सुझाव देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में तकनीकी सदस्यों से युक्त विशेषज्ञ आयोग गठित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई हैं। साथ ही याचिका में दावा किया गया कि कवच प्रणाली जल्द से जल्द लागू न करने के चलते बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ हैं।

सर्वे की नहीं, हमारी चिंता इस बात को लेकर ज्यादा है, एससी ने ऐसा क्यों कहा?

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में जातिगत सर्वे पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में 29 जनवरी के बाद होगी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि सर्वे का डेटा प्रकाशित हो चुका है। उस आधार पर आरक्षण 50 से बढ़ाकर करीब 70 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इसको लेकर पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। वकील ने अंतरिम राहत के लिए जल्द सुनवाई की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए जल्द सुनवाई से इंकार करते हुए कहा कि हम 29 जनवरी से शुरू होने हफ्ते में मामले को सुनवाई पर लगाएंगे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की कि सर्वे के डेटा का वर्गीकरण करके ये डेटा आम जनता को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। सर्वे के बजाए हमारी चिंता इस बात को लेकर ज्यादा है। सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने कहा कि बिहार सरकार ने जातिगत सर्वे किया है। इसे जनगणना नहीं कहा जा सकता (इससे पहले केन्द्र सरकार ने कोर्ट में दाखिल जवाब में कह चुकी है कि जनगणना जैसी प्रकिया को अंजाम देने का अधिकार सिर्फ केन्द्र को ही है)। बिहार के नालंदा के निवासी अखिलेश कुमार द्वारा दायर याचिका में यह तर्क दिया गया था कि राज्य सरकार द्वारा जाति की जनगणना करने के लिए जारी अधिसूचना संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। संविधान के प्रावधानों के अनुसार, केवल केंद्र सरकार को जनगणना करने का अधिकार है। बिहार सरकार ने अक्टूबर में 2024 के लोकसभा चुनावों से कुछ महीनों पहले अपने विवादास्पद जाति-आधारित सर्वेक्षण के परिणामों को सार्वजनिक कर दिया था। जनगणना से पता चला कि अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) में राज्य की 63 प्रतिशत आबादी शामिल है। बिहार जाति आधारित गणना के रूप में भी जाना जाता है, जनगणना से पता चला है कि अनुसूचित जातियों का 13 करोड़ की आबादी का 19 प्रतिशत से अधिक है, जबकि अनुसूचित जनजाति 1.68 प्रतिशत बनाती है। ऊपरी जातियां, या 'सावरनस', राज्य की आबादी का 15।52 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में भाजपा से कानूनी बाधाओं और विरोध का सामना करने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि रिपोर्ट सभी वर्गों के विकास और उत्थान के लिए राज्य सरकार की पहल में सहायता करेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 3 जनवरी, 2024 3

युविचार

परिस्थितियां जितनी ज्यादा आपको तोड़ती हैं.. उससे कहीं ज्यादा आपको मजबूत बना देती हैं।

तेल टैंकरों की हडताल समाप्त

तेल टैंकरों की हडताल के कारण पेट्रोल बंक पर जुटी वाहन चालकों की भीड़।

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में तेल टैंकरों के मालिकों ने मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन के विरोध में अपना धरना समाप्त कर दिया। आज सुबह से धरने पर बैठने के कारण कई पेट्रोल पंप पर नो स्टॉक का बोर्ड लगा दिया गया। पेट्रोल पंप पर लोग बड़ी संख्या में कतारबद्ध थे। इसी क्रम में हाल ही में टैंकरों के मालिकों ने धरना खत्म कर दिया और कहा कि पेट्रोल की आपूर्ति सामान्य रूप से की जाएगी। इससे वाहन चालकों को राहत मिली। इस बीच ऑयल टैंकर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजशेखर ने हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में पेट्रोल की कमी पर अहम बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेलंगाना में तेल टैंकरों की कोई हड़ताल नहीं है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कानून में संशोधन से कुछ भ्रम पैदा हो गया था, लेकिन अब तेल टैंकर सामान्य रूप से काम करेंगे।

अंधविश्वास को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास : बैरी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नास्तिक संघ के नेता बैरी नरेश ने एटूरुनागारम की घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब तक उनमें सांस है अंधविश्वास को मिटाने के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि एटूरूनागारम में उन पर अय्यप्पा भक्तों ने हमला नहीं किया, बल्कि सिविल ड्रेस में आए लोगों ने जानबूझकर उन पर हमला किया. उन्होंने बीजेपी और सांप्रदायिक लोगों पर साजिश रचकर हमला करने का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि उन्होंने किसी भी अयप्पा भक्त को कार से टक्कर नहीं मारा। वे उनके खिलाफ गलत प्रचार कर रहे हैं। उनकी मांग है कि उन पर हमला करने और बाधा पहुंचाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि सिविल ड्रेस में आये लोगों ने भड़काया। उन्होंने कहा कि वह और उनकी पत्नी कार दुर्घटना में घायल हो गये थे। उनकी मांग है कि उनका पीछा करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। अभिव्यक्ति की आजादी का दमन करने वालों पर केस दर्ज होना चाहिए। बैरी नरेश ने कहा कि उनका इरादा अयप्पा का अपमान करने का नहीं था। उन्होंने सरकार से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाए और उनकी सुरक्षा के लिए सरकार उन्हें लाइसेंसी हथियार दे. इस आशय का एक वीडियो जारी किया गया है.

इस बीच.. अयप्पा भक्तों ने बैरी नरेश की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. अन्यथा वे चेतावनी दे रहे हैं कि पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन किया जायेगा. अयप्पा भक्त इस बात पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं कि अयप्पा भक्तों को जानबूझ कर एक वाहन से टक्कर मारी गई.

यह हार बीआरएस के लिए स्पीड ब्रेकर : हरीश राव

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट विधायक और पूर्व मंत्री हरीश राव ने कांग्रेस और भाजपा की आलोचना की। आज उन्होंने दुब्बका में आयोजित बीआरएस आत्मीय सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस मौके पर हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी तेलंगाना के साथ अन्याय कर रही हैं। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए उसे बीजेपी का सहयोगी दल बताया. उन्होंने भाजपा पर जनजातीय विश्वविद्यालय और कोच फैक्ट्री देने का वादा कर धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अगले चुनाव में 2 लाख का कर्ज माफ करने के बाद ही वोट मांगना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब वह सत्ता में आये तो मुफ्त बिजली देने का वादा कर अब इससे मुकर रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस ने बोनस देने के बाद अनाज खरीदने का वादा किया, लेकिन बाद में उससे भी मुकर गयी। उन्होंने कहा कि वे रैतू भरोसा योजना के तहत बीआरएस ने 15,000 रुपये दिये, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में ने के बाद 10,000 रूपये भी नहीं दिए हैं। जब कोरोना आया तब भी केसीआर ने रैतू बंधु को नहीं रोका। कांग्रेस ने 4 हजार रुपये पेंशन देने का वादा किया, लेकिन अभी तक यह रकम नही दी गयी है। उन्होंने कहा कि बीआरएस दुबारा सत्ता में आएगी और लोगों के साथ जो वादा किया गया था उन सभी वादों को पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि यह हार हमारे लिए स्पीड ब्रेकर की तरह है। उन्होंने भरोसा जताया कि हमें फिर से बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी तेलंगाना के लिए सही हितैषी है। चुनाव में लोगों ने जो फैसला सुनाया है पार्टी उसकी समीक्षा करेगी।

एक शाम संत श्री सेवानाथजी के नाम जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कीसरा बंडलागुडा स्थित देवासी समाज मंदिर प्लॉट पर रामजी राम ग्रूप हैदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान मे सोमवार 1 जनवरी 2024 को रात्रि 9.15 बजे पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर एक शाम संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम भव्य जागरण एवं महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे रामजी राम ग्रूप के आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की भांति संत श्री सेवानाथजी महाराज के नाम एक शाम भव्य जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। रामजी राम ग्रूप के आयोजकों द्वारा मंदिर प्लॉट पर विशेष पंडाल की व्यवस्था व मंच सजाकर संत श्री सेवानाथजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलितकर मरुधरा के भजन सम्राट रामनिवास देवासी की मधुर आवाज में रात्रि 9.15 बजे जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर पधारे भक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गयी। अवसर पर कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों का रामजीराम ग्रूप के आयोजकों द्वारा नववर्ष का कैलेंडर भेंटकर राजस्थानी साफे से विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे रामजी राम ग्रूप के रामु, रामस्वरुप, दयालराम, संग्रामराम, रामनिवास बालुंदा, मदन हिंगोला, दिनेश, नेमाराम एवं सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन जगदीश लितरिया ने किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

लंबित चालानों के निपटान के लिए छूट की पेशकश की घोषणा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक पुलिस ने तेलंगाना राज्य भर में लंबित चालानों के निपटान के लिए छूट की पेशकश की घोषणा की है। इस डिस्काउंट ऑफर को वाहन चालकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। जहां पुलिस लगभग 2 करोड़ के लंबित चालानों को निपटाने के लिए यह ऑफर लेकर आई है, वहीं मोटर चालकों के साथ-साथ साइबर अपराधी भी इसका उपयोग कर रहे हैं। वे चालान इकट्ठा करने और मोटर चालकों के खातों से पैसे चुराने के लिए नकली वेबसाइट बना रहे हैं। इसे गेखते हुए पुलिस वाहन चालकों को सतर्क किया है। मालूम हो कि तेलंगाना सरकार ने करोड़ों की संख्या में जमा हुए चालान को चुकाने के लिए 26 दिसंबर से 10 जनवरी तक लंबित चालान पर डिस्काउंट ऑफर की घोषणा की है।

हालाँकि.. इन ऑफर में पुलिस ने सेवा केंद्रों के साथ-साथ वेबसाइट https://echallan.tspolice.gov.in/publicview के माध्यम से चालान जमा करने का अवसर प्रदान किया है। हालाँकि, इस ऑफर को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के कारण.. पुलिस की वेबसाइटें समय-समय पर हैंग हो रही हैं। इसके अलावा साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों ने फर्जी वेबसाइट भी बना ली है. https://echallantspolice.in/ नाम से एक फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। चालान काटकर वाहन चालकों की जेब पर डाका डाल रहे हैं। ऑनलाइन फर्जी वेबसाइटों को देखने के बाद अधिकारियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से मोटर चालकों को सचेत किया। फर्जी वेबसाइटों पर चालान का भुगतान न करें। पुलिस द्वारा बताई गई आधिकारिक वेबसाइट पर भुगतान करने की सलाह दी गयी है। उन्होंने कहा कि फर्जी वेबसाइट बनाने वालों की पहचान करने के लिए जांच की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव 13 जनवरी से हैदराबाद में

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन विभाग 13 जनवरी से सिकंदराबाद परेड मैदान में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय पतंग और मिठाई महोत्सव की मेजबानी करेगा। यह महोत्सव तीन साल के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है।

पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मंगलवार को बेगमपेट हरित प्लाजा में अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव पोस्टर का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं को प्रतिबिंबित करेगा, उन्होंने कहा कि 16 देशों के लगभग 40 अंतरराष्ट्रीय पतंगबाज और 60 राष्ट्रीय पतंग क्लब के सदस्य 3 दिवसीय महोत्सव में भाग लेंगे और विभिन्न डिजाइनों की पतंगें उड़ाएंगे। उन्होंने कहा कि मिठाई महोत्सव के तहत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मिठाइयां स्टालों में उपलब्ध कराई जाएंगी। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आयोजन स्थल पर हस्तशिल्प और हथकरघा के स्टॉल लगाए जा रहे हैं और पतंग महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जीएचएमसी, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था कर रहे थे कि आगंतुकों को असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है।

दमरे जीएम ने की सुरक्षा समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शॉर्ट कट तरीकों का पालन न करने और सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने सलाह दी कि लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, पॉइंट-मैन और ट्रेन संचालन के काम में शामिल अन्य स्टाफ सदस्यों जैसे फील्ड स्तर के कर्मचारियों को नियमित परामर्श सत्र के साथ-साथ सुरक्षित कामकाजी प्रथाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन नियमित रूप से दिया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण तेज करने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को लगातार क्षेत्रीय निरीक्षण करने की भी सलाह दी।

अरुण कुमार जैन ने आगे सुरक्षा कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने चालक दल के काम के घंटों पर भी चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम पर सावधानीपूर्वक योजना

बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जोन पर यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उन महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये जिनका उद्देश्य यात्री सुविधा उपलब्ध कराना है।

अंगदान के मामले में तेलंगाना देश में अव्वल

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कई जगह ऐसे बोर्ड लगे हैं जिन पर लिखा है कि रक्तदान करें, जीवनदाता बनें। लेकिन अब आइए जानते हैं उन लोगों के बारे में जिनका अंगदान के बाद पुनर्जन्म हुआ है। इसके लिए जीवनदान नामक संस्था स्थापित कर आगे बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह संस्था तेलंगाना में स्थित है और फिलहाल देश में नंबर पोजिशन पर है। 2023 में, जीवन दान संस्था ने खुलासा किया कि जनवरी और दिसंबर के बीच मरने वाले 200 ब्रेन-डेड दाताओं से 728 अंग पुनः प्राप्त किए गए थे। इन्हें जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ष 2022 में, 194 ब्रेन डेड रोगियों से एकत्र किए गए अंगों की कुल संख्या 716 थी, जबकि पिछले वर्ष, इस संगठन ने 200 पीड़ितों से 728 अंग एकत्र किए। इसके साथ ही उन्होंने 2022 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह खुलासा दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने किया। बताया जा रहा है कि देशभर के सभी राज्यों में तेलंगाना पहले स्थान पर है।

जीवनदान संगठन के प्रतिनिधियों के अनुसार, तेलंगाना में अंगदान दर 5.04 प्रति मिलियन जनसंख्या (पीएमपी) है, जो देश में सबसे अधिक मानी जाती है। 728 अंग प्रत्यारोपणों में से 287 गुर्दे, 173 यकृत, 75 फेफड़े, 15 हृदय, दो अग्न्याशय और 176 कॉर्निया प्रत्यारोपण किया गया। जीवनदान प्रभारी डॉ. जी स्वर्णलता ने कहा कि 2023 में अंग दान के माध्यम से कई लोगों की जान बचाने में मदद करने के लिए तेलंगाना सरकार और दाता परिवारों, घोषणा टीमों, गहन विशेषज्ञों, समन्वयकों, प्रत्यारोपण टीमों, अस्पतालों, पुलिस विभागों और फोरेंसिक संगठनों को धन्यवाद दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुजरात, चंडीगढ़, जम्मू, कश्मीर और ओडिशा राज्य वर्तमान में जीवनदान ऑनलाइन अंग दान प्रणाली शुरू करके इसका अनुसरण कर रहे हैं। पिछले साल जीवनदान के अधिकारियों ने तेलंगाना के सरकारी अस्पतालों का दौरा किया और डॉक्टरों को अंग दान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निज़ामाबाद, वरंगल, महबूबनगर, ओजीएच और गांधी अस्पतालों में डॉक्टरों को अंग दान के बारे में शिक्षित करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

जनसेवा के लिए संसाधन का भरपूर इस्तेमाल होना चाहिए : अविनाश

साइबराबाद में नए साल का जश्न मना

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नए साल के जश्न को याद करते हुए, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, आईपीएस ने साइबराबाद पुलिस कर्मियों के साथ साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय परिसर में केक काटा और उन्हें नए साल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने कहा कि नए साल के जश्न के दौरान, साइबराबाद सीमा में कोई गलतफहमी नहीं हुई और यह शून्य दुर्घटना दिवस था। जनसेवा के लिए मानव संसाधन एवं अन्य संसाधनों का भरपूर उपयोग किया जाना चाहिए। कर्मचारियों को अपने द्वारा निभाए जा रहे कर्तव्यों के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता और समर्पण होना चाहिए। कनिष्ठ सहायक से लेकर एसपी रैंक के अधिकारी तक सभी को अपने कर्तव्यों के महत्व को समझना चाहिए और परिश्रम और समर्पण के साथ काम करना चाहिए। कार्यक्रम में साइबराबाद पुलिस कमिश्नर अविनाश महंती, साइबराबाद ज्वाइंट सीपी ट्रैफिक नारायण नाइक, बालानगर डीसीपी श्रीनिवास राव, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, राजेंद्रनगर डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, मेडचल डीसीपी सबरीश, डीसीपी एडमिन रवि चंदन रेड्डी, राजेंद्रनगर एडीसीपी रश्मी पेरुमल, मदापुर एडीसीपी नंदयाला नरसिम्हा रेड्डी, सीएआर मुख्यालय एडीसीपी शमीर, सीएसडब्ल्यू एडीसीपी श्रीनिवास राव, एडीसीपी, एसीपी, सीएओ लेखा चंद्रकला, सीएओ एडमिन गीता, इंस्पेक्टर, आरआई, अनुभाग कर्मचारी, पुलिस कर्मी, कर्मचारी एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

जनवरी में तेलंगाना में शून्य शीत लहर वाले दिनों की भविष्यवाणी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वर्षा और तापमान के लिए अपने मासिक आउटलुक में इस जनवरी में तेलंगाना के लिए मानक से महत्वपूर्ण विचलन की भविष्यवाणी की है। आईएमडी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, पूरे जनवरी में राज्य में शून्य शीत लहर की घटनाएं होने की उम्मीद है, न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर रहने की संभावना है। आईएमडी की रिपोर्ट विशेष रूप से जनवरी के लिए तेलंगाना में सामान्य से अधिक बारिश की आशंका पर प्रकाश डालती है, इस पैटर्न को मार्च तक बढ़ाने का अनुमान है। यह भविष्यवाणी एक सप्ताह के रुझान के बाद आई है जहां हैदराबाद में औसत न्यूनतम तापमान लगातार मौसमी औसत से अधिक बना हुआ है।

मंगलवार को, शहर का न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा, जो साल के इस समय अपेक्षित सामान्य 14.9 डिग्री सेल्सियस से बिल्कुल विपरीत है। आगे देखते हुए, आईएमडी-हैदराबाद ने इस प्रवृत्ति के जारी रहने का अनुमान लगाया है, आगामी पांच दिनों के लिए न्यूनतम तापमान में 17 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच उतार-चढ़ाव होने का अनुमान है। इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान सुबह में कोहरा या धुंध की स्थिति होने का अनुमान है।

टास्कफोर्स और कंचनबाग पुलिस ने गांजा ले जा रहे चार लोगों को पकड़ा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 1 जनवरी को लगभग 1240 बजे, कमिश्नर टास्कफोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने कंचनबाग पीएस के कर्मचारियों के साथ पिसलबंडा में पंजीकरण संख्या टीएस 08जीएन 6166 के साथ एक नीले रंग की बलेनो कार को रोका। कंचनबाग पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत चौराहे पर शेख अब्दुल फैसल उर्फ फैसल, मोहम्मद सामी उद्दीन उर्फ अद्दू, मोहम्मद आमेर उर्फ आमेर और हुस्ना फातिमा उर्फ साजिदा तबस्सुम नाम के चार लोगों को पकड़ा, जिनके पास गांजा था और उनके पास से 31.34 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किया गया।

पुलिस ने 3,10,000 रुपये मूल्य का 31.34 किलोग्राम गांजा, एक नीले रंग की बलेनो कार टीएस 08जीएन 6166, चार सेल फोन जब्त किए। ए-5 रितेश ओडिशा राज्य का निवासी है और गांजा सप्लायर है।हाल ही में ए-1 और ए-2 ने गांजा संग्रह के बारे में पूछताछ की और नए साल 2024 की पूर्व संध्या पर अरकू से हैदराबाद तक बड़ी मात्रा में गांजा लाने की योजना बनाई और फोन के माध्यम से ए-5 से संपर्क किया और गांजा की आपूर्ति की पुष्टि की। बाद में, ए-1 और ए-2 ने ए-3 और ए-4 से संपर्क किया और उन्हें अरकू से गांजा लाने के लिए प्रत्येक को 10,000/- रुपये देने का वादा किया। ए-1 ने 29 दिसंबर को अपने दोस्त से ब्लू बलेनो लिया और ए-1 से ए-4 ओडिशा गया और ए-5 रितेश से 56,000 रुपये में गांजा के 15 पैकेट खरीदे।

ए-1 से ए-4 ने 15 पैकेट गांजा इकट्ठा किया और अपनी कार में छुपा लिया। 1 जनवरी 2024 को ए-1 से ए-4 नीले रंग की बलेनो कार में गांजा के साथ कंचनबाग स्थित पिसलबंद चौराहे से गुजर रहे थे, तभी कमिश्नर टास्क फोर्स, दक्षिण-पूर्व जोन टीम और कंचनबाग पुलिस द्वारा उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया गया। गांजा का मुख्य आपूर्तिकता ओडिशा के कोरापुट जिले का रितेश फरार है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Golkonda Suneetha, Legally wedded spouse of Nk Rajolu Venkateswara Rao of Unit: 61 Med Regt., R/o:12/12, Amaruthalur , Guntur, A.P.-522325 changed my name from GOLKONDA SUNEETHA to RAJOLU SUNEETHA, vide affidavit dt.29-12-23, duly signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

I, Shubhangi, Legallay Wedded Spouse of Nb/Sub PATIL JITENDRA ANNASO of Unit:61 Med Regt., R/o:Tippehalli, Revnal, Jath, Sangli, Maharashtra - 416404 ,changed my name from Shubhangi to PATIL SHUBHANGI JITENDRA, vide affidavit dt.29-12-23, duly signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

I, Nb/Sub PATIL JITENDRA ANNASO of Unit:61 Med Regt., Father of Swaranjali , R/o:Tippehalli, Revnal, Jath, Sangli, Maharashtra - 416404 ,changed my Daughter's name from Swaranjali to SWARANJALI JITENDRA PATIL, vide affidavit dt.29-12-23, duly signed by P.Raveendranath, Adv & Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नीतीश कुमार बनेंगे इंडिया महागठबंधन के संयोजक

आज की बैठक में होगा फैसला

पटना, 2 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों के बीच बैठकों का दौर जारी है। एक तरफ जहां इंडिया महागठबंधन बुधवार को बैठक करेगा। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की पार्टी मुख्यालय में आज बैठक होगी। 3 जनवरी को इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की जूम ऐप के जरिये बैठक होगी, जिसमें सभी घटक दलों के नेता शामिल होंगे। इंडिया गठबंधन में नीतीश की आगे की भूमिका को लेकर चर्चा हो सकती है। इस बैठक में कांग्रेस के बड़े नेता नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव दे सकते हैं। वहीं लोकसभा चुनाव की रणनीति को लेकर आज बीजेपी की महत्वपूर्ण मीटिंग होगी। ये मीटिंग सुबह करीब 11 बजे बीजेपी मुख्यालय में शुरू होगी। बीजेपी के कई राष्ट्रीय महासचिव, केन्द्र सरकार के मंत्री और असम सीएम इस मीटिंग में मौजूद रहेंगे। वहीं पंजाब कांग्रेस आज एक अहम बैठक करने जा रही है, जिसमें आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर साथ ही इंडिया गठबंधन की रूपरेखा क्या होगी या इस मीटिंग में तय किया जाएगा। पंजाब कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी इस बैठक में शामिल होंगे। चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में ये मीटिंग होगी। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा तंज भरे लहजे में कांग्रेस पर दिए गए बयान के बाद इंडिया महागठबंधन के लिए यह मीटिंग महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

फरार पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की तलाशी जा रही संपत्तियां

इस केस में मिल चुकी है उम्रकैद की सजा

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बस्ती जिले से फरार घोषित पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी की चल और अचल संपत्तियों को तलाशा जा रहा है। कवयित्रि मधुमिता हत्याकांड में पत्नी संग उम्र कैद की सजा पाए अमरमणि अब कहां हैं, पुलिस को इसकी कोई भी जानकारी नहीं है। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद अमरमणि त्रिपाठी को रिहा करने का आदेश अदालत ने दिया था, लेकिन बस्ती जिले के कई आपराधिक मामले में उनकी फिर से तलाश हो रही है। अदालत में पेश न होने के कारण पुलिस को उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी पड़ रही है।

बस्ती पुलिस ने लखनऊ नगर-निगम से मांगी मदद

बस्ती जिले की पुलिस ने अमरमणि त्रिपाठी की संपत्तियों का ब्योरा उपलब्ध कराने के लिए लखनऊ नगर निगम से मदद मांगी है। वर्ष 2001 के आपराधिक मामले और गैंगस्टर एक्ट मामले के आरोपी और फरार चल रहे अमर मणि त्रिपाठी के रजिस्टर्ड वाहन का

ब्योरा भी जुटाया जा रहा है। फिलहाल लखनऊ में हजरतगंज के लारेंस टेरेंस में भी अमरमणि त्रिपाठी के आवास होने की जानकारी नगर निगम को मिली है। नगर निगम के एक अधिकारी के मुताबिक अन्य संपत्तियों की जानकारी जुटाई जा रही है। लखनऊ के लारेंस टेरेंस और गोरखपुर के मौजा 19, ए हिमायुपुर थाना दक्षिण निवासी अमर मणि त्रिपाठी पर 2001 में कई गंभीर धाराओं और गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस को अमरमणि की संपत्तियों को कुर्क कर अदालत को सूचित करना है। इसलिए पुलिस लखनऊ में अमरमणि और उनके परिजनों से जुड़ी चल और अचल संपत्तियां का ब्योरा जुटा रही है, जिससे उसे कुर्क किया जा सके।

हत्या में दोषी

कवयित्रि मधुमिता शुक्ला की हत्या मामले में दोषी पाए गए अमरमणि त्रिपाठी व उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी की बीती 25 अगस्त को रिहाई हुई थी। लखनऊ की पेपरमिल कालोनी में मधुमिता शुक्ला की नौ मई, 2003 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। देहरादून की कोर्ट ने 24 अक्टूबर, 2007 को अमरमणि, पत्नी मधुमणि, भतीजे रोहित चतुर्वेदी व शूटर संतोष राय को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

रामलला की मूर्ति फाइनल होने पर चंपत राय बोले- 'मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा'

अयोध्या, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भव्य राम मंदिर में स्थापित करने के लिए रामलला की तीन मूर्तियों में से एक मूर्ति का चयन हो गया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। तीन मूर्तिकारों में से कर्नाटक के जानेमाने मूर्तिकार योगीराज अरुण की बनाई मूर्ति पर मुहर लगी है। हालांकि, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने मंगलवार को कहा कि इस मामले में मैं अभी कुछ नहीं बोलूंगा। मूर्तिकार मंदिर समिति ही इस पर अंतिम फैसला लेगी। जानकारी मिली है कि मूर्ति पर मुहर तो गई है, लेकिन ट्रस्ट 17 जनवरी को इस बारे में राम भक्तों को जानकारी देगा। आपको बता दें कि इस दिन रामनगरी में नगर यात्रा निकाली जाएगी। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पर लिखा कि 'जहां राम हैं, वहां हनुमान हैं।

अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मूर्ति का चयन हो गया है। हमारे देश के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार, हमारे गौरव अरुण योगीराज के द्वारा बनाई गई भगवान राम की मूर्ति अयोध्या में स्थापित की जाएगी। यह राम और हनुमान के अटूट रिश्ते का एक और उदाहरण है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हनुमान की भूमि कर्नाटक से रामलला के लिए यह एक महत्वपूर्ण सेवा है।' रामलला की अचल मूर्ति निर्माण के लिए नेपाल की गंडकी नदी समेत कर्नाटक, राजस्थान व उड़ीसा के उच्च गुणवत्ता वाले 12 पत्थर ट्रस्ट ने मंगाए थे।

लोकसभा चुनाव से पहले सपा का मास्टर प्लान तैयार

अखिलेश यादव ने अपनाया मुलायम सिंह के जमाने का फार्मूला

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सपा ने इसके लिए बूथ स्तर पर भी पीडीए का कैडर तैयार करना शुरू कर दिया है। प्रत्येक बूथ पर 'पीडीए' के न्यूनतम 10 प्रभावशाली लोगों का कैडर बनाने का निर्णय लिया गया है। यह ऐसे लोग होंगे जिनका अपने समाज में खासा प्रभाव होगा। इनका डाटा सपा प्रदेश मुख्यालय में मौजूद रहेगा। पार्टी मिनटों में जरूरी सूचनाएं इन तक पहुंचा सकेगी।

पीडीए को बड़ा अस्त्र बनाएगी सपा

सपा इस बार के लोकसभा चुनाव में पीडीए को बड़ा अस्त्र बनाकर उतरने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बूथ स्तर पर बड़ा नेटवर्क भी तैयार कर रही है। पार्टी ने अपने फ्रंटल संगठन को यह काम सौंपा है। इन्हें प्रत्येक बूथ पर पीडीए के अनुसार मतदाताओं का क्या समीकरण है इसका भी पता लगाना है। इसी में से पीडीए के तहत न्यूनतम 10 ऐसे प्रभावशाली लोगों को चिह्नित करना है, जिनकी विचारधारा भी समाजवादी है। यदि किसी बूथ पर किसी एक ही जाति का दबदबा है तो उनके ही प्रभावशाली लोगों की इस सूची में शामिल किया जाएगा। पार्टी ने इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी बनाया है, जिसमें इनका विवरण दर्ज करना है। इसकी जानकारी पार्टी मुख्यालय पर पहुंच जाएगी।

ब्लाक इकाई की व्यवस्था बहाल

पार्टी ने एक बार फिर ब्लाक इकाई की व्यवस्था बहाल कर दी है। पिछले कई वर्षों से पार्टी में ब्लॉक अध्यक्ष व इकाई नहीं होते थे। विधानसभा अध्यक्ष ही होते थे। किंतु इस बार सपा ने फिर से ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति कर दी है।

मुलायम सिंह यादव के समय पार्टी में ब्लॉक अध्यक्ष संगठन के मजबूत आधार होते थे। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि ब्लाक इकाई गठित होने से पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि ज्यादातर स्थानों पर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं।

निगरानी के लिए जोन प्रभारी बनाए

पार्टी ने संगठन की निगरानी के लिए जोन प्रभारी भी बनाए हैं। अभी तक पार्टी में केवल बूथ व सेक्टर प्रभारी ही अहम होते थे। 10-12 बूथ पर एक सेक्टर व सात-आठ सेक्टरों पर एक जोन बनाया गया है। पार्टी में जोन व सेक्टर प्रभारी कितने महत्वपूर्ण है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि खुद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा वार जब नेताओं को बुलाते हैं तो उसमें उस क्षेत्र के प्रमुख नेताओं के साथ पूर्व विधायक व पूर्व सांसद के साथ ही जोन व सेक्टर प्रभारी जरूर होते हैं। इनसे एक-एक कर अकेले में अखिलेश बात कर पूरे क्षेत्र की अंदरूनी राजनीति भी समझ लेते हैं।

रेलवे अधिकारी पर दर्ज हुआ आय से अधिक संपत्ति का केस

घूस लेते रंगे हाथ पकड़ी थी सीबीआई

गोरखपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। एनटी रेलवे के एक अधिकारी के पास से आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला सामने आया है। इस मामले में सीबीआई की लखनऊ स्थिति आर्थिक अपराध शाखा ने गोरखपुर रेलवे में तैनात रहे प्रमुख चीफ मैटेरियल मैनेजर कैलाश चंद्र जोशी के खिलाफ सोमवार को आय से ज्यादा संपत्ति की एफआईआर दर्ज कर ली है।उनके खिलाफ आरोप हैं कि उन्होंने अपनी आय से 4.44 करोड़ रुपये ज्यादा अर्जित किया है। सीबीआई ने कुछ दिन पहले उन्हें घूस लेते गिरफ्तार किया था। इसके बाद उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। सीबीआई की जांच में पाया गया है कि 8 नवंबर 2016 से 13 सितंबर 2023 के बीच उन्होंने स्वयं और अपने परिजनों के नाम 5 करोड़ नौ लाख 72 हजार रुपये की धनराशि के निवेश आदि किए। इस अवधि में उन्हें 91 लाख 93 हजार 75 रुपये की वास्तविक आय हुई थी। साथ ही इस दौरान उन्होंने 26 लाख 29 हजार 314 रुपये खर्च भी किए। सीबीआई जांच में पाया गया कि इस दौरान उन्होंने 4 करोड़ 44 लाख 8 हजार 260 रुपये की अवैध कमाई की।

आय से अधिक संपति मामले में केस दर्ज

इस मामले में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं 13(2), 13(1)ई और धारा 13(2), 13(1) में केस दर्ज किया गया है। जांच में पाया गया है कि उन्होंने लाखों, करोड़ों की संपत्तियां देहरादून, नोएडा में एक फ्लैट, लाकर में 54 लाख रुपये के जेवर, 29650 के चांदी के सिक्के, नोएडा में रेल नगर में एक फ्लैट, पांच लाख की एफडी, पत्नी के नाम पांच लाख की एफडी समेत कुल आठ एफडी पाई गई हैं।

बीएचयू मामले पर कांग्रेस ने भाजपा पर किया कटाक्ष

कहा- 'बेटी बचाओ' का नारा लेकिन हरकतें बेटियों को रुलाने वाली

वाराणसी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में एक छात्रा संग हुए सामूहिक बलात्कार के मामले में कांग्रेस ने अब भाजपा पर निशाना साधा है। इस मामले में भाजपा के स्थानीय नेताओं की संलिप्तता पर कांग्रेस ने कहा कि सत्ताधारी दल का नारा तो 'बेटी बचाओ' का है, लेकिन काम 'बेटी रुलाओ' का है। महिला कांग्रेस की प्रमुख नेटा डिसूजा ने कहा कि एक तरफ भाजपा कहती है 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि वह महिलाओं के लिए 'बलात्कारी जनता पार्टी' बन गई है। बता दें कि बीएचयू के आईआईटी परिसर में दो महीने पहले एक छात्रा संग दुष्कर्म की घटना सामने आई थी।

बीएचयू मामले पर कांग्रेस ने भाजपा पर किया कटाक्ष

पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि वो तीनों आरोपी भाजपा के पदाधिकारी है। तीनों आरोपियों के फेसबुक प्रोफाइल पर भाजपा के आईटी सेल के होने का दावा किया गया था। कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस से बात करते हुए हुए डिसूजा ने भाजपा और उसके वरिष्ठ नेताओं से इस मामले पर चुप्पी तोड़ने को कहा है। कांग्रेस नेता ने 'दो महीने पहले, काशी हिंदू विश्वविद्यालय में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज में तीनों आरोपी साफ नजर आ रहे थे। उनके नाम कुणाल पांडे, अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल हैं, ये सभी भाजपा आईटी सेल के पदाधिकारी हैं।' उन्होंने कहा, 'एक तरफ भाजपा कहती है 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', और दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि भाजपा महिलाओं के लिए 'बलात्कारी जनता पार्टी' बन गई है। उनका नारा बेटी बचाओ का है, और काम बेटी रुलाओ का है।'

प्रधानमंत्री से कांग्रेस ने की अपील

उन्होंने कहा, ''आपके (प्रधानमंत्री मोदी) अपने संसदीय क्षेत्र में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया है और आरोपी भाजपा आईटी सेल के सदस्य निकले। उन्हें गिरफ्तार करने में 60 दिन लग गए, क्योंकि ये बलात्कारी मध्य प्रदेश चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार कर रहे थे।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर इस घटना को बीएचयू के छात्रों ने नहीं उठाया होता, तो कई अन्य मामलों की तरह इसे भी दबा दिया गया होता । उत्तर प्रदेश की कांग्रेस नेता डॉली शर्मा भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद थीं और उन्होंने भी मामले में भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, ''गृह मंत्री अमित शाह कहा करते थे कि उत्तर प्रदेश में दूरबीन से ढूंढने पर भी अपराधी नहीं मिलेंगे। दूरबीन की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अपराधी आपके बगल में बैठे हैं।'' शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इन अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलते नहीं देखा गया। विपक्षी दलों ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है और आरोप लगाया है कि मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों का सत्तारूढ़ भाजपा से संबंध है।

नोएडा पुलिस ने कुख्यात बदमाश रवि काना के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया

नोएडा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नोएडा की बीटो-दो पुलिस ने सरिया और कबाड़ का अवैध कारोबार करने वाले कुख्यात बदमाश रवि काना समेत 16 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। दो दिन पहले ही सेक्टर-39 थाने में एक युवती ने गैंगस्टर रवि काना के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन मुख्य आरोपी रवि अभी फरार है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के एक प्रवक्ता ने बताया कि थाना बीटो-दो के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र सिंह ने एक गोपनीय सूचना के आधार पर दादूपुर गांव निवासी रवि नागर उर्फ रवि काना समेत 16 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट (उत्तर प्रदेश गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम) में मुकदमा दर्ज किया है।

अगले दो दिन गरज-चमक के साथ लगातार होगी बारिश

प्रयागराज, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल की शुरुआत पर मौसम विभाग ने ठंड को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है। पहाड़ों पर हो रही बर्फ़बारी ने उत्तर भारत में सर्दी को एक बार फिर से बढ़ा दी है। सुबह-शाम प्रदेश धुंध की मोटी चादर में लिपटा दिख रहा है। इस कंपकंपाती ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेते दिख रहे हैं। पिछले 4-5 दिनों में प्रदेश में बहुत ज्यादा ठंड पड़ रही है। और नए साल की शुरुआत में एक बार फिर से आईएमडी लखनऊ ने ताजा मौसम रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि प्रदेश में अगले 48 घंटे के भीतर कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश होगी, जिससे मौसम में और नमी आएगी और मौसम का मिजाज और सर्द होगा। वहीं, सुबह-शाम घने से घने कोहरे को देखते हुए मौसम विभाग ने यूपी के 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट व 38 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इतनी सर्दी के बीच ये होने वाली बारिश प्रदेश के दिन के तापमान में गिरावट ला सकती है। मौसम विभाग की ओर से जारी वेदर रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में जारी शीतलहर अभी कुछ दिनों तक जारी रहने वाली है। लोगों को अभी कुछ और दिनों तक इससे बचने के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि अरब सागर में हलचल तेज है और साथ ही पहाड़ों पर बर्फ़बारी भी हो रही है। इसके चलते प्रदेश में सर्दी का सितम जारी है। अरब सागर से आ रही नम हवा प्रदेश की हवाओं को और सर्द कर रही हैं। रिपोर्ट में आगे लिखा कि अगले 24 घंटे प्रदेश के 15 जिलों में घने से घना कोहरा देखने को मिलेगा और इन जिलों में विजिबिलिटी करीब 50 से 200 मीटर तक रहने की उम्मीद है। इसको लेकर इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राज्य के 38 जिलों में मध्यम कोहरा देखने को मिलेगा और यहां येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोल्ड डे भी घोषित किया जा चुका है। बारिश को लेकर ताजा अपडेट में लिखा कि 3 और 4 जनवरी को प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इससे प्रदेश के दिन के तापमान में मामूली 2-3 डिग्री सेल्सियस की कमी आ सकती है। प्रदेश में मौसम के लगातार बदलने के कारण दिन के तापमान में लगातार बदलाव देखे जा रहे हैं। निचे दिए गए लिस्ट में आप अपने जिले के न्यूनतम व अधिकतम तापमान में बदलाव देख सकते हैं।

लालू यादव के घर के बाहर लगी पोस्टर पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार, किया ये बड़ा दावा

लखनऊ, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इस महीने की 22 तारीख को अयोध्या में भव्य राम मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा होने वाली है, जिसे लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। इसी बीच राजद के विधायक फतेह बहादुर ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के बाहर एक पोस्टर लगाया है, जिसमें विधायक ने सावित्रीबाई फुले की बातों को दोहराते हुए फिर से सनातन पर तंज कसा है। इस पोस्टर के सामने आते ही बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। पोस्टर में लिखा है कि मंदिर का मतलब मानसिक गुलामी का मार्ग और स्कूल का मतलब होता है, जीवन में प्रकाश का मार्ग। दरअसल, राजद सावित्री बाई फुले की जयंती मनाने वाली है। विधायक के इस पोस्टर में एक तरफ राजद प्रमुख लालू यादव, राबड़ी देवी और दूसरी तरफ उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की तस्वीर है। पोस्टर के शीर्ष पर महात्मा बुद्ध, सम्राट अशोक, कबीर, सावित्री बाई फुले तथा अन्य लोगों की तस्वीर भी है। अब यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इसपर पलटवार करते हुए लिखा, 'ग़ुलामी की मानसिकता से मुक्ति का मंदिर भी है श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर।' डिप्टी सीएम का ये रिएस्शन सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर आया है।

नवादा की बेटी स्मृति बनीं मिस बिहार, अब मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में दिखाएंगी बिहार का जलवा

नवादा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सुंदरता के ताज़ पर अबकी बार नवादा की बिटिया ने राज कायम कर लिया है। राजधानी पटना में आयोजित मिस बिहार 2023 के 13वें सत्र में नवादा की स्मृति भगत ने कब्जा जमा लिया है। अब वह राष्ट्रीय स्तर की मिस इंडिया कांटेस्ट में बिहार की दावेदारी पेश करेंगी।

नवादा की बेटी ने बिहार के कई शहरों को पछाड़ा

पटना, गया, मुजफ्फरपुर जैसे उत्तर और दक्षिण बिहार के प्रमुख शहरों की ब्यूटी को पछाड़ करके नवादा की 20 वर्षीय बिटिया ने ताज़ अपने सिर पर सजा लिया। साल के अंतिम दिनों में नवादा के लिए ख़ुशी बटोर कर लाने वाली बिटिया के इस जलवे ने नए साल के जश्न में चार चांद लगा दिए है। जिले की बिटिया स्मृति की इस उपलब्धि से नवादा वासी भी खुश हैं।

शिक्षित परिवार से बिटिया का है नाता, मां है प्रिंसिपल

स्मृति भगत काफ़ी पढ़े-लिखे परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता संतोष भगत व्यवहार न्यायालय, नवादा में कार्यरत हैं, तो माता सारिका भगत एक निजी विद्यालय में प्रिंसिपल हैं। स्मृति के भाई सुयश भगत दिल्ली में ही रहकर बी-टेक की पढ़ाई कर रहे हैं। भगत परिवार मूल तौर पर भागलपुर के रहने वाले हैं। स्मृति के दादा इंडियन रेलवे में कार्यरत थे। साल 2000 में इनके पिता की नौकरी नवादा व्यवहार न्यायालय में हो गई, तब से इनका परिवार नवादा में निवास कर रहा है। पटना में ओसियन इंटरटेनमेंट के निदेशक प्रवीण सिन्हा द्वारा प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें फेमिना मिस इंडिया 2020 की रनर अप मान्या सिंह, बॉलीवुड एक्टर पंकज केशरी समेत मॉडलिंग की दुनिया के जाने पहचाने नाम उपस्थित थे। ख़िताब के साथ स्मृति को सिटीकार्ट, टारक जैसे प्रतिष्ठित कम्पनियों का ब्रांड अम्बेसडर भी घोषित किया गया है।

सुंदरता के साथ विद्वता का भी बेजोड़ नमूना हैं स्मृति

मिस बिहार का ख़िताब जीतने वाली स्मृति भगत सुंदरता के साथ विद्वता का बेजोड़ नमूना है। साल 2000 में देश के प्रतिष्ठित एग्जाम क्लैट क्वालीफाई करके वह गुरु गोविन्द सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी दिल्ली में वकालत की पढ़ाई कर रही हैं। इसके पूर्व उन्होंने अपने ददिहाल भागलपुर के डीएवी स्कूल से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। नवादा के विकास किंडरगार्डेन से प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण की और फिर डीपीएस से दसवीं की परीक्षा पास की है।

'इन लोगों को जनता से कोई मतलब नहीं', राम मंदिर के मुख्य पुजारी का उदित राज पर पलटवार

अयोध्या, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर को लेकर एक विवादित टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, 'मतलब पांच सौ वर्ष बाद मनुवाद की वापसी हो रही है।' कांग्रेस नेता उदित राज के ट्वीट पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास महाराज ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता उदित राज के ट्वीट पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास महाराज ने कहा, 'पीएम जो कर रहे हैं वह 'सबका साथ, सबका विकास' है।

संजय कुंडू को डीजीपी पद से हटाया

आयुष विभाग के प्रधान सचिव का जिम्मा सौंपा

शिमला, 2 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के बाद राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संजय कुंडू को डीजीपी पद से हटा दिया है। कुंडू को अब प्रधान सचिव आयुष विभाग का जिम्मा दिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्द नए डीजीपी की तैनाती की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। हिमाचल काडर के पुलिस अधिकारियों की बात करें तो इनमें वरिष्ठतम पुलिस अधिकारी 1988 बैच के तपन कुमार डेका हैं। डीजीपी संजय कुंडू 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह वरिष्ठता में डेका के बाद आते हैं। डेका केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और उच्च पद पर आसीन हैं। कुंडू वैसे भी अप्रैल में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। संजीव रंजन ओझा 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं और कुंडू के बाद वरिष्ठता में सबसे आगे हैं। ओझा के बाद 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी श्याम भगत नेगी हैं, जो केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर ही हैं। उनके बाद 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी अतुल वर्मा हैं। वह भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं। उसके बाद आने वाले 1993 बैच के अनुराग गर्ग भी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट चुके हैं। इसी बैच में अशोक तिवारी और ऋत्विक रुद्र आते हैं। 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राकेश अग्रवाल भी केंद्र से लौट चुके हैं। इसी बैच के अगले अधिकारी जहूर हैदर जैदी हैं। जैदी के बाद 1995 बैच में एसपी सिंह और एन वेणुगोपाल हैं। उनके बाद 1996 बैच में सतवंत अटवाल त्रिवेदी, अजय कुमार यादव और अभिषेक त्रिवेदी हैं। इनमें से किसी एक अधिकारी को डीजीपी बनाया जा सकता है।

कमांडिंग ऑफिसर को नियुक्त करने का आग्रह

जासूसी के आरोपी सैन्य अधिकारी के मामले में कोर्ट ने की सुनवाई

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अदालत ने जासूसी के आरोपी एक सैन्य अधिकारी के मामले की सुनवाई के दौरान भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों से एक कमांडिंग ऑफिसर को नियुक्त करने का आग्रह किया है। तीस हजारी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एकता गाबा मान ने कहा कि कमांडिंग ऑफिसर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा जाए। उन्होंने इसके साथ ही मामले की सुनवाई फरवरी के लिए स्थगित कर दी। सेना अधिकारी के खिलाफ आरोप है कि उसने सैन्य गुप्त दस्तावेजों को एक अन्य आरोपी एवं नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात एक अधिकारी के माध्यम से पाकिस्तान भेजा था। सेना की मिलिट्री इंटेलिजेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अन्य आरोपी हबीब उर रहमान के पास से बरामद सभी दस्तावेज गोपनीय थे। अदालत ने कहा कि आरोप पत्र के अनुसार, आरोपी परमजीत कुमार उत्तर प्रदेश के आगरा छावनी में एक सैन्य इकाई का नायक क्लर्क था। अदालत ने इसके साथ ही अपना अनुरोध पत्र यूनिट मुख्यालय एएफएसओडी, आगरा कैंट, उत्तर प्रदेश के कमांडिंग ऑफिसर के साथ-साथ उनके प्रधान कार्यालय और उनकी सतर्कता शाखा के अलावा सेना भवन, नई दिल्ली को भेजा है।

उन्होंने कहा कि आरोपी परमजीत कुमार के खिलाफ आरोप है कि उसने सेना से संबंधित वर्गीकृत और गोपनीय दस्तावेजों को दुश्मन देशों को दिया जो राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा है। हबीबुर रहमान पर आरोप लगाया है कि उसने परमजीत से मिले दस्तावेजों को पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारी को देता था।

दीपक बॉक्सर की हरियाणा कोर्ट में पेशी पर रोक लगाई

अदालत ने गैंगस्टर दीपक पहल उर्फ बॉक्सर की हरियाणा के करनाल स्थित अदालत के समक्ष पेशी पर रोक लगा दी है। आरोपी ने आपराधिक मामले में करनाल की अदालत द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट पर रोक लगाने की मांग की थी। तीस हजारी कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट गीता ने 29 दिसंबर को सीआरपीसी की धारा 269 के तहत दीपक बॉक्सर के आवेदन के निपटारे तक करनाल की अदालत में पेशी के लिए जारी वारंट पर रोक लगा दी। अदालत ने मंडोली जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि दीपक बॉक्सर को उसके आवेदन के निपटारे तक दिल्ली से बाहर अदालत में पेश न किया जाए।

अदालत ने मामले की सुनवाई 6 जनवरी तय है। अदालत ने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले के संबंध में अतिरिक्त अधीक्षक द्वारा दायर रिपोर्ट पर भी विचार किया, जिसमें दीपक न्यायिक हिरासत में है।

कश्मीर में जम गईं नदियां और झीलें, श्रीनगर में -13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा पारा

श्रीनगर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में शीत लहर के बढ़ने के साथ न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे बना हुआ है और नदियों, झीलों एवं झरनों तक में पानी जम गया है। घाटी में ठंड ने ऐसी दस्तक दी है कि श्रीनगर में तापमान -13 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है। तापमान के इतने नीचे जाने की वजह से झीलों, नदियों और झरनों पर बर्फ की मोटी परत बिछ गई है। गुलमर्ग के ड्रंग में बहने वाला झरना भी बर्फ में तब्दील हो चुका है। यहां तक कि पहाड़ों के नीचे से बहने वाली नदी भी पूरी तरह जम चुकी है। भीषण शीतलहर के चलते नदियों और झीलों का पानी बर्फ में तब्दील होने के बाद जो नजारा दिख रहा है वह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, और इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में सबसे ज्यादा बर्फबारी और ठंड पड़ती है और यहां का तापमान -15 से -20 डिग्री तक भी चला जाता है जिसकी वजह से झरना पूरी तरह जम जाता है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि यहां आने वाले पर्यटक इसे देखकर हैरान और खुश हो जाते हैं। ड्रंग के लोगों का मानना है कि जितनी ज्यादा बर्फबारी होगी, उतने ही ज्यादा पर्यटक यहां आएंगे। उन्होंने कहा कि इसीलिए हम हमेशा दुआ करते हैं कि यहां ज्यादा से ज्यादा बर्फबारी हो ताकि और अधिक पर्यटक यहां आएं।

पति के मौत से दुखी पत्नी ने की आत्महत्या

कोलकाता में नए साल के दिन 341 लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के खुर्दा जिले में एक 24 वर्षीय महिला की आत्महत्या से मौत हो गई। महिला ने भुवनेश्वर के एक प्राइवेट अस्पताल में विस्फोट के कारण पति की मौत होने के बाद यह कदम उठाया। महिला की पहचान सौम्यश्री सामंतराय के तौर हुई है। जटनी के पास नुआगांव में अपने पिता के घर पर महिला ने फांसी लगा ली। पति के मौत की वजह से महिला सदमे में थी। उसका पति दिलीप एक एसी मैकेनिक था, जिसकी मौत शुक्रवार को अस्पताल में एसी में गैस भरने के दौरान सिलेंडर के फटने से हुई थी। इस हदसे में दिलीप का आधे से ज्यादा शरीर जल चुका था, जिस वजह स रविवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है। महिला का शव पोस्ट मॉर्टम के बाद परिवारवालों को सौंप दिया गया है। कोलकाता पुलिस ने नए साल के दिन अव्यवस्था फैलाने के आरोप में 341 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अन्य 828 लोगों के खिलाफ शराब पीकर गाड़ी चलाने और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में मुकदमा चलाया गया है। कुल 307 बाइक चालक और पीछे बैठने वाले 154 लोगों पर हेलमेट न पहनने का, 146 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाने और 60 लोगों पर अन्य कारणों से मामला दर्ज किया गया है। कर्नाटक के बेलगावी में एक जनवरी को 30 लोगों का एक नकाबपोश गिरोह ने गांव में जमकर उत्पात मचाया, जिस वजह से गांव के लोगों में दहशत फैल गई।

ईडी दफ्तर पहुंचे कार्ति चिदंबरम

चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय के दफ्तर पहुंचे। सूत्रों के अनुसार साल 2011 में चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। तमिलनाडु के शिवगंगा लोकसभा सीट के विधायक 52 वर्षीय कार्ति चिदंबरम को इस मामले में आखिरी बार पिछले साल 23 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। केंद्रीय एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों के तहत उनका बयान दर्ज किया था। केंद्रीय जांच ब्यूरो की एफआईआर के अनुसार, यह मामला वेदांत ग्रुप कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएलपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी द्वारा कार्ति और उनके सहयोगियों को रिश्वत के तौर पर 50 लाख रुपये देने का है। दरअसल, यह कंपनी पंजाब में पावर प्लांट लगाने वाले थे।

चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने के लिए हुआ रुपयों का आदान-प्रदान

सीबीआई के अनुसार, पावर प्रोजेक्ट का काम चीनी कंपनी द्वारा किया जा रहा था, लेकिन काम निर्धारित समय से पीछे चल रहा था। टीएसपीएल के एक कार्यकारी ने 263 चीनी श्रमिकों के लिए प्रोजेक्ट वीजा फिर से जारी करने की मांग की थी, जिसके लिए 50 लाख रुपये का आदान प्रदान किया गया था। सीबीआई ने पिछले साल चिदंबरम परिवार के ठिकानों पर छापेमारी की थी और इस दौरान उन्होंने भास्कररमन को गिरफ्तार किया था। कार्ति चिदंबरम से भी पूछताछ की गई थी।

कार्ति ने बताया कि उन्होंने पहले ही एजेंसी को दस्तावेज दिखा चुके हैं। कांग्रेस सांसद ने इस मामले को झूठा बताते हुए कहा कि 250 चीनी नागरिकों के अलावा उन्होंने किसी को भी चीनी नागरिक को वीजा प्रक्रिया में मदद नहीं की है। कार्ति चिदंबरम ने कहा कि इस मामले के लिए उनके पिता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम को निशाना बनाया जा रहा है। आईएनएक्स मीडिया और एयरसेल-मैक्सिस मामलों के अलावा कार्ति के ऊपर यह तीसरा मामला है, जिसकी ईडी जांच कर रही है।

एयरलाइन में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला इंडिगो का पूर्व कर्मचारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। एयरलाइन में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले इंडिगो के एक पूर्व कर्मचारी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने पीड़ितों को फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए। आरोपी की पहचान शाहदरा निवासी ईशु वर्मा उर्फ राहुल सक्सेना (29) के रूप में हुई है। उन्होंने इंडिगो में बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) अधिकारी के रूप में काम किया था।

31 दिसंबर 2023 को दर्ज एक शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। शिकायतकर्ता जगतपुरी निवासी शम्मी मेहरा ने बताया कि उनके दो बच्चे टीशा और नितिन हैं। पिछले साल जून में टीशा ने काम की तलाश में इनडीड जॉब एप्लिकेशन पर एक प्रोफाइल बनाई थी।

बीजेपी नेता का दिल्ली के सीएम पर हमला, कहा

'पूरे नहीं हुए वादे, दिल्ली की जनता उन्हें दिखा रही आइना'

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने साल 2024 के पहले दिन सीएम अरविंद अरविंद केजरीवाल पर हमला बोल दिया। उन्होंने नये साल के पहले दिन दिल्ली के लैंडफिल साइटों को दौरा और कूड़े के पहाड़ का मुआयना किया। लैंडफिल साइट का मुआयना करने के वीरेंद्र सचदेवा ने कहा अब लैंडफिल साइट दिल्ली के सीएम को आइना दिखा रहा है। वो, यहां आएं और बताएं कि दिल्ली में कूड़े का पहाड़ है या नहीं। अगर है, उनके वादों का क्या हुआ? एएनआई के एक सवाल के जवाब में दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष ने वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 1 जनवरी 2024 को सीएम ने कहा था कि दिल्ली में कूड़े के पहाड़ नहीं दिखेंगे, इस बात का वादा यहां के लोगों से सीएम अरविंद केजरीवाल ने किया था। आम आदमी पार्टी एमसीडी में एक साल से सता में है, लेकिन कूड़े के पहाड़ खत्म नहीं हुए। मैं, उन्हें आइना दिखा रहा हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता बीजेपी का संघर्ष भी देख रही है। इससे पहले वीरेंद्र सचदेवा ने आप की ओर चलाए गए मैं भी केजरीवाल अभियान पर निशान साधते हुए कहा कि केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का लोगों से संपर्क टूट गया है। आम आदमी पार्टी का "मैं भी केजरीवाल" मुहिम उसके नेताओं के फोटो खिंचवाने तक सीमित एक असफल अभियान साबित हुआ। अब आप की 4 से 10 जनवरी के बीच जनसभा आयोजित करने की घोषणा से पता चलता है कि अरविंद केजरीवाल की 3 जनवरी को ईडी के सामने पेश होने की संभावना न के बराबर है। यह शर्मनाक है कि केजरीवाल जो कुछ दिन पहले तक शहीदे आजम भगत सिंह और डॉ। अम्बेडकर को अपना आदर्श बताते थे,

नये कानून के खिलाफ चालकों की हड़ताल से मप्र में पांच लाख गाड़ियों के चक्के थमे

इंदौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नये कानून में "हिट एंड रन" के मामलों में सख्त सजा के प्रावधानों के खिलाफ चालकों की हड़ताल के चलते मध्यप्रदेश में करीब पांच लाख छोटी-बड़ी गाड़ियों के चक्के थम गए हैं जिससे आम जरूरत की चीजों की आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। उद्योग जगत के लोगों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) विजय कालरा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "नये कानून के खिलाफ चालकों की हड़ताल से मध्यप्रदेश में लगभग पांच लाख छोटी-बड़ी गाड़ियां नहीं चल पा रही हैं।" उन्होंने मांग की कि सरकार को "हिट एंड रन" के मामलों में चालकों को सख्त सजा के प्रावधान वापस लेने चाहिए और सड़क हादसे रोकने के लिए खासकर राजमार्गों पर वाणिज्यिक वाहनों के लिए अलग लेन बनाई जानी चाहिए। भारतीय दंड विधान की जगह लेने जा रही भारतीय न्याय संहिता में ऐसे चालकों के लिए 10 साल तक की सजा का प्रावधान है जो लापरवाही से गाड़ी चलाकर भीषण सड़क हादसे को अंजाम देने के बाद पुलिस या प्रशासन के किसी अफसर को दुर्घटना की सूचना दिए बगैर मौके से फरार हो जाते हैं। कारोबारी संगठनों के महासंघ 'अहिल्या चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष रमेश खंडेलवाल ने कहा कि अगर चालकों की हड़ताल जारी रही, तो आम जरूरत की चीजों की आपूर्ति की स्थिति और बिगड़ेगी जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार को "हिट एंड रन" के मामलों में सख्त सजा के प्रावधानों पर एक बार फिर विचार करना चाहिए।

चालकों की हड़ताल के मद्देनजर राज्य के सबसे बड़े शहर इंदौर में सोमवार को पेट्रोल पंपों पर लोगों की लम्बी कतारें नजर आई थीं। इसके बाद हरकत में आया प्रशासन तेल विपणन कंपनियों के डिपो से पेट्रोल पंपों तक टैंकरों का नियमित परिचालन बहाल करके ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति बरकरार रखने के प्रयासों में जुटा है। जिलाधिकारी डॉ। इलैयाराजा टी। ने कहा कि जिले में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और इन ईंधनों की सतत आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि चालकों की हड़ताल से इंदौर में लोक परिवहन साधनों के साथ ही शहर से बाहर जाने वाली बसों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हो रही है।

मणिपुर पुलिस कमांडो और संदिग्ध कुकी आतंकवादियों में भीषण गोलीबारी

बीएसएफ का जवान घायल

इंफाल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के तेंग्नोपॉल जिले के मोरेह में मणिपुर पुलिस कमांडो और संदिग्ध कुकी आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी और बम धमाकों से मंगलवार सुबह क्षेत्र दहल उठा। इसमें बीएसएफ का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया। जवान को असम राइफल्स के मोरेह स्थित अस्पताल में इलाज के बाद इंफाल ले जाया जा रहा है। घायल जवान की पहचान रविंदर सिंह के रूप में हुई है। जवान की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 8।20 बजे मणिपुर पुलिस कमांडो और संदिग्ध कुकी आतंकवादियों के बीच तेंग्नोपॉल जिले के मोरेह कस्बे के चवांगफाई, एस मोलजोल गांव में के सामान्य क्षेत्रों में भारी गोलीबारी हुई।

बाजार में चला दिए पांच करोड़ के नकली नोट, 50 लाख खपाने में खुल गई पोल

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 50 लाख रुपयों के मूल्य के नकली नोट के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने बाकायदा नकली नोट छापने का एक सेटअप बना रखा था। पुलिस के मुताबिक, पिछले 5 साल में इन तीन आरोपियों 5 करोड़ रुपए के नकली नोट बाजार में चला भी दिए। पकड़ में आए आरोपियों की पहचान आसिफ अली, दानिश अली और सरताज खान के रूप में हुई है। ये सभी उत्तर प्रदेश के बदायूं के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को कुछ दिन पहले जानकारी मिली कि आसिफ नाम का एक युवक जाली नोट बाजार में धड़ल्ले से बेच रहा है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि बदायूं में उसने बाकायदा एक सेटअप भी बना रखा है। जहां पर वह नकली नोट छापता है। फिर देश के अलग-अलग इलाकों में उन रुपयों को नकली नोट के कारोबारियों को बेच देता है। इसी दौरान दिल्ली पुलिस को पता लगा कि आसिफ बड़ी मात्रा में नकली नोट के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास आने वाला है। इस जानकारी के मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास ट्रैप लगा दिया। रविवार देर रात तकरीबन 10 बजे के आसपास जब पुलिस ने आसिफ को स्पॉट किया तो उसे पकड़ने की कोशिश की। आसिफ पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश करने लगा लेकिन पकड़ा गया। उसके साथ-साथ दो अन्य साथी दानिश और सरताज को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद जब पुलिस ने आसिफ की टीयूवी गाड़ी की जांच की तो उसमें से पांच-पांच सौ के के 50 लाख के नकली नोट बरामद हुए। इन तीनों की गिरफ्तारी के पास पुलिस ने इन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया और 4 दिन की रिमांड पर लिया। डिमांड के दौरान दिल्ली पुलिस इन तीनों को लेकर बदायूं उनके ठिकाने पर गई तो वहां उसे नकली नोट छापने का पूरा सेट मिला। जिसमें लैपटॉप, प्रिंटर, स्याही और पेपर शामिल थे। दिल्ली पुलिस उस वक्त हैरत में पड़ गई जब उन्हें पता चला कि यह पिछले 5 सालों से ये लोग नकली नोट का धंधा कर रहे हैं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पिछले 5 साल में 5 करोड़ के जाली नोट बनाए और उन्हें अलग-अलग बाजारों में तस्करों को बेच दिया। फिलहाल, पुलिस की स्पेशल पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है। तीनों आरोपियों में से एक दानिश यूनानी पद्धति से मेडिकल की पढ़ाई कर रहा है।

मेटा की बड़ी कार्रवाई, फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए 23 मिलियन पोस्ट

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मेटा ने फेसबुक और इंस्टाग्राम के भद्दे पोस्ट और कॉन्टेंट पर बड़ी कार्रवाई की है। नए आईटी नियम के तहत मेटा ने इन दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से करीब 23 मिलियन से ज्यादा पोस्ट हटाए हैं। 1 जनवरी 2024 को जारी कम्पलायेंस रिपोर्ट में मेटा ने बताया कि 18.3 मिलियन फेसबुक और 4.7 मिलियन इंस्टाग्राम पोस्ट को प्लेटफॉर्म से हटाए गए हैं। मेटा ने यह कार्रवाई 1 नवंबर 2023 से लेकर 30 नवंबर 2023 के बीच किए गए पोस्ट पर की है। सोशल मीडिया कंपनी को भारतीय ग्रीवांस मैकेनिज्म के जरिए 21,149 शिकायतें मिली थी, जिनमें से 10,710 शिकायतों के निपटारे के लिए यूजर्स को टूल प्रदान किए गए। आईटी नियमों 2021 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को हर महीने ग्रीवांस रिपोर्ट प्रकाशित करना होता है, जिनमें वो यूजर्स द्वारा मिली शिकायतों के अलावा अकाउंट्स और कॉन्टेंट्स पर की गई कार्रवाई का ब्योरा देते हैं। मेटा ने इन दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद भद्दे कॉन्टेंट्स को पहले से स्थापित चैनल्स, सेल्फ रिमीडेशन फ्लोज आदि के आधार पर यह कार्रवाई की है। मेटा ने बताया कि यूजर्स द्वारा मिली 10,739 अन्य शिकायतों पर कार्रवाई की गई। इन शिकायतों पर स्पेशियलाइज्ड रिव्यू सिस्टम के जरिए एक्शन लिया गया। कंपनी ने 4,538 रिपोर्ट्स पर कार्रवाई की है। इनमें से 6,201 शिकायतों पर रिव्यू किया गया लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया गया।

गुरुग्राम में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन1 से पहली मौत, मुंबई से लौटी थी महिला

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना ने एक बार फिर दुनिया से लेकर देश तक में कोहराम मचा दिया है। कोरोना के नए मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस बीच खबर है कि गुरूग्राम में कोरोना के नए वेरिएंट जेएन1 के कारण एक महिला की मौत हो गई है। कोरोना के नए वेरिएंट से गुरुग्राम में पहली मौत हुई है। डीएलएफ फेज-4 में रहने वाली 2 महिलाएं बीते सप्ताह मुंबई से लौटी थीं। महिला की मौत निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसा कोरोना संक्रमित महिला पहले से डायबिटीज से ग्रसित थी। ऐसे में उसे कोरोना संक्रमण ने और अधिक बीमार बना दिया और उनकी मौत हो गई। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि गुरुग्राम में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के दो नए मामले सामने आए। वहीं कोविड-19 के वेरिएंट जेएन1 के देश में अब तक कुल 196 मामले सामने आये हैं। साथ ही ओडिशा उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है, जहां कोरोना वायरस के इस उपस्वरूप की मौजूदगी का पता चला है। यह जानकारी इंडियन सार्स सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) द्वारा सोमवार को जारी किये गए आंकड़े से मिली। अब तक दस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोरोना वायरस के जेएन।1 उप-स्वरूप के मामले सामने आये हैं। आईएनएसएसीओजी के अनुसार, ये राज्य हैं केरल (83), गोवा (51), गुजरात (34), कर्नाटक (आठ), महाराष्ट्र (सात), राजस्थान (पांच), तमिलनाडु (चार), तेलंगाना (दो) ओडिशा (एक) और दिल्ली (एक) हैं।

सरहद पार का प्यार: सोनिया की वीजा अवधि खत्म, बोली- नहीं जाऊंगी बांग्लादेश; भेजा गया तो वापस आऊंगी

ग्रेटर नोएडा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पति की तलाश और सवा साल के बेटे को पिता का हक दिलाने बांग्लादेश से भारत आई सोनिया अख्तर की वीजा अवधि पूरी हो चुकी है। उसे कभी भी वापस बांग्लादेश जाना पड़ सकता है। हालांकि वह अपने देश नहीं जाना चाहती। वह कहती है कि उसे बांग्लादेश भेजा गया तो न्याय हासिल करने के लिए वीजा लेकर फिर भारत लौटेगी। सोनिया की वीजा अवधि तीन दिसंबर को पूरी हो चुकी है। इससे पहले ही सोनिया ने बढ़वाने के लिए आवेदन किया था। वीजा अवधि न बढ़ने पर उसने बांग्लादेश जाने के लिए एक्जिट पास की मांग की है। लेकिन अभी इस आवेदन का निस्तारण नहीं हुआ है। सोनिया का कहना है कि वह कानूनी ढंग से भारत आई है और न्याय मिलने तक यहीं रहना चाहती है। सोनिया पहली बार एक मई को भारत आई थी। करीब एक सप्ताह तक जिले रूककर पुलिस से शिकायत की थी। ठोस कार्रवाई नहीं होने पर वह लौट गई थी।

इसके बाद तीन अगस्त को फिर भारत आई। तब से ग्रेटर नोएडा स्थित शिवालिक होम्स निवासी पति सौरभकांत को पाने के लिए संघर्ष कर रही है। सोनिया ने अपने वकील डॉ। एपी सिंह की मदद से गौतमबुद्ध नगर पुलिस के अलावा, महिला आयोग, पीएम नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री से गुहार लगाई थी। सोनिया के मुताबिक, बांग्लादेश में रहने के दौरान सौरभकांत तिवारी ने ही उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा था। सोनिया ने शुरू में शादी से इन्कार कर दिया था। मगर सौरभ की कंपनी के अधिकारी ने सोनिया को समझाया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 3 जनवरी - 2024

कश्मीर में कडा एक्शन

केंद्र सरकार ने आतंकवादियों की मुश्कें बांधने के लिए बडा और कडा एक्शन लेना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी संगठन तहरीके हुर्रियत को यूएपीए के तहत पांच साल के लिए बैन कर दिया है। यह आतंकी संगठन कश्मीर के कट्टरपंथी अलगाववादी नेता सैयद अलीशाह गिलानी ने स्थापित किया था। 2021 में उसकी मौत के बाद इस संगठन की अगुआई मसरत आलम भट के हाथों में आ गई थी, जो आजकल जेल की हवा खा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, यह आतंकी संगठन आए दिन कश्मीर में पत्थरबाजी जैसी घटनाओं को अंजाम देता था। लोगों को भारत के खिलाफ भडका कर अपना उल्लू सीधा करने में जुटा था। यहां तक कि जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करके वहां इस्लामी शासन स्थापित करने की साजिश करता रहता था। आतंक फैलाने के लिए यह संगठन पाकिस्तान से फंड जुटाने का भी काम करता था। जाहिह है कि ये सभी आरोप बेहद गंभीर हैं। कोई भी जिम्मेदार सरकार इन आरोपों को हलके में भला कैसे ले सकती है, फिर यह तो मोदी सरकार है, जो अपने कडे एक्शन के लिए ही जानी जाती है। इसके पहले केंद्र सरकार ने भट की अगुआई वाली पार्टी मुस्लिम लीग, जम्मू-कश्मीर को भी बैन कर चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कार्रवाई को मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से जोड़ते हुए कहा है कि आगे भी अगर कोई संगठन या व्यक्ति भारत विरोधी कार्रवाई करते पाया गया तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। आतंकवाद के खिलाफ सरकार की इस तरह की सख्ती से देश का हर नागरिक सहमत है। यह इस तरह की कार्रवाई का कोई पहला या अलग-थलग उदाहरण नहीं है। तहरीके हुर्रियत 17वां संगठन है जिसे यूएपीए के तहत बैन किया गया है। बैन किए गए अन्य संगठनों में सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे), पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी), जमात-ए-इस्लामी और इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) शामिल हैं। यही नहीं ऐसे संगठनों के अलावा अब तक 55 व्यक्ति (इंडिविजुअल के तौर पर) यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किए जा चुके हैं। सरकार की अब तक की कार्रवाई और उसके रुख से स्पष्ट है कि इस मामले में वह किसी तरह की दुविधा, उलझन या संदेह के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ने वाली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बातों से भी यह संकेत मिलता है कि आगे कुछ और संगठनों के खिलाफ इस तरह के कड़े कदम उठाने में देर नहीं की जाएगी। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाले तत्वों के साथ सख्ती से निपटना वक्त की जरूरत है। इस तरह की असामान्य चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करना ही पड़ता है। लेकिन ऐसी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए असाधारण सतर्कता भी बरती जाने की जरूरत होती है। ऐसे तत्वों की साजिशों का खामियाजा किसी भी रूप में देश के आम और निर्दोष नागरिकों को न भुगतना पड़े, इसका भी ध्यान रखने की जरूरत है।

बड़े न्यायिक सुधारों की कवायद

अजय कुमार झा

पिछले कई वर्षों से न्यायिक प्रक्रियाओं तथा न्याय प्रशासन में परिवर्तन और सुधारों की कवायद में लगी केंद्र सरकार ने अब इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। हाल ही में समाप्त हुए संसद सत्र में तीन प्रमुख विधिक संहिताओं में वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप नवीन परिवर्तन व सुधार के बाद संशोधित करके सामयिक और परिमार्जित किया गया है। ज्ञात हो कि इन संहिताओं में परिवर्तन और सुधार की जरूरत बहुत सालों से महसूस की जा रही थी।भारतीय दंड संहिता , दंड प्रक्रिया संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम - तीनों प्रमुख विधिक संहिताओं में वर्णित व्यवस्थाएं ब्रिटिशकालीन परिस्थितियों में बनाई व लागू की गई थीं। स्वतंत्रता के दशकों बाद तक औचित्यहीन होते जाने वाले बहुत से क़ानूनों को बदलने समाप्त किए जाने की जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से सरकार ने भारतीय न्याय संहिता , भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (प्रक्रिया संहिता) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम को पारित कर दिया।इन संहिताओं के परिमार्जन में सबसे अहम जिस बात को रखा गया है वो है इसके प्रावधानों , व्यवस्थाओं और पूरी परिकल्पना, वर्तमान परिस्थितियों व परिवर्तनों के अनुरूप सामयिक और तार्किक किए जाएं। ब्रिटिशकालीन व्यवस्थाओं ,प्रक्रियाओं को परिष्कृत किया जाना विधि के शासन को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। स्वयं न्यायपालिका भी अपने समक्ष विमर्श और मंतव्य के उद्देश्य से रखे हर प्रश्न को उसी सामयिक प्रासंगिकता और सामाजिक व्यवहार में हुए परिवर्तनों की कसौटी पर अनिवार्य रूप से परखती अवश्य है। प्रक्रिया से लेकर दंड प्रावधानों तक में परिवर्तन के बाद बहुत सी नवीन व्यवस्थाएं दी गई हैं , जैसे एक तरफ जहां अपराधों के लिए विशेषकर व्यक्ति समाज देश के विरुद्ध किए गए अपराधों में सज़ा को अधिक कठोर किया गया है वही पहली बार अस्पताल , यातायात , सामुदायिक केंद्रों आदि में समाज सेवा या सामुदायिक सेवा का दायित्व दिया जाना को सुधारात्मक सजा विकल्प के रूप में शामिल किया गया है।भारतीय न्याय प्रक्रिया में समय से निर्णय न हो पाने के कारण विलम्बित न्याय अन्याय के समान लगने लगता है की आलोचना झेलती ,भारतीय न्यायिक प्रक्रियाओं को थोड़ा अधिक समयबद्ध करके विधिक प्रक्रियाओं को अधिक तीव्र और प्रभावी बनाने के लिए परिवर्तित संहिता में काफी नई व्यवस्थाएं की गई हैं। अपराध के कारित होने से लेकर , प्राथमिकी , अन्वेषण ,अभियोग के अतिरिक्त वादों के निर्णय/आदेश पारित करने के लिए भी निश्चित व पर्याप्त समय सीमा तय कर दी गई है।किसी भी परिवार ,समाज देश की शान्ति , सद्भाव और सबसे जरूरी सुरक्षा के लिए आवश्यक तत्व -विधि का शासन और समाज सम्मत नीति नियमों का अनुपालन। अपराध संहिता में पहली बार आतंकवाद की व्याख्या को व्यापक करके समाहित किया गया है। देश की आर्थिक सुरक्षा को क्षति पहुंचाने का कार्य , भारतीय मुद्रा की नक़ल आदि से क्षति आदि को भी दायरे में लाया गया है।

महिलाओं और बच्चों के प्रति अपराध करने वालों पर और अधिक दृढ़ कठोर होकर ऐसे अपराधों को अधिक जघन्य मान कर दंड अधिक कठोर और इन अपराधों में अभियोजन , कार्रवाई को तीव्र करने विषयक परिवर्तन समायोजित किए हैं।

पिछले दिनों आवेश में उन्मादी भीड़ द्वारा पीट पीट कर की गई हत्याओं -मॉब लॉन्चिंग को भी बर्बर अपराध मानकर अधिकतम दंड - मृत्यदण्ड देने का प्रावधान किया गया है। साक्ष्य अधिनियमों में बुनियादी सुधार करते हुए सभी उन्नत तकनीकों के उपयोग और वैज्ञानिक परिणामों को विधिक मान्यता देने विषयक संशोधन भी किए गए हैं। ज्ञात हो कि वर्तमान केंद्र सरकार शुरू से ही भारतीय न्याय व्यवस्था , न्याय प्रशासन तथा न्यायिक प्रक्रियाओं में सामयिक सुधारों की प्रबल पक्षधर रही है।

बालकनाथ का नाम केबिनेट मंत्री में भी न आना चौकाने वाला रहा !

अशोक भाटिया

हाल ही में जब राजस्थान के विधानसभा चुनाव की बयार चल रही थी तब विभिन्न प्रकार के सर्वे आ रहे थे जो चौंकाने वाले रहते थे । सबसे ज्यादा चौंकाया था मुख्यमंत्री की दौड़ में रहने वाले नामों ने । तब आज तक एक्सिस माय इंडिया एग्जिट पोल के सर्वे में मुख्यमंत्री पद के लिए एक ऐसा नाम भी सामने आया था जिसने सभी को चौंका दिया था । आजतक एक्सिस माई इंडिया एग्जिट पोल में जब लोगों से मुख्यमंत्री पद के लिए सवाल किया गया तो पहली पसंद अशोक गहलोत रहे। सर्वे में जिन लोगों से बात हुई है, उनमें गहलोत को 32% लोग मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते थे हालांकि, दूसरे नंबर पर इस लिस्ट में न तो वसुंधरा राजे का नाम था और न ही सचिन पायलट का। मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरे नंबर पर लोगों की पसंद महंत बालकनाथ योगी रहे । बालकनाथ योगी को सर्वे में शामिल 10 फीसदी लोग मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। बात को आगे बढ़ाएं , उसके पहले महंत बालकनाथ योगी के बारे में बताना जरुरी है । महंत बालकनाथ योगी अलवर से सांसद थे । भाजपा ने उन्हें तिजारा विधानसभा से चुनाव मैदान में उतारा था । भाजपा के फायरब्रांड नेताओं में शामिल बाबा बालकनाथ का पहनावा योगी आदित्यनाथ की तरह रहता है, इसलिए उन्हें लोग राजस्थान का योगी भी कहते हैं. साथ ही भाजपा के जीतने पर लोगों में उनके प्रति बहुत आशाए जग गई थी । बाबा बालकनाथ की अलवर और उसके आसपास के इलाकों में मजबूत पकड़ मानी जाती है। यही वजह है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में भी उनपर भरोसा जताया था । वे भाजपा के हिंदुत्ववादी एजेंडे पर फिट बैठते हैं। यही वजह है कि चुनाव से पहले जब राजस्थान में भाजपा ने अपनी इकाई का ऐलान किया था, तब उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया। महंत बालकनाथ योगी का जन्म 16 अप्रैल 1984 को राजस्थान के अलवर जिले के कोहराना गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सुभाष यादव और मां का नाम उर्मिला देवी है। माता पिता की इकलौती संतान हैं और उनके परिवार में उनके दादा फूलचंद यादव और दादी मां संतरो देवी है । उनका परिवार बहुत लंबे समय से जनकल्याण और साधु संतों की सेवा करता रहा है। उनके परिवार ने उन्हें मात्र 6 वर्ष की उम्र में अध्यात्म का अध्ययन करने के लिए महंत खेतानाथ के पास भेज दिया था। महंत खेतानाथ ने ही उन्हें बचपन में गुरुमख नाम दिया था। महंत खेतानाथ से अपनी शिक्षा दीक्षा को लेने के बाद वो महंत चांद नाथ के पास आ गए। महंत चांद नाथ ने उनकी बालक के समान प्रवृत्तियों को देखकर उन्हें बालकनाथ कहना शुरू किया था। महंत चांद नाथ ने उन्हें 29 जुलाई 2016 को अपना उत्तराधिकारी चुना था। महंत बालक नाथ योगी हिंदू धर्म के नाथ संप्रदाय के आठवें संत है। बालक नाथ योगी बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसलर भी है। उत्तरप्रदेश के योगी आदित्यनाथ की तरह भगवा कपड़ों में दिखने वाले बाबा बालकनाथ अकसर अपने आक्रामक तेवरों की वजह से चर्चा में बने रहते हैं। बाबा बालक नाथ ने 2019 में पहला लोकसभा चुनाव जीता। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह को 3 लाख से ज्यादा वोटों से मात दी थी। बाबा बालकनाथ उसी नाथ संप्रदाय के महंत हैं, जिससे योगी आदित्यनाथ जुड़े हैं। बालकनाथ रोहतक स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत हैं। नाथ संप्रदाय की परंपरा के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, तो रोहतक की गद्दी को उपाध्यक्ष की पदवी हासिल है। ऐसे में वे मुख्यमंत्री योगी के भी करीबी माने जाते हैं। बाबा बालकनाथ ओबीसी कैटेगरी से आते हैं। बालकनाथ ने चुनाव आयोग में अपना नामांकन दाखिल किया। इसके मुताबिक उनकी उम्र 39 साल है। उनके पास नकदी 45 हजार रुपए है। भारतीय स्टेट बैंक शाखा पार्लियामेंट हाउस संसद भवन नई दिल्ली में 13 लाख 29 हजार पांच सौ अठावन रुपए (13,29558) जमा है। इसके अलावा एसबीआई तिजारा शाखा में एक अन्य बैंक खाते में 5 हजार की राशि जमा है। इस हिसाब से बैंक में कुल जमा राशि 13, 79,558 की राशि जमा है। उन्होंने 12वी तक पढ़ाई कर रखी है। गौरतलब है कि भाजपा ने राठौड़, देवजी पटेल, नरेंद्र खीचड़, भगीरथ चौधरी और बाबा बालकनाथ समेत कुल सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था। इनमें राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा का नाम भी शामिल था। दरअसल बाबा बालकनाथ भी उसी नाथ संप्रदाय से आते हैं, जिससे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आते है । बाबा बालकनाथ की लोकप्रियता का ग्राफ इतनी तेजी से चढ़ा कि वह दो बार की पूर्व की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को भी पीछे छोड़ते हुए भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री के लिए सबसे लोकप्रिय चेहरा बन गए। भाजपा द्वारा राजस्थान का चुनाव जीतने के बात बाबा बालकनाथ को राजस्थान का मुख्यमंत्री के लिए दावा मजबूत बताया जाने लगा था लेकिन जब मुख्यमंत्री फेस से पर्दा उठा, तब भजनलाल शर्मा सब पर भारी पड़ गए। सूबे की सत्ता के शीर्ष पर भजन की ताजपोशी के बाद ये चर्चा शुरू हो गई कि बालकनाथ को नए मंत्रिमंडल में कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है लेकिन बड़ी जिम्मेदारी की कौन कहे, मुख्यमंत्री के लिए भाजपा का सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे बालकनाथ को भजन कैबिनेट में जगह तक नहीं मिल सकी। अब सवाल ये उठ रहे हैं कि आखिर कौन से फैक्टर्स हैं जो बालकनाथ के मंत्री बनने की राह में बाधा बन गए, वह भी तब, जब चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे चार सांसदों में से तीन को पार्टी ने सरकार में एडजस्ट कर दिया लेकिन बालकनाथ कैसे छूट गए या छोड़ दिए गए? दीया कुमारी को पहले ही भजन सरकार में डिप्टी मुख्यमंत्री बना दिया गया था। बाकी बचे सांसद रहे तीन में से दो राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा भी भजन कैबिनेट में जगह पा गए। असली वजह तो भाजपा नेतृत्व ही जाने लेकिन चर्चा जातिगत समीकरणों से लेकर संत समाज के गणित तक, कई फैक्टर्स की हो रही है। महंत बालकनाथ को मंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर बात जातिगत समीकरणों की भी हो रही है। महंत बालकनाथ यादव जाति से आते हैं। राजस्थान में यादव जाति के मतदाता करीब दो दर्जन सीटों पर जीत-हार तय करने में अहम रोल निभाते हैं लेकिन इनका प्रभाव करीब आधा दर्ज सीटों पर ही अधिक है। भाजपा का आधार इस जाति में कमजोर माना जाता रहा है। पार्टी ने मध्य प्रदेश में सरकार की कमान मोहन यादव को सौंपकर पहले ही यादव कार्ड खेल दिया था। बालकनाथ की पहचान एक महंत के रूप में अधिक है। ऐसे में उनके नाम के सहारे यादव समाज तक मैसेज ठीक-ठीक पहुंचेगा, इसे लेकर शायद पार्टी के नेता आश्वस्त नहीं थे। बालकनाथ के मंत्री बनने की राह में एक बाधा संत-महंत फैक्टर को भी बताया जा रहा है। राजस्थान के चुनाव में इस बार भाजपा के टिकट पर तीन संत-महंत विधानसभा पहुंचे हैं। पोखरण से महंत प्रतापपुरी और हवामहल से बालमुकुंद आचार्य भी विधायक हैं। ऐसे में तिजारा विधायक बालकनाथ को मंत्री बनाए जाने से संत समाज से ही आने वाले दो विधायकों को भी एडजस्ट करने की चुनौती भाजपा के सामने खड़ी हो सकती थी। सूत्रों की मानें तो राजस्थान में 200 विधानसभा सीटें हैं जिनके आधार पर भाजपा 30 मंत्री बना सकती है। अभी भाजपा के मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री समेत कुल 25 मंत्री है। ऐसे में भाजपा अब पांच मंत्री और बना सकती है। सियासत में लोकसभा चुनाव के चलते सभी समाज को साधने के प्रयास के कारण बालक नाथ का मंत्रिमंडल में से नाम कट होना माना जा रहा है। लेकिन राजनीतिक जानकार सम्भावनाएं जता रहे हैं कि 6 माह तक नए मंत्रियों की परफॉर्मेंस देखने के बाद मंत्रिमंडल में फेरबदल भी किया जा सकता है।

महिला सुरक्षा के दावों पर बदनुमा दाग है बीएचयू गैंगरेप !

मनोज कुमार अग्रवाल

यूपी के वाराणसी में आ इ आ इ टी बीएचयू में छात्रा से गैंगरेप करने वाले सभी आरोपियों को अब अरेस्ट कर लिया गया है। करीब 2 महीने बाद इन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है।दो महीने तक आरोपियों का फरार रहना और भाजपा आइटी सैल से सम्बद्ध होना प्रदेश सरकार के महिला सुरक्षा के दावे को कलंकित कर रहा है वहीं विपक्षी दलों को सरकार को घेरने का मौका भी दे रहा है। आपको बता दें कि दो महीने पहले ये तीनों आरोपियों ने एक छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पता चला कि ये आरोपी बुलेट बाइक से आईआईटी कैंपस में घुसे थे और आधी रात में दोस्त के साथ टहल रही लड़की को बंधक बनाकर गैंगरेप हुआ था. घटना के दौरान आरोपियों ने वीडियो बनाया था. रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार सभी आरोपी वाराणसी के रहने वाले हैं और पुलिस ने इस घटना में इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक भी बरामद कर ली है. आरोपियों के नाम कुणाल पांडे, अभिषेक चौहान और सक्षम पटेल हैं जिन्हें वाराणसी से ही गिरफ्तार किया गया है।यूपी के वाराणसी में आइआइटी बीएचयू की छात्रा से गैंगरेप हुआ था।यह घटना उसी तर्ज पर अंजाम दिया गया ठीक उसी तरह से जैसे दिल्ली में निर्भया कांड हुआ था. काशी हिंदू विश्वविद्यालय में पहले भी ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसी घटनाओं के खिलाफ कई बार छात्रों ने आंदोलन भी किया है। इसके बाद भी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बेहद खराब है। बीएचयू एशिया की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी है। उत्तर प्रदेश के नामचीन यूनिवर्सिटी शुमार होने के बावजूद यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीएचयू कैंपस के भीतर आईआईटी की एक छात्रा हॉस्टल में रहती है। एक नवंबर बुधवार की देर रात छात्र पढ़ाई के बाद थोड़ी देर के लिए हॉस्टल के बाहर परिसर में निकली थी। इसी दौरान रास्ते में उसे एक दोस्त मिल गया। दोनों टहलते हुए बाबा विश्वनाथ के मंदिर की तरफ चले गए। इसी बीच बुलेट मोटर साइकिल पर आए तीन लड़कों ने दोनों को रोक लिया। आरोप है कि बदमाशों ने छात्रा के दोस्त को अलग कर मारा पीटा। फिर उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की गई। युवक युवती का मुंह दबाकर एक तरफ ले गए। छात्रा के सारे कपड़े उतार दिए। इसके बाद उसका वीडियो बनाया। सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों छात्रा का मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी गए। ये सबकुछ 1 व 2 नवंबर बुधवार की देर रात करीब 1:30 बजे की घटना है।उस समय लड़की अपने एक दोस्त के साथ कैंपस में सुनसान एरिया में टहल रही थी।उसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि इनके पास गन थी।

उसे हथियार के बल पर पहले तीनों ने लड़की के दोस्त को बंधक बना लिया और उसकी खूब पिटाई की। इसके बाद एक लड़का उसके दोस्त को बंधक बनाए रखा. इसके बाद लड़की को जबरन किस करना शुरू किया और फिर उसके सभी कपड़े उतरवा दिए। इस दौरान लड़कों ने पीड़िता का न्यूड रहते हुए का वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया था.आरोप है कि लड़की के साथ गैंग रेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया गया। उसके बाद लड़की का फोन नंबर भी जबरन ले लिया था. किसी तरह लड़की भागते हुए पास के एक प्रोफेसर के घर तक पहुंची थी. उसी दौरान बाइक की आवाज आई तो सुनकर वो डर गई थी. कुछ देर तक छुपी रही फिर वो हिम्मत करके प्रोफेसर के घर तक पहुंची. उन्हें घटना की जानकारी दी. इसके बाद सिक्योरिटी और तमाम अधिकारियों को रात में ही सूचना दी गई. जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई. अगली सुबह 2 नवंबर से छात्रों में घटना आग की तरह फैल गई. जिसके बाद छात्र सड़क पर उतर आए और विरोध करने लगे थे।।अब इस मामले में लड़की ने मैजिस्ट्रेट के सामने बयान दिया था। जिसके बाद 8 नवंबर की रात में वाराणसी पुलिस ने छेड़छाड़ वाले मामले में गैंगरेप और बंधक बनाने की धारा भी जोड़ ली है। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने इस बात की पुष्टि की है। यह वारदात वास्तव में डबल ईंजन की सरकार के रहते बेहद शर्मसार करने वाली है बीएचयू जैसे शिक्षण संस्थान के परिसर और प्रधानमंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में इस तरह की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया जाना घटना की संवेदनशीलता को और अधिक गंभीर व चिंतनीय बनाता है वहीं इस घिनौनी वारदात में शामिल तीनों समाजकंटक मुल्जिमों का भाजपा आइटीसैल से सम्बद्ध होना और वारदात को अंजाम देने के बाद कथित तौर पर मध्य प्रदेश के चुनाव प्रचार में शामिल हो कर गिरफ्तारी से बचाव करना दो माह बाद इनकी गिरफ्तारी होना ऐसे बिन्दु है जिनसे इन आरोपों को बल मिलता है कि इन सफेद पोश अपराधियों ने कहीं न कहीं सत्ता के किसी तंत्र का संरक्षण लेकर दो महीने तक बचने छिपने की कोशिश की। यहां यह भी खुले मन से स्वीकार करना होगा कि अपराधी मानसिकता के लोग किसी भी राजनीतिक पार्टी या धार्मिक सामाजिक संस्था के आवरण में भी छिपे हो सकते हैं किसी दल या संस्था विशेष से जुड़े होना किसी व्यक्तिक ईकाई के चरित्र की गारंटी नहीं होता है। घटना को लेकर विपक्षी दल जहां सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं वहीं यह घटना वास्तव में सरकार के महिला सुरक्षा को लेकर किए गए मिशन शक्ति के चौथे चरण के तमाम प्रयासों पर सवालिया निशान लगाती है आपको याद हो कि 1 नवंबर की रात यह घटना हुई इसी सप्ताह लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति के चौथे चरण की शुरुआत की थी सवाल उठने स्वाभाविक है कि जब 1 नवंबर की रात एक छात्रा के साथ इस तरह की घटना को अंजाम दिया तो पुलिस का सारा प्रयास घटना का अनावरण करने के स्थान पर घटना को दबाने का क्यों बना रहा? आठ दिन बाद पुलिस ने इस मामले को दुष्कर्म के मामले में तब्दील किया इससे पहले तक यह सिर्फ छेड़छाड़ के मामले के बतौर दर्ज किया गया था 8 दिन बाद मामला दुष्कर्म के धाराओं में दर्ज करने के बाद भी पुलिस की कार्यप्रणाली काफी शिथिल व धीमी रही और 2 महीने बाद पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

यह अपने आप में बेहद शर्मनाक है तथा पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगाता है। सरकार को इस मामले की तफ्तीश और धरपकड़ में हुई देरी के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि महिला सुरक्षा के दावों की गरिमा प्रतिष्ठा बनी रहे।यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बेटियों की सुरक्षा के जिन मुद्दों को लेकर यूपी ही नहीं पूरे देश में प्रदेश व केंद्र सरकार के प्रयासों को सराहा गया है उन्हें इस तरह धूमिल नहीं किया जा सकता है सरकार को गंभीरता से सख्त से सख्त कार्यवाही कर अपनी महिला सम्मान व सुरक्षा के दावों के प्रति प्रतिबद्धता को साबित करना होगा।

क्या तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की जमीन तैयार हो गई है?

लोकसभा चुनाव से चंद महीने पहले जिस तरह बिहार की राजनीति में तूफान आया है उससे यह तो संकेत मिलने लगे हैं कि बिहार में जल्दी ही सत्ता परिवर्तन का खेल शुरु हो सकता है। अगर भाजपा सांसद और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह यह कह रहे हैं कि लालू यादव 14 जनवरी से पहले तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनवा देंगे, तो इसके आसार भी नजर आने लगे हैं। आरजेडी खेमे में जबरदस्त हलचल है। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने साल के आखिरी दिन लालू यादव से राबड़ी देवी के घर पर मुलाकात की। तेजस्वी ने भी अपना जनवरी के पहले हफ्ते में प्रस्तावित आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा रद्द कर दिया है। 2020 के चुनाव नतीजों को याद कीजिए। 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर आरजेडी उभरी थी। भाजपा को 74 सीटें मिली थीं। बाद में ओवैसी की पार्टी के पांच में से चार विधायक भी आरजेडी में शामिल हो गए और आरजेडी के कुल 79 विधायक हो गए। कांग्रेस के 19 विधायक चुने गए थे जबकि वामपंथियों के 16 विधायक। दूसरी तरफ एनडीए के साथ चुनाव लड़ने वाले जेडीयू को केवल 45 सीटों पर संतोष करना पड़ा और भाजपा को 74 सीटें मिली थीं, हालांकि अब उसके 78 विधायक हैं। तब भी तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री के सबसे पहले दावेदार थे। लेकिन नीतीश ने खुद मुख्यमंत्री बने रहने के लिए भाजपा के साथ मिलकर अपनी सरकार बनाई। यह तकलीफ लालू यादव को तब से ही रही है। लेकिन नीतीश ने मुख्यमंत्री बनने के डेढ़ साल बाद ही फिर पाला बदला, लालू यादव की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए और तीन ही महीने बाद अगस्त 2022 में एनडीए छोड़कर फिर से आरजेडी के साथ चले गए। मुख्यमंत्री वह बने रहे और तेजस्वी यादव को 2015 की तरह उप मुख्यमंत्री के तौर पर संतोष करना पड़ा। लेकिन अगर गिरिराज सिंह की मानें तो लालू यादव पहले से ही वक्त के इंतजार में थे और चुनाव से पहले 'खेला' करने की रणनीति बना चुके थे।

आरजेडी से जुड़े एक नेता का कहना है कि सियासत के खेल में लालू यादव हमेशा से नीतीश पर भारी रहे हैं। उनके कहने पर ही नीतीश ने मोदी सरकार के खिलाफ महागठबंधन बनाने की पहल की। लालू ने ही नीतीश को यह समझाने की कोशिश की कि अब वह मुख्यमंत्री बहुत रह लिए, उन्हें तो प्रधानमंत्री होना चाहिए और इसके लिए महागठबंधन ही एकमात्र रास्ता है। नीतीश ने इसके लिए खूब मेहनत की, ममता बनर्जी से लेकर सोनिया गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल तक से मिले। सबको जोड़ा और इंडिया गठबंधन अब चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए तैयार है। आखिरकार 19 दिसंबर की इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान जब बतौर पीएम मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित हुआ तब ये सवाल उठने लगे कि अब नीतीश क्या करेंगे। उनकी गठबंधन में क्या भूमिका होगी, क्या वे गठबंधन के संयोजक बनेंगे या फिर एक बार फिर एनडीए का रुख करेंगे। इस आशंका को 29 दिसंबर को जेडीयू कार्यकारिणी की बैठक के बाद हुई केसी त्यागी की प्रेस कांफ्रेंस ने और हवा दी, जब उन्होंने यह कह दिया कि राजनीति में न तो कोई दोस्त होता है, न दुश्मन। साथ ही उन्होंने निमंत्रण मिलने पर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी जाने की बात कह दी।

हालांकि कार्यकारिणी की बैठक में मोदी सरकार के खिलाफ सख्त भाषा में प्रस्ताव भी पारित हुए, विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भी मोदी सरकार के रवैये की तीखी आलोचना की गई, साथ ही नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन के साथ सीट शेयरिंग के लिए अधिकृत किया गया। इसके बावजूद ये अफवाहें उड़ती रहीं कि नीतीश फिर पलटी मार सकते हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के किसी भी घटक दल के किसी भी नेता ने कभी ये बात नहीं की और न ही कोई प्रतिक्रिया दी। लेकिन नीतीश को केन्द्रीय भूमिका में लाकर बिहार के मुख्यमंत्री का ताज तेजस्वी को पहनाने की पटकथा काफी पहले से लिखी जा रही थी और यह तभी संभव था जब नीतीश की भूमिका पार्टी में और गठबंधन में और बढ़ाई जाए। हालांकि जिस तरह तेजस्वी यादव के खिलाफ ईडी के सम्मन लगातार आ रहे हैं, उससे यह तो संकेत मिल ही रहे हैं कि केन्द्र की गहरी नजर बिहार पर है और अगर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश होती है तो वह अपनी कार्रवाइयां और तेज कर सकती है।

अगर बिहार विधानसभा में विधायकों की मौजूदा स्थिति पर गौर करें तब साफ हो जाएगा कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कुल 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों की जरूरत है। आरजेडी के 79, कांग्रेस के 19, भाकपा माले के 12, भाकपा और माकपा के 4 विधायकों को मिला लें तो कुल संख्या 114 ही होती है। यानी 8 विधायकों की और जरूरत होगी।

नीतीश कुमार न घर के रहे, न घाट के

राजेश कुमार पासी

बिहार की राजनीति में बहुत उथल-पुथल हो रही है. कुछ दिखाई दे रहा है और कुछ पर्दे के पीछे चल रहा है । नीतीश कुमार राजनीति के माहिर खिलाड़ी हैं लेकिन उनकी राजनीति एक बंद दरवाजे पर पहुंच गई है । उन्हें भी समझ नहीं आ रहा है कि अब क्या किया जाए । वो जहां है, वहां रुकना मुश्किल हो रहा है और जहां जाना चाहते हैं, वहां उनके लिये दरवाजे बंद हो चुके हैं । आज बिहार और देश की राजनीति में नीतीश कुमार पर कोई भरोसा करने को तैयार नहीं है । लालू यादव उनसे पीछा छुड़ाना चाह रहे हैं और भाजपा उनका हाथ पकड़ने को तैयार नहीं है । नीतीश कुमार खुद को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाना चाहते थे लेकिन गठबन्धन में कुछ तय नहीं हो पा रहा है । गठबन्धन की पिछली बैठक में ममता बनर्जी और केजरीवाल ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री को चेहरा बनाने का प्रस्ताव पेश कर दिया है । इस प्रस्ताव पर न तो कांग्रेस ने हामी भरी है और न ही किसी और दल ने कुछ कहा है । उस बैठक को नीतीश कुमार और लालू यादव छोड़ कर आ गये थे । लालू यादव नीतीश कुमार को गठबन्धन का संयोजक बनाना चाहते थे ताकि उन्हें बिहार की राजनीति से बाहर किया जा सके । लालू यादव अपने बेटे को बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाना चाहते हैं लेकिन नीतीश कुमार कुर्सी खाली करने को तैयार नहीं हैं । लालू यादव अब और इंतजार करने के मूड में नहीं हैं । नीतीश कुमार को अहसास हो रहा है कि उन्होंने भाजपा से गठबंधन तोड़कर गलती कर दी है लेकिन वो चाहकर भी गलती नहीं सुधार पा रहे हैं । पार्टी अध्यक्ष ललन सिंह को हटाकर उन्होंने पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली है । ललन सिंह भाजपा विरोधी नेता माने जाते हैं और लालू यादव के करीबी हैं । नीतीश कुमार को अहसास हो गया था कि ललन सिंह उनकी पार्टी में रहते हुए भी लालू यादव के लिये बैटिंग कर रहे थे । ललन सिंह को भाजपा से गठबंधन तोड़ने में मुख्य किरदार माना जाता है और शायद इसलिए नीतीश कुमार ललन सिंह का पत्ता काटकर भाजपा को इशारा दे रहे हैं । सितम्बर महीने में एक रैली के दौरान अमित शाह स्पष्ट कर चुके हैं कि अब नीतीश कुमार के साथ भाजपा गठबन्धन नहीं करने वाली है । यह ठीक है कि भाजपा ने नीतीश कुमार के लिये दरवाजे बंद कर रखें हैं लेकिन राजनीति में कुछ भी तय नहीं होता, कभी भी हालात बदल जाते हैं । भाजपा को देने के लिये अभी भी नीतीश कुमार के पास बहुत कुछ है । लालू यादव नीतीश कुमार को अब और समय नहीं देना चाहते लेकिन वो यह भी जानते हैं कि ज्यादा दबाव देने पर नीतीश कुमार कभी भी पलटी मार सकते हैं । वैसे भी तेजस्वी यादव उन्हें पलटू चाचा कहते हैं क्योंकि नीतीश कुमार कई बार पलटी मार चुके हैं ।

कैसा रहेगा 2024 का पहला महीना

सिंह और मकर राशि वालों को बिजनेस में फायदा और तुला राशि वालों को मनचाही सफलता मिलने के योग हैं

इस महीने सूर्य धनु से मकर राशि में आएगा। बुध और शुक्र राशि बदलकर धनु में आ जाएंगे। इन ग्रहों की चाल में बदलाव से वृष राशि के रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को बहुत मुनाफा मिलने के योग हैं। कर्क राशि वालों के लिए महीने की शुरुआत सुखद होगी। नौकरीपेशा लोगों को मन मुताबिक स्थान परिवर्तन मिलने की संभावना है। सिंह और मकर राशि के लोगों को बिजनेस में फायदा होगा। कन्या राशि के लोगों को किस्मत का साथ मिलेगा। तुला राशि के लोगों को मनचाही सफलता मिल सकती है। कुंभ राशि के लोगों को प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री में फायदा हो सकता है। इनके अलावा बाकी राशियों के लिए मिलाजुला महीना रहेगा।

मेष - पॉजिटिव- छोटी-मोटी चुनौतियों के बावजूद नए मौके और उपलब्धियां मिल सकती हैं। किसी खास संबंधी का घर में आगमन होगा। काफी समय बाद सब मिलने से सभी लोग अपने आप को तनाव मुक्त व आनंदित महसूस करेंगे। साथ ही कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी विचार विमर्श हो सकता हैं। घर परिवर्तन संबंधी कोई गतिविधि चल रही है, तो इस माह उसके अच्छे और मनचाहे नतीजे मिलने की संभावना है

नेगेटिव- घर परिवार की जरूरतों को पूरा करने में अपने व्यक्तिगत कार्यों के लिए समय निकलना मुश्किल रहेगा। भावनाओं में बहकर किसी से भी कोई ऐसा वादा ना करें जिसे निभाने में आपको दिक्कत आए। घर के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। उनका उचित इलाज व देखभाल करें। आय की अपेक्षा खर्चे बढ़ेंगे लेकिन फिलहाल इसका निवारण भी मुश्किल ही रहेगा।

व्यवसाय- कार्यक्षेत्र पर अपनी उपस्थिति और प्रभुत्व रखना जरूरी है। कुछ नई जिम्मेदारियां भी बढ़ेगी। साथ ही कुछ दिक्कतें भी बनी रहेंगी, हालांकि कर्मचारियों के साथ आपका विश्वास और प्रेम आपकी परेशानियों को कम करेगा। राजनीति से जुड़े लोग और मार्केटिंग से जुड़ा बिजनेस करने वालों को अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। ऑफिशियल यात्रा भी संभव है।

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य ठीक रहेगा। कभी-कभी आपके विचलित मनोस्थिति का नकारात्मक प्रभाव आप की कार्य क्षमता पर पड़ सकता है। योगा, मेडिटेशन जैसी गतिविधियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और सकारात्मक बने रहे।

वृष - पॉजिटिव- इस माह परिस्थितियां आपको कुछ बेहतर देने की स्थिति में है। लंबे समय से अटके कामों में गति आएगी। आपसी रिश्तों में गलतफहमियां दूर करने का भी मौका मिलेगा। सामाजिक तथा सोसाइटी संबंधी गतिविधियों में आप का विशेष योगदान बना रहेगा। आप अपनी योग्यता और मेहनत द्वारा हर परिस्थिति का सामना करने मैं सक्षम रहेंगे। लोग आपके कार्यों की सराहना करेंगे।

नेगेटिव- कोई कोर्ट से संबंधी मामला चल रहा है तो उसे समय रहते सुलझाना जरूरी है। कोई समस्या आने पर घबराने के बजाय उनका हल करने का प्रयास करें। फाइनेंस संबंधी गतिविधियां अभी पूर्ववत ही रहेंगी। जिसकी वजह से चिंता रह सकती है। परंतु जल्दी ही समय की गति में बदलाव भी आएगा और स्थिति बेहतर होगी।

व्यवसाय- रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को बहुत मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। यह समय उचित व्यवसायिक रणनीति बनाकर काम करने का है। प्रोडक्शन के साथ-साथ मार्केटिंग पर भी ज्यादा ध्यान देना जरूरी है। नया काम शुरू करने में जल्दबाजी या लापरवाही से नुकसान हो सकता है। ऑफिशियल व्यवस्था में सुधार आएगा।

स्वास्थ्य- मौसम संबंधी बीमारियों से खुद का बचाव रखना जरूरी है। एलर्जी तथा त्वचा से संबंधित दिक्कत रहेगी। सावधान रहे तथा सुरक्षा संबंधी नियमों का पूरा पालन करें।

मिथुन - पॉजिटिव- मिथुन राशि के लिए यह माह सामान्य ही रहेगा। हालांकि किसी शुभचिंतक की प्रेरणा और आशीर्वाद से निश्चित ही आपको कोई उपलब्धि हासिल होगी। समय के अनुसार किए गए कार्यों के परिणाम भी उचित मिलेंगे। व्यस्तता के बावजूद कुछ समय अपने लिए भी निकाल लेंगे। किसी धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता करने का अवसर भी मिलेगा।

नेगेटिव- बातचीत करते समय नकारात्मक शब्दों का प्रयोग ना करें। कई बाहर ज्यादा सोच-विचार करने की वजह से समय हाथ से निकल सकता है। बेहतर होगा कि दूसरों के बहकावे में ना आकर अपने विचारों को ही प्राथमिकता पर रखें। अगर घर में परिवर्तन करने संबंधी कुछ योजना बन रही है, तो अभी जल्दबाजी करना उचित नहीं है।

व्यवसाय- बिजनेस में स्टाफ और कर्मचारियों से पूरी तरह सहयोग मिलेगा। जिससे मनचाहे नतीजे मिलने की उम्मीद है। अपने प्रतिद्वंद्वियों की गतिविधियों को नजरअंदाज ना रखें। कोई भी निर्णय लेने में समय ना लगाएं। युवा अपने किसी विशेष लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब रहेंगे। नौकरी में सीनियर्स और जूनियर्स के साथ अच्छा सामंजस्य बना रहेगा।

स्वास्थ्य- मौसमी बीमारियां आपको परेशान कर सकती हैं। मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द जैसी समस्याएं रहेगी। बढ़ती सर्दी से अपना बचाव रखें।

कर्क - पॉजिटिव- माह की शुरुआत बहुत ही सुखद होने वाली है इसलिए आलस को त्यागे और अपने कार्यों पर फोकस रहे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जिसकी वजह से आप दैनिक कार्यक्रम में भी परिवर्तन करेंगे। महत्वपूर्ण संपर्क ओर संबंधों का दायरा विस्तृत होगा। युवा वर्ग अपनी मेहनत और एकाग्रता से प्रयासरत लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

नेगेटिव- परनिंदा और आलोचना जैसी स्थिति से दूरी बनाकर रखें। वरना इस वजह से आपका आत्म सम्मान प्रभावित हो सकता है। संतान से जुड़े किसी चिंता का निवारण करने में अभी समय लगेगा इसलिए धैर्य और शांति बनाए रखना ही इसका उचित हल है। आर्थिक मामलों में भी आपको सावधानी बरतने की अति आवश्यकता है।

व्यवसाय- व्यवसायिक गतिविधियों में सुधार आएगा। जिसकी वजह से भविष्य को लेकर चल रही योजनाएं कुछ हद तक सुलझ जाएंगी। लेकिन साथ ही भरपूर मेहनत भी करनी होगी। कारोबार को लेकर लंबी यात्रा का भी प्लान बन सकता है। अपने विरोधियों की गतिविधियों को नजर अंदाज न करें। नौकरी पेशा व्यक्तियों को भी अपने मन मुताबिक स्थान परिवर्तन मिलने की संभावना है।

स्वास्थ्य- जिन व्यक्तियों को ब्लड प्रेशर की समस्या है। वे अपना पूरा ध्यान रखें। थोड़ी सी सावधानी बरतना तथा व्यवस्थित दिनचर्या रखना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखेगा। वाहन सावधानीपूर्वक चलाने की आवश्यकता है।

सिंह - पॉजिटिव- सिंह राशि के लोगों को यह माह किसी न किसी गतिविधि में व्यस्त रखेगा। सफलता मिलने से थकान दूर भी हो जाएगी। आपकी वाकपटुता तथा कार्यशैली से लोग प्रभावित होंगे। प्रॉपर्टी संबंधी कार्य संपन्न होंगे। किसी बड़ी योजना में निवेश करने की भी प्लानिंग होगी। घर में भी आध्यात्मिक और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा।

नेगेटिव- समय की कीमत को अवश्य पहचाने। उचित समय पर काम ना करने से आपको नुकसान ही होगा। सफलता पाने के चक्कर में किसी गलत कार्य के सहभागी ना बने, वरना मान-सम्मान पर बात आ सकती है। बच्चों का भटकाव की वजह से पढ़ाई से ध्यान हटेगा। घर के बड़े बुजुर्गों के मान-सम्मान का विशेष ध्यान रखें। व्यवसाय- बिजनेस में फायदेमंद योजना पर काम करने का मौका मिलेगा, लेकिन चिंतन और मंथन करने की भी जरूरत रहेगी। रुके हुए कारोबारी मामले सुलझेंगे। बिजनेस को और बढ़ाने के लिए नई योजनाएं बनेंगी। पार्टनरशिप संबंधी बिजनेस में पुराने मतभेद खत्म करने में आपका साथ जरूरी है। जॉब में लोग अपने लक्ष्य को हासिल करके राहत महसूस करेंगे।

स्वास्थ्य- थकान और कमजोरी महसूस करेंगे। कोई पुरानी बीमारी दोबारा जग सकती हैं। योग, व्यायाम तथा जीवन शैली में बदलाव करके अपने स्वास्थ्य को ठीक रखें।

कन्या - पॉजिटिव- कन्या राशि के लोगों को इस माह में भाग्य का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। सिर्फ अच्छे परिणाम पाने के लिए अपने कार्य क्षमता और योग्यता पर विश्वास

जरूर रखें। आपको ऐसा महसूस होगा कि शायद कोई दैवीय शक्ति का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। ज्यादा लाभ की संभावना नहीं है परंतु आप अपना बजट संतुलित रखने में सक्षम रहेंगे।

नेगेटिव- कहीं पैसा फसा हुआ है तो उसे समय रहते वसूल कर ले। व्यक्तिगत मामलों को लेकर कुछ मतभेद अथवा नोकझोंक की स्थिति रहेगी। परंतु विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय उसका समाधान ढूंढने का प्रयास करें, हालांकि आप अपने मनोबल द्वारा ठीक करने में सक्षम रहेंगे। विद्यार्थियों को अपनी परीक्षा के अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए और अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

व्यवसाय- किसी के साथ पार्टनरशिप संबंधी योजना बन रही है, तो जल्दबाजी न करें। क्योंकि पहले उसके सभी पहलुओं पर उचित विचार विमर्श करना जरूरी है। वर्तमान व्यापार में गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी। तथा आर्थिक समस्याएं भी काफी तक ठीक हो जाएंगी। सिर्फ अपने कर्मचारियों की गतिविधियों पर ध्यान रखने की जरूरत है। नौकरी में अभी स्थिति यथावत ही बनी रहेगी।

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य ठीक रहेगा। सिर्फ ज्यादा काम की वजह से पैरों में दर्द और थकान जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अपना खान-पान और दिनचर्या भी मौसम के अनुरूप रखें।

तुला - पॉजिटिव- इस महीने बहुत मेहनत की स्थिति बनी रहेगी, लेकिन मनचाही सफलता भी मिलेगी। किसी भी तरह का चल रहा विवाद शांतिपूर्ण तरीके से हल हो जाएगा। घनिष्ठ व्यक्तियों से मुलाकात से मन में प्रसन्नता रहेगी। किसी पॉलिसी या प्रॉपर्टी में निवेश करने के लिए समय अनुकूल है। परीक्षा, प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे विद्यार्थियों को सुखद परिणाम मिलेगा।

नेगेटिव- व्यर्थ की बातों पर समय और पैसा लगेगा। इस समय अपने अंदर उत्साहहीनता की भावना ना आने दे। किसी भी अहम निर्णय को लेते समय परिजनों की भावनाओं भावनाओं की अनदेखी न करें, साथ ही शब्दों की शालीनता बनाएं रखें। युवा वर्ग मौजमस्ती में घूमने-फिरने में समय व्यर्थ ना करके अपने शिक्षा और करियर पर ज्यादा ध्यान दें। लेनदेन के मामलों में सावधानी बरते।

व्यवसाय- कार्यक्षेत्र में योजना बनाकर अपने काम पूरे करें। स्टाफ और कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल रखें। इससे कार्य प्रणाली और व्यवस्था बेहतर रहेगी। किसी कंपनी द्वारा आपको कोई महत्वपूर्ण अथॉरिटी भी मिल सकती है। ऑफिस में अपने पेपर्स तथा फाइलों को सुव्यवस्थित व कंप्लीट रखें। काम का दबाव रहेगा, जिस वजह से ओवर टाइम भी करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य मे थोड़ी सी सावधानी आपको स्वस्थ रखेगी। फिर भी लापरवाही बिल्कुल ना बरतें। अपनी इम्यूनिटी पर पूरा ध्यान दें तथा व्यसन के सेवन से परहेज रखे।

वृश्चिक - पॉजिटिव- अपने काम को नया रूप देने के लिए प्रयासों में सफलता मिलेगी। अपने कोर्ट केस संबंधी मामले निपटने का अनुकूल समय है। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता संबंधित गतिविधियों में सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करेंगे। विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे लोगों के समक्ष आ रही चुनौतियों का समाधान मिलेगा।

नेगेटिव- इस समय परिस्थितियों को सुलझाने के लिए धैर्य और संयम से काम ले, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। किसी भी बड़ी योजना में धन निवेश करने से पहले शुभचिंतकों की राय अवश्य दें। छोटी-मोटी समस्याओं पर तनाव लेना उचित नहीं है। ससुराल पक्ष के साथ संबंधों में मधुरता बनाए रखने में आपको ही प्रयास करने होंगे।

व्यवसाय- कारोबार में कुछ उठा पटक चलती रहेगी, लेकिन समाधान भी मिलते जाएंगे। मार्केटिंग के कामों में सावधानी रखें। कोई भी अहम फैसला जल्दबाजी में न लें। आलस और मौज-मस्ती का नकारात्मक प्रभाव आपके कार्यक्षेत्र की व्यवस्था पर पड़ सकता है। ऑफिस के कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवरटाइम भी करना पड़ेगा। नौकरी में बदलाव करने का विचार है तो पहले उस पर अच्छे से सोच-विचार जरूर कर लें।

स्वास्थ्य- ज्यादा मसालेदार खानपान से परहेज रखें। क्योंकि पेट में गैस और जलन जैसी शिकायत रहेगी।

माह के उत्तरार्ध में जीवनसाथी की सेहत को लेकर भी मन चिंतित रहेगा।

धनु - पॉजिटिव- माह की शुरुआत में काम की अधिकता की वजह से बहुत अधिक व्यस्तता रहेगी, परंतु इसके मनोनुकूल परिणाम मिलने से प्रसन्नता भी रहेगी। किसी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा, आपसी मेलजोल से सबको खुशी भी मिलेगी। माह के मध्य में कुछ खास लोगों से मुलाकात का अक्सर मिलेगा, जो कि आपके लिए भविष्य में बहुत लाभदायक भी साबित होने वाला है।

नेगेटिव- सफलता जल्दी हासिल करने की कामना में किसी अनुचित कार्य पर ध्यान ना दें, वरना आपके सम्मान पर बात आ सकती है। पैसों के लेनदेन को लेकर कोई गलती या नुकसान हो सकता है। इसका असर आपसी संबंधों पर भी पड़ेगा। मौज-मस्ती पर अपनी सामर्थ्य से ज्यादा खर्च करने से बचें। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ज्यादा फोकस रहे।

व्यवसाय- व्यवसायिक गतिविधियों पर गंभीरता से काम करना होगा। पब्लिक डीलिंग, ग्लैमर, कंप्यूटर से जुड़े बिजनेस में विशेष उपलब्धि मिल सकती है। करियर की शुरुआत कर रहे लोगों के लिए सुनहरा मौका मिलने वाला है। नौकरी पेशा व्यक्तियों को अत्यधिक कार्य भर की वजह से मानसिक दबाव रहेगा लेकिन साथ ही स्थान परिवर्तन संबंधी खुशखबरी मिल सकती है।

स्वास्थ्य- अत्यधिक कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान रहेगी। अपने कार्यों को दूसरों के साथ बांटने का प्रयास करें। खानपान पर विशेष ध्यान दें, पेट से संबंधित समस्या बढ़ सकती है।

मकर - पॉजिटिव- पूरे महीने आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। हालांकि आप अपने विवेक और योग्यता से सभी चुनौतियों को पार करके मनचाही सफलता भी हासिल कर लेंगे।

आपकी कोई कल्पना साकार होगी। और फायदेमंद परिस्थितियां भी बनेंगी। कुछ समय अपने रुचि पूर्ण कार्यों में भी व्यतीत करने से ऊर्जा और सुकून से भरपूर महसूस करेंगे। आपके उत्तम व्यक्तित्व से सामाजिक तथा पारिवारिक क्षेत्र में आपका रुतबा बढ़ेगा।

नेगेटिव- आर्थिक दृष्टि से समय सामान्य ही रहेगा इसलिए सोच-समझकर ही कहीं व्यय करें या किसी योजना में पैसा लगाए। पारिवारिक गतिविधियों में भी अपना सहयोग देना आपका दायित्व है। कभी-कभी ऐसा प्रतीत हो सकता है कि भाग्य साथ नहीं दे रहा है। हालांकि यह आपका भ्रम ही है। समय अनुसार चीजें व्यवस्थित होती जाएंगी।

व्यवसाय- बिजनेस में नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो समय अनुकूल है। सिर्फ उसके बारे में पूरी जानकारी जरूर हासिल कर लें, हालांकि कुछ विरोधी सक्रिय होंगे, जिनका विरोध करने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। नौकरी के लिए कोशिश कर रहे लोगों को इंटरव्यू में सफलता मिलने की उम्मीद है, लेकिन राजनीति जैसे मामलों से तटस्थ रहें।

स्वास्थ्य- व्यस्तता की वजह से अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देंगे, जिसकी वजह से थकान और अपच जैसी समस्या रहेगी। आयुर्वेदिक चीजों का उपयोग करें। किसी भी तरह का रिस्क लेना आपको मुसीबत में डाल सकता है।

कुंभ - पॉजिटिव- ये महीना कुछ नए मौके लेकर आ रहा है, लेकिन उन्हें हासिल करने के लिए पूरे मन से कोशिश करनी होगी। किसी खास मित्र के साथ विचार विमर्श करने से कई समस्याओं का समाधान मिलेगा। पारिवारिक अथवा सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष सहयोग बना रहेगा। प्रॉपर्टी संबंधी कोई रुका हुआ कार्य बन जाएगा।

नेगेटिव- पुरानी नकारात्मक बातों को वर्तमान पर हावी ना होने दें। ध्यान रखें कि छोटी सी गलतफहमी की वजह से रिश्तेदारों अथवा भाइयों के साथ संबंध खराब भी हो सकते हैं। दूसरों की बातों तथा सलाह पर भी ध्यान देना जरूरी है। सामाजिक और राजनीति गतिविधियों में कोई भी कार्य करते समय अपने मान सम्मान का विशेष ध्यान रखें। कुछ नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग आपके खिलाफ गलतफहमियां पैदा करेंगे।

व्यवसाय- इस वक्त बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है, हालांकि अलग-अलग सोर्स से इनकम होती रहेगी। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी बिजनेस में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। शेयर्स, तेजी-मंदी जैसी गतिविधियों में ज्यादा पैसा ना लगाएं। ऑफिस से संबंधित कामों में आपका महत्वपूर्ण फैसला फायदेमंद रहेगा। साथियों से अच्छे संबंध बनेंगे।

स्वास्थ्य- तनाव और चिंता के कारणों से दूर रहें। सुकून और शांति बनाए रखने के लिए कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों अथवा एकांत में जरूर व्यतीत करें।

मीन - पॉजिटिव- आपके कुछ काम रूके हुए हैं, तो अब उसके सकारात्मक परिणाम मिलते हुए नजर आएंगे। अधिकतर काम योजनाबद्ध तरीके से होते भी जाएंगे। परंतु कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय परिवार जनों की भी सलाह अवश्य लें, निश्चित ही उचित समाधान मिलेगा। विदेश जाने के लिए प्रयासरत लोगों को खुशखबरी मिलने वाली हैं। सुख-सुविधाओं पर खर्च करके खुशी ही मिलेगी।

नेगेटिव- कहीं भी अपनी बात रखते समय शब्दों की शालीनता बनाए रखें। व्यर्थ के वाद- विवादों से दूर रहे। कभी-कभी बहुत अधिक सोच-विचार करना तथा उसमें समय लगाना आपकी कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। बच्चों की गतिविधियों पर भी ध्यान रखना जरूरी है। संतान से जुड़े किसी समस्या को सुलझाने में किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग लेना पड़ सकता है।

व्यवसाय- व्यवसायिक कार्यप्रणाली व्यवस्थित रहेगी। सहयोगियों का भी उचित सहयोग रहेगा। पार्टनरशिप करने का विचार है, तो महीने के उत्तरार्ध में शुरू करना बहुत अधिक फायदेमंद रहेगा। इस समय किसी भी व्यवसायिक योजना में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। आपका पैसा डूब भी सकता है। सरकारी नौकरी में पब्लिक प्लेस पर बहुत अधिक सावधान रहना होगा, वरना मानहानि जैसी स्थिति भी बन सकती है।

स्वास्थ्य- अत्यधिक मेहनतखांसी जुकाम और बुखार जैसी समस्या रह सकती है। जिसका मुख्य कारण मौसम की वजह से आपकी लापरवाही ही है। अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें।

अहंकार रुपया मांगता है क्योंकि रुपया शक्ति है

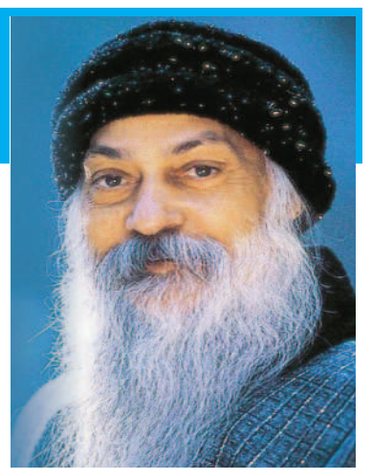

फिर मैं क्या आऊं तुम्हारे पास! जहां रुपये हैं, मुझे वहां जाना पड़ेगा। मुझे रुपयों की जरूरत है। अहंकार रुपया मांगता है, क्योंकि रुपया शक्ति है। अहंकार शक्ति मांगता है। उस वृक्ष ने बहुत सोचा, फिर उसे ख्याल आया।।तो तुम एक काम करो, मेरे सारे फलों को तोड़ कर ले जाओ और बेच दो तो शायद रुपये मिल जाएं। और उस लड़के को भी ख्याल आया। वह चढ़ा और उसने सारे फल तोड़ डाले। कच्चे भी गिरा डाले। शाखाएं भी टूटीं, पत्ते भी टूटे। लेकिन वृक्ष बहुत खुश हुआ, बहुत आनंदित हुआ। टूट कर भी प्रेम आनंदित होता है। अहंकार पाकर भी आनंदित नहीं होता, पाकर भी दुखी होता है।

और उस लड़के ने तो धन्यवाद भी नहीं दिया पीछे लौट कर। लेकिन उस वृक्ष को पता भी नहीं चला। उसे तो धन्यवाद मिल गया इसी में कि उसने उसके प्रेम को स्वीकार किया और उसके फलों को ले गया और बाजार में बेचा। लेकिन फिर वह बहुत दिनों तक नहीं आया। उसके पास रुपये थे और रुपयों से रुपये पैदा करने की वह कोशिश में लग गया था। वह भूल गया। वर्ष बीत गए। और वृक्ष उदास है और उसके प्राणों में रस बह रहा है कि वह आए उसका प्रेमी और उसके रस को ले जाए। जैसे किसी मां के स्तन में दूध भरा हो और उसका बेटा खो गया हो, और उसके सारे प्राण तड़प रहे हों कि उसका बेटा कहां है जिसे वह खोजे, जो उसे हलका कर दे, निर्भार कर दे। ऐसे उस वृक्ष के प्राण पीड़ित होने लगे कि वह आए, आए, आए! उसकी सारी आवाज यही गूंजने लगी कि आओ! बहुत दिनों के बाद वह आया। अब वह लड़का तो प्रौढ़ हो गया था। वृक्ष ने उससे कहा कि आओ मेरे पास! मेरे आलिंगन में आओ! उसने कहा, छोड़ो यह बकवास। ये बचपन की बातें हैं।

अहंकार प्रेम को पागलपन समझता है, बचपन की बातें समझता है। उस वृक्ष ने कहा, आओ, मेरी डालियों से झूलो! नाचो! उसने कहा, छोड़ो ये फिजूल की बातें। मुझे एक मकान बनाना है। मकान दे सकते हो तुम? वृक्ष ने कहा, मकान? हम तो बिना मकान के ही रहते हैं। मकान में तो सिर्फ आदमी रहता है। **(क्रमशः)**

शादी का कार्ड छपवाते समय अधिकतर लोग करते हैं ये गलती

कई बार शादी का कार्ड इतना ज्यादा छप जाता है कि समझ नहीं आता कि उनका क्या किया जाए। कुछ लोग तो इसे बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन क्या ऐसा करना सही है? क्या बचे हुए शादी के कार्ड को फेंक देना चाहिए? ना फेंके तो क्या और कैसे करें इस्तेमाल, शादी के कार्ड पर क्या लिखवाएं, किसकी छपी हो तस्वीर, ये सब जानना भी वास्तु के अनुसार बहुत जरूरी है वरना अपशगुन भी हो सकता है।

कैसा हो शादी का कार्ड?

शादी के हर कार्य को करने से पहले ज्योतिषीय दृष्टि और वास्तु नियमों का अनुसरण करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने से अशुभ या अपशगुन हो सकता है। शादीशुदा जिंदगी में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। शादी का कार्ड छपवाते समय भी कुछ नियमों और बातों का पालन जरूर करना चाहिए। जब आप शादी का कार्ड छपवाएं तो उसमें कलश, स्वास्तिक, नारियल और गणेश जी का चित्र होना अनिवार्य है। यदि सम्भव हो तो राधा कृष्ण की फोटो भी लगा सकते हैं। कार्ड का आकार हमेशा चौकोर ही रखें। यह शुभ माना जाता है।

कार्ड का रंग कैसा हो?

आप शादी का कार्ड लाल, पीला, केसरी, सफेद इनमें से चुन कर कोई भी एक रख सकते हैं। कार्ड पर गणेश मंत्र लिखवाना ना भूलें। ये बेहद ही महत्वपूर्ण है। आप 'मंगलम भगवान विष्णु मंगलम गरुण ध्वजा, मंगलम पुंडरीकाक्षी' मंगलायतनो

हरि आदि लिखवाएं। शादी के कार्ड मुख्य रूप से गणेश-माता पूजन, हल्दी, मेहंदी, मंडप, फेरे और प्रतिभोज या रिसेप्शन की तिथि और समय रखना चाहिए। वर-वधु का और उनके माता-पिता के नाम भी अवश्य ही हों।

कार्ड बच जाए तो क्या करें?

कई बार शादी के कार्ड अधिक छप जाते हैं, ऐसे में कुछ लोग इसे फेंक देते हैं या कहीं बक्से, दीवान में डालकर रख देते हैं। आप भूलकर भी ये गलती ना करें। ऐसा करना अशुभ है।

आप बचे हुए शादी के कार्ड में से कुछ को संभाल कर रख दें, ऐसा इसलिए, क्योंकि कभी पासपोर्ट या किसी कानूनी रूप से इसकी जरूरत पड़ सकती। बाकी के कार्ड को किसी नदी या तालाब में विसर्जित कर सकते हैं। कूड़े में कार्ड फेंकना गणेश जी का अपमान हो सकता है, क्योंकि इस पर उनकी तस्वीर छपी होती है।

शेफाली जरीवाला

शैतानी रस्में' की कपालिका को समझने में मुझे करीब तीन महीने लगे

'कांटा लगा' रीमिक्स वीडियो के 2 दशक बाद भी शेफाली जरीवाला का चार्म बरकरार है। हालांकि इस म्यूजिक वीडियो के बाद शेफाली बिग बॉस जैसे रिएलिटी शो और बेहद कम फिल्मों में ही नजर आई हैं। वहीं, इन दिनों शेफाली अपकमिंग शो 'शैतानी रस्में' की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस शो में एक्ट्रैस का नया अवतार देखकर उनके फैंस के होश उड़ गए हैं।

शेफाली ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लगता है कि आज भी लोग मुझे उस सॉन्ग से जानते हैं। बहुत मेहनत और बहुत सारा काम करना पड़ता है, तब जाकर कोई चीज निकलकर सामने आती है, जिससे इंडस्ट्री में एक पहचान बनती है। मेरे पहले गाने ने ही मेरे लिए ये कर दिया। मैं खुद को काफी ग्रेटफुल मानती हूं कि मेरे करियर की शुरूआत में ही मुझे लोगों का काफी प्यार मिला। पूरे वर्ल्ड में सिर्फ एक ही कांटा लगा गर्ल है, ये मेरे लिए गर्व की बात है और जब कोई चीज आपकी पूरी लाइफ बदल देती है तो उसे आप कैसे भूल सकते हैं। मुझे अब भी उस गाने से जुड़ी हर चीज बारीकी से याद है।

वह बताती है कि मुझे जितने भी शो के ऑफर आए थे, उनसे कहीं न कहीं मैं खुद को कहानी और किरदार से रिलेट नहीं कर पाती थी। मैं एक ऐसे मौके की तलाश में थी, जिसमें मेरी भूमिका भी अहम हो और कहानी में मेरा योगदान हो। साथ ही किरदार भी ऐसा हो, जिसे करने में मजा आए। मैं कुछ ऐसा चाहती थी, जो मुझे मेरे कंफर्ट जोन से बाहर निकाले। 'शैतानी रस्में' में कपालिका का किरदार मेरे लिए कुछ ऐसा ही है, जिसके लिए मैं इंतजार कर रही थी। इसके लिए मैं कहना चाहूंगी कि सब्र का फल मीठा होता है और मुझे बहुत खुशी है कि यह शो कर रही हूं।

धैर्य, संकल्प, सपोर्ट सिस्टम और समझदारी से हम जिंदगी में आए किसी भी उतार-चढ़ाव से गुजर जाते हैं और मेरे हिसाब से मुझमें धैर्य बहुत है। जब मैं गुस्से में होती हूं तो जल्दबाजी में कभी अपने फैसले नहीं लेती हूं। इसी तरह जब मैं उदास या बहुत खुश होती हूं तो मैं किसी से कोई वायदा भी नहीं करती हूं।

सोशल मीडिया हम सभी की लाइफ का एक जरूरी हिस्सा बन गया है और हमारे लिए यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि हम एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री का हिस्सा हैं, लेकिन सच कहूं तो मेरा फोन कभी भी मेरे हाथ में नहीं रहता है। हां, दिन में थोड़ा समय मैं इस पर जरूर देती हूं, यह जानने के लिए इस प्लेटफॉर्म पर क्या चल रहा है।

कृति खरबंदा ने किया 'खुलकर प्यार का इजहार'

वर्ष 2016 में फिल्म ' राज रीबूट' से बॉलीवुड में अपने डैब्यू के साथ ही कृति खरबंदा ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। इसके बाद से वह 'गैस्ट इन लंदन', 'शादी में जरूर आना', 'वीरे की वैडिंग', 'यमला पगला दीवाना फिर से', 'हाऊसफुल 4' 'पागलपंती' 'तैश'' 14 फेरे' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है।

हालांकि, वह अपनी प्रोफैशनल लाइफ के साथ ही प्राइवेट लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती है। फिल्म 'वीरे की वैडिंग', 'तैश' और 'पागलपंती' के अपने को-स्टार पुल्कित सम्राट के साथ वह लम्बे अर्से से रिलेशनशिप में है जिसे वह कभी छुपाती नहीं और खुल कर इसके बारे में बात करती है। वह बीते दो-तीन सालों से पुल्कित को डेट कर रही है।

हाल ही में पुल्कित ने अपना 40वां जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर कृति ने उसे बेहद रोमांटिक अंदाज में बधाई दी और फिर से अपने प्यार का खुल कर इजहार किया। सोशल मीडिया पर उसने कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं जिनमें वह पुल्कित के साथ इश्क फरमाती नजर आ रही है। उसने इस के साथ लिखा, ₹सबसे बड़े दिल और सबसे पवित्र आत्मा वाला लड़का। आपके साथ हर दिन खूबसूरत लगता है। आपसे प्यार करना मेरे साथ अब तक हुई सबसे अच्छी चीजों में से एक है। मैं भाग्यशाली हूं। इस दुनिया और मेरे जीवन में आने के लिए धन्यवाद। मैं तुमसे प्यार करती हूं। आज और हर दिन।

इन तस्वीरों के अलावा उसने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें वह पुल्कित के साथ डांस करती नजर आ रही है।

पूरी की फिल्म की शूटिंग कृति की अगली फिल्म 'रिस्की रोमियो' है जिसमें वह सनी सिंह के साथ नजर आएगी। यह एक कॉमिक ट्रेजेडी फिल्म है जिसकी शूटिंग कोलकाता में डेढ़ महीने के मैराथन शैड्यूल के बाद पूरी हो गई है। फिल्म अबीर सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित है, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म 'इंदु की जवानी' का निर्देशन और राधिका आप्टे अभिनीत फिल्म 'मिसेज अंडरकवर' का निर्माण किया था। कृति ने शूटिंग पूरी करने के बाद कहा कि वह बेहद संतुष्ट महसूस कर रही है और इस फिल्म में एक ऐसा किरदार पेश करने की कोशिश की है जो पहले कभी उसने नहीं किया है। लेखक-निर्देशक अबीर सेनगुप्ता ने कहा कि 'रिस्की रोमियो' के सैट पर पूरी तरह से अलग माहौल था। फिल्म में कृति और पुल्कित ऐसी लुक में होंगे जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। यह कुछ ऐसा है जिसे वह दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं और जिस तरह से सनी और कृति ने फिल्म में काम किया है वह उसे बहुत पसंद आया है।

फिल्मों में पूरे किए 14 साल

कृति ने बॉलीवुड में डेब्यू से काफी पहले 2009 में साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में तेलुगु फिल्म 'बोनी' से अपना सिनेमाई सफर शुरू कर दिया था। वह फिल्म इंडस्ट्री में 14 साल पूरे कर चुकी है। अभिनय से पहले उसने बतौर मॉडल भी काम किया और कम ही लोग जानते हैं कि वह एक अभिनेत्री के साथ ही ज्वैलरी डिजाइनर भी है। जब वह 16 साल की थी तभी उसके दोस्तों ने मिलकर डिजाइनिंग का कोर्स करने का फैसला किया था।

अभी शादी का इरादा नहीं

कुछ समय पहले कृति ने शादी के सवाल पर कहा था कि अभी उसका शादी का कोई इरादा नहीं है। उसके अनुसार, मेरा फंडा तो सिम्पल है कि जब तक हम बेस्ट फ्रेंड के रूप में रह रहे हैं तब तक सारी चीजें सुलझी हुई हैं। दोस्ती में लडाई भी होती है और प्यार भी बना रहता है लेकिन जब बात शादी की आती है तो कभी-कभी दो व्यक्तियों के बीच हालात बदल जाते हैं। तो जब तक आप सबसे अच्छे दोस्त रहते हैं, सारी चीजें सुलझ जाती हैं।

माफी मांग लेती हूं

वह कहती है, जब तक मुझमें मैच्योरिटी नहीं आई थी, तब तक लगता था कि फलां ने गलती की, लेकिन माफी नहीं मांगी। अब लगता है मैं समय बर्बाद कर रही थी। मैं किसी और की जिंदगी पर नियंत्रण नहीं कर सकती हूं। यह समझ उम्र और अनुभव के साथ आती है।

मेरा भी दिल प्यार में 'टूटा' है : मृणाल ठाकुर

छोटे पर्दे से लेकर साऊथ और फिर बॉलीवुड तक में दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली मृणाल ठाकुर अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती है। 'सीता रामम', 'गुमराह', 'जर्सी', 'लस्ट स्टोरीज 2' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए तारीफ लूटने वाली मृणाल ने जीवन में रिश्तों और प्यार को लेकर बताया, बेशक मैं भी प्यार में पड़ी हूं, और मेरा दिल भी टूटा, सबका टूटता है। जैसे जानी-मानी हॉलिवुड अभिनेत्री मेरिल स्ट्रीप ने कहा था, 'टेक योर ब्रोकन हार्ट, मेक इट इनटू आर्ट' (अपने टूटे हुए दिल को लें और इसे अपनी कला में परिवर्तित कर दें), दुनिया में आपने कितने ही महान शायरों या कलाकारों को देखा होगा, जैसे साहिर लुधियानवी या अमृता प्रीतम, कइयों ने दिल टूटने के बाद ही खुद की खोज की है।

मैं आज यह बात गर्व से कह सकती हूं कि जिस किसी के प्यार में मैं थी, उन्हीं की वजह से आज मैं इस मुकाम पर पहुंच पाई हूं। मैं आज अगर अभिनेत्री हूं, तो इसलिए नहीं कि मैं अभिनय के क्षेत्र में आना चाहती थी, वह इसलिए कि किसी ने मुझे वाकिफ करवाया कि मैं यह कर सकती हूं।

'बंगलादेशी अभिनेत्री' जया एहसान का बॉलीवुड डेब्यू

जया अहसान बंगलादेश की मशहूर अभिनेत्री है। वह एक मॉडल, फिल्म निर्माता और गायिका भी है। इस मल्टी टैलेंटेड अभिनेत्री ने बंगलादेश से 6 बार नैशनल अवॉर्ड, 3 बार फिल्मफेयर पुरस्कार पाया है। इन पुरस्कारों के अलावा कई अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार वह पा चुकी है। कोल्ड ड्रिंक के विज्ञापन में उसका चेहरा पहली बार 1997 में नजर आया और उसके बाद कई बंगाली फिल्मों में उसका शानदार अभिनय देखने को मिला। इस समय फिल्म 'कड़क सिंह' में जया के अभिनय को बहुत सहज माना जा रहा है।

अपनी पहली हिन्दी फिल्म 'कड़क सिंह' में काम करने के अनुभव के बारे में वह कहती है, ₹यह देश, यहां के लोग, संस्कृति सब अलग हैं लेकिन सबसे ज्यादा मायने रखता है कि मुझे भारत और दुनिया की नम्बर वन फिल्म इंडस्ट्री माने जाने वाले बॉलीवुड का हिस्सा बनने का मौका मिलना।' कड़क सिंह' के जरिए मैं इस देश में आ सकी, फिल्म कर पाई, सभी ने मेरे काम की भी तारीफ की। मेरे लिए यह दिल छू लेने वाली बात है।

अपने अभिनय के अब तक के सफर पर वह कहती है, अगर लड़कियां इंडस्ट्री में मिडल क्लास परिवार से आती हैं तो जाहिर सी बात है कि उनके परिवारों की सोच आजाद नहीं होती। फैशनेबल और बोल्ड परिधान पहनना भी उनके लिए आसान नहीं होता। मेरा परिवार मध्यम वर्गीय भी है और रूढ़िवादी भी। मुझे लगता है यह जिम्मेदारी मुझ पर भी थी कि मैं दुनिया के सामने अपनी संस्कृति और गर्व के साथ इस करियर में आगे बढ़ूं। मैं बंगलादेशी हूं और पिछले कुछ समय से वहां के कलाकार ग्लोबली काम करते नजर आ रहे हैं। मैं जिंदगी भर स्टूडेंट बनकर रहना चाहती हूं, ताकि एक्टिंग की प्रोसैस में सीखती रहूं, मुझे टीचर नहीं बनना।

फिटनेस का मतलब 'बिकिनी बॉडी' या 'साइज जीरो' नहीं : रिद्धिमा पंडित

धारावाहिक' बहू हमारी रजनीकांत' में अपने रोबोट वाले चरित्र रजनी से घर-घर में लोकप्रियता पाने वाली छोटे पर्दे की अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित 'हैवान' जैसे अन्य सीरियलों से लेकर 'खतरों के खिलाड़ी 9' तथा 'खतरा खतरा खतरा' जैसे रियलिटी शोज में नजर आ चुकी है।

बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत करने वाली रिद्धिमा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती है जहां वह अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस स्टाइल वाली फोटो-वीडियो खूब पोस्ट करती है, जिनको फैन्स काफी पसंद करते हैं। वह अपनी फिटनैस के लिए भी काफी मशहूर है और इसे बरकरार रखने के लिए जम कर मेहनत करती है।

वह बताती है, मेरे लिए फिटनैस का मतलब बिकिनी बॉडी या साइज जीरो नहीं है, मैं केवल हैल्दी रहने और महसूस करने का प्रयास करती हूं। मैं एक जिम पर्सन नहीं हूं और मैं केवल एक्टिव रहकर और अपने भोजन को संयम से खाकर खुद को फिट रखती हूं। मैं जिम जाने और ट्रैडमिल पर लक्ष्यहीन रूप से दौड़ने के लिए खड़ी नहीं हो सकती हूं क्योंकि यह उबाऊ और नीरस है। इसके बजाय मुझे जुम्बा, सूर्य नमस्कार करना और खुले में सैर करना पसंद है। मैं बस यह सुनिश्चित करती हूं कि मुझे हर दिन 30-40 मिनट की एक्सरसाइज मिले।

योग को अपने जीवन का अहम हिस्सा मानने वाली रिद्धिमा कहती है, योग स्वयं की, स्वयं से, स्वयं के माध्यम से यात्रा है। रोजाना योग करने से हमारा तन और मन दोनों दुरुस्त रहता है तथा हम बीमारियों से बचे रहते हैं। रिद्धिमा खुद को फिट रखने के लिए वेट लिफ्टिंग से लेकर पलाटेज जैसी एक्सरसाइज भी करती है।

करवा चुकी है अपने एग्स फ्रीज

उसने गत दिनों बताया कि पिछले साल उसने अपने एग्स फ्रीज करवाए और उसे अपने इस फैसले पर गर्व है क्योंकि अब वह अपनी जिंदगी में पहले से ज्यादा आजाद महसूस कर रही है। रिद्धिमा का कहना है कि इस फैसले में उसे अपने परिवार का पूरा सहयोग मिला।

उसके अनुसार, मुझे अपने फैसले पर बेहद खुशी है और इससे कई लोग प्रेरित हो सकते हैं। एक महिला हमेशा इन सवालों से घिरी रहती है कि वह मातृत्व और काम कैसे संभालेगी, लेकिन कोई भी पुरुष से इस बारे में नहीं पूछता। लोग पेशे के बावजूद महत्वाकांक्षी हैं, इसलिए अभिनेत्रियों को अपने करियर पर फोकस करने और शादी तथा मां बनने के फैसले को टालते रहने के लिए दोष न दें। अभी मेरा कोई साथी नहीं है इसलिए बाद में पछताने के बजाय मैंने एग्स फ्रीज करवाना सही समझा। इसका सबसे जरूरी कारण एक महिला की सीमित प्रजनन अवधि है।

अपने 'मान-सम्मान' के लिए उठाएं आवाज

पति-पत्नी के रिश्ते में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक-दूसरे के प्रति सम्मान निभाता है। जहां इन दोनों के बीच सम्मान रहता है, वहां रिश्ता उम्र भर सच्चाई और ईमानदारी से निभता है। सम्मान में कमी होते ही रिश्ते में तनाव, घुटन और असहजता का माहौल पैदा हो जाता है। शक इस रिश्ते को खत्म करने तक पहुंचा देता है। जब ऐसा होने लगता है तो रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। इस स्थिति में अक्सर महिलाएं कमजोर पड़ जाती हैं और अपने रिश्ते को बचाने के लिए अपना मान-सम्मान सब कुछ दाव पर लगा देती हैं।

पूरे विश्व में महिलाएं भले ही अपने रिश्ते में कितनी भी घुट रहीं हों, लेकिन इसके बाद भी वे वे अपने रिश्ते को बचाने में जुटी रहती हैं। कई मामलों में तो पति हर छोटी बात पर अपनी पत्नी पर हाथ तक उठा देते हैं लेकिन महिलाएं इसे भी बर्दाश्त कर लेती हैं क्योंकि उन्हें समाज का डर होता है। अगर कोई महिला ऐसा करती है, तो वह अपने साथ बहुत ज्यादा गलत कर रही है।

यदि आप कुछ बातों पर देने लगेंगी तो आपके रिश्ते आपकी अहमियत भी बढ़ेगी। अपने में कुछ बदलाव लाकर आप न केवल अपना रिश्ता बचा सकती हैं, बल्कि अपने पति को भी उसकी गलती का अहसास करा सकती हैं। आपको अपने रिश्ते में महत्व पाने और प्यार पाने का पूरा हक है। यदि आप कुछ बातों पर ध्यान देने लगेंगी तो आपके रिश्ते में आपकी अहमियत भी बढ़ेगी।

अपनी कीमत जानिए किसी दूसरे को अपनी कीमत समझाने से पहले जरूरी है कि आप खुद अपनी कीमत जानें। इसलिए ध्यान में आपको पहले यह जानना चाहिए कि आप बेहद विशेष हैं और ऐसे में पार्टनर द्वारा आपको प्यार करना और आपकी परवाह करना उतना ही महत्वपूर्ण है। पहले आप स्वयं को महत्व दें। साथ ही अपने साथी को भी यह महसूस कराएं कि आप महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में, आपका साथी खुशकिस्मत है, क्योंकि उसके पास आप हैं। ऐसे में उसे आपका उसी तरह ख्याल रखना चाहिए, जिस तरह वह अपनी किसी खास चीज को संजोकर रखता है।

हर बात पर न करें हां

हर बात पर जी-जी करते रहते वालों को लोग काफी हल्के में लेने लगते हैं। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो ऐसे में आप अपने साथी को स्पष्ट रूप से कह दें कि आज आप कोई काम नहीं कर पाएंगी। उन्हें अपनी तबीयत खराब होने का भी अहसास कराएं। वह आपका ध्यान रखने के साथ ही आपका सम्मान भी करेंगे और आप दोनों के बीच की दूरियां भी कम होंगी।

दोस्तों को समय दें

शादी के बाद महिलाओं की दोस्ती कम हो जाती है। वे परिवार में ही अपना सुख ढूंढती हैं, जबकि आपको दोस्त बनाकर रखने चाहिएं। विपरीत परिस्थितियों में आप उनके साथ अपना कुछ समय बिता सकती हैं। उनके साथ आप तरोताजा महसूस करेंगी।

महिलाओं के लिए जरूरी है 'मैमोग्राफी'

मैमोग्राफी से स्तन में कैंसर की शुरुआती स्थिति का पता चल सकता है। महिलाओं में 80 से 85 प्रतिशत कैंसर एवं गांठ मालूम पड़ने का लगभग दो वर्ष पहले ही उच्च तकनीक मैमोग्राफी से पता चल जाता है। मैमोग्राफी से शुरुआती गांठ की जानकारी मिलने पर आगे के टैस्टों द्वारा जांच की जाती है, ताकि महिला का उचित इलाज हो सके। इस गांठ में कैंसर है या नहीं, इसका सोनोग्राफी, एम. आर. आई. या बायोप्सी द्वारा पता लगाया जा सकता है।

जांच कराने की दो विधियां प्रचलित हैं, पहली स्क्रीनिंग और दूसरी डायग्नॉस्टिक । स्क्रीनिंग मैमोग्राफी उन महिलाओं की होती है जिन्हें कोई तकलीफ नहीं या कभी स्तन में दर्द महसूस होता हो और बना रहता हो। डायग्नॉस्टिक मैमोग्राफी उन महिलाओं की करनी पड़ती है, जिनके स्तनों में तकलीफ हो जैसे स्तन में स्त्राव या गांठ आदि।

डिजीटल मैमोग्राफी में कम्प्यूटर की सहायता से स्तन में आए

बदलाव को अच्छी तरह देखा और परखा जा सकता है। यह तकनीक काफी एडवांस है जिससे सूक्ष्म स्थिति की भी जानकारी मिल जाती है। वैसे स्तन कैंसर की शुरुआती स्थिति का स्वयं स्तन परीक्षण या डॉक्टर द्वारा परीक्षण करवा कर भी पता लगाया जा सकता है। कोई भी संदेह होने पर डॉक्टर आगे जांच करवाते हैं।

मैमोग्राफी तकनीक क्या है

इसमें अत्याधुनिक लो-एनर्जी एक्स-रे मशीन का इस्तेमाल होता है। स्तन को मशीन में नीचे स्थित एक्स-रे प्लेट पर सीधा रखा जाता है, फिर उसके ऊपर दूसरी प्लेट रखकर स्तन को हल्के से दबा कर एक्स-रे लिया जाता है। अक्सर अलग- अलग कोणों से स्तन के 3-4 एक्स-रे लिए जाते हैं। फिर स्पैशलिस्ट इनका बारीकी से परीक्षण कर रिपोर्ट देते हैं। मैमोग्राफी कराते समय स्तन में हल्का दर्द होता है, अतः परेशान न हों।

ध्यान दें

सभी महिलाओं को अपना पहला मैमोग्राफ 40 वर्ष की आयु के बाद कराना चाहिए और 50 वर्ष के बाद हर वर्ष कराना चाहिए।

मैमोग्राफी में देखी गई हर गांठ जरूरी नहीं कि कैंसर ही होगी।

महिलाओं को पीरियड शुरू होने के एक सप्ताह पहले या पीरियड के दौरान मैमोग्राफी नहीं करानी चाहिए क्योंकि इस दौरान स्तन में थोड़ी सूजन और एवं दर्द होता है।

मैमोग्राफी कराते समय शरीर पर पहले से कोई परफ्यूम, डिओडरैंट या पाऊडर का इस्तेमाल न करें क्योंकि एक्स- रे में धब्बे आ सकते हैं जिससे परीक्षण में भटकाव आ सकता है।

कपड़े ढीले पहन कर जाएं ताकि आसानी से वस्त्र ऊपर कर एक्स-रे कराया जा सके।

अगर आप हार्मोंस की कोई भी दवा लेती हैं तो परीक्षण से दो सप्ताह पूर्व उसे न लें ताकि रिपोर्ट ठीक आ सके।

रूखे और बेजान बालों को बनाइए 'जानदार'

अक्सर लोगों को बालों की समस्याओं की शिकायत करते हुए सुना जाता है। बालों की समस्याओं का सामना हर उम्र के लोगों को करना पड़ता है। बालों का अत्यधिक झड़ना, इनका बेजान होना और रूखापन, ये प्रमुख समस्याओं में शामिल हैं। यह हेयर ड्रायर के अधिक इस्तेमाल से लेकर पोषण और प्रर्याप्त देखभाल की कमी के साथ- साथ हेयर स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स के सम्पर्क में आने का परिणाम हो सकता है। जब आप बाहर निकलने या दोस्तों से मिलने को तैयार हो रही होती हैं, तो यह बहुत कष्टदायक लगता है क्योंकि आपके बाल आपकी तैयारी के साथ मेल नहीं खाते। ये रूखे, सूखे और बेजान देखाई देते हैं।

यहां कुछ आसान घरेलू नुस्खे बताए जा रहे

हैं, जिन्हें बालों की समस्याओं को दूर या रोकथाम करने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इस तरह बालों में चमक लाई जा सकती है और बालों की लुक को स्वस्थ और आकर्षक भी बनाया जा सकता है। दही और जैतून का तेल : इस घरेलू नुस्खे के लिए बस दो चम्मच जैतून का तेल एक कटोरे में आधा कप दही के साथ मिलाएं। अब अपने बालों पर इस मिश्रण को लगाएं और बालों को 15 मिनट के लिए शॉवर कैंप से ढंक दें। इसके बाद बालों को पानी से धो लें।

प्याज का रस

प्याज का रस बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। आप सप्ताह में दो से तीन बार अपने बालों में प्याज का रस लगा सकती हैं। इसमें मौजूद डायट्री सल्फर नए बाल उगाने और उगे हुए बालों को पोषण देने का काम करता है, जिससे बाल घने और सेहतमंद नजर आते हैं।

मेथी दाना पेस्ट

मेथी दाना में बहुत अधिक प्रोटीन होता ह जो बालों की सेहत के लिए सबसे जरूरी पदार्थ है। साथ ही मेथी में निकोटिनिक एसिड होता है, जो बालों की जड़ों में डैंड्रफ नहीं होने देता और हेयर फॉल को भी रोकता है।

मासिक धर्म के 'दर्द' से राहत पाएं

मासिक धर्म का दर्द सभी लड़कियों व महिलाओं को होता है। यह दर्द किसी को अधिक तो किसी को कम होता है जो आमतौर पर पेट में मांसपेशियों की दर्दनाक ऐंठन के रूप में महसूस होता है और जांघों से लेकर पीठ तक फैल सकता है।

कभी-कभी दर्द तीव्र ऐंठन जैसा या हल्का लेकिन लगातार महसूस होता है। इसके साथ मतली, दस्त, उल्टी, चक्कर आना और सिरदर्द जैसे अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। हालांकि, पीरियड के दर्द में आप कुछ सरल उपाय अपना सकती हैं, जो इसे कम करने में मदद कर सकते हैं।

व्यायाम : पीरियड्स में दर्द के दौरान व्यायाम करना थोड़ा कठिन लग सकता है, पर यह दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है।

हालांकि, आपको यह ध्यान देना चाहिए कि आप ऐसे समय में कुछ हल्के व्यायाम ही करें। जैसे, आप वॉकिंग कर सकती हैं या साइकिल चला सकती हैं। इससे आपको आराम मिलेगा।

हीटिंग पैड : पीरियड्स में हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल पेट की मांसपेशियों में ऐंठन से राहत दिलाती है। इस दौरान पीठ दर्द से लड़ने के लिए हीट पैड को पीठ के निचले हिस्से में रखा जा सकता है।

मालिश : आप अपने पेट के चारों ओर हल्की, गोलाकार मालिश करने का प्रयास कर सकती हैं। इससे पीरियड्स के दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। यह एक सरल और प्रभावी उपाय है, जो आप स्वयं कर सकती हैं।

गर्म पानी : गर्म पानी से नहाने पर रक्त

वाहिकाओं को फैलने में मदद मिलती है, जिससे ब्लड फ्लो तेजी से बढ़ता है। जब आप गर्म पानी से नहाती हैं, तो खुद ही आराम महसूस करती हैं, क्योंकि आपकी मांसपेशियां शांत होती हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्म पानी से स्नान करना या गर्म तरल पदार्थों का सेवन भी पीरियड्स के दौरान आराम देता है।

खानपान : पीरियड्स के दौरान

आपको उच्च फाइबर वाले खाद्य पदार्थ और भरपूर मात्रा में सलाद तथा सब्जियां खानी चाहिएं। अपने दैनिक आहार में विटामिन 'ई' की खुराक शामिल करने से मासिक धर्म के दर्द में मदद मिल सकती है। इस दौरान बाहर के खानों से बचना चाहिए।

ऐसे करें 'दौड़ने' की शुरूआत

आप काफी लंबे समय के बाद फिटनैस की चाहत में दौड़ने की शुरूआत करने की योजना बना रही हैं, तो किसी और से तुलना न करें और छोटे-छोटे कदमों से शुरूआत करें।

दौड़की शुरूआत करने के लिए कुछ टिप्स

* आप अपने जीवन के किसी मोड़ पर कितनी फिट थीं, यह न सोचें और न ही अपने इर्द-गिर्द मौजूद किसी अन्य व्यक्ति से अपनी तुलना करें। धीमी शुरूआत करें और एक मजबूत आधार बनाएं, ताकि आप चोटिल न हों।

* शुरूआती कुछ महीनों में गति और दूरी की चिंता न करें।

* बारी-बारी से एक से पांच मिनट धीमी सैर और एक से पांच मिनट तेज सैर से शुरूआत करें। तीन से छह बार इसे दोहराएं। पहले एक या दो सप्ताह इस पर टिकी रहें।

* एक बार आप पांच से दस मिनट की तेज सैर की अभ्यस्त हो जाएं, तो उसके बाद आप जॉगिंग की शुरूआत कर सकती हैं। उसके बाद बारी-बारी से एक से पांच मिनट की तेज सैर और एक से पांच मिनट की जॉगिंग करें। इसे तीन से छह बार दोहराएं।

* अपनी दौड़ को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। बॉडी वेट्स या मशीनों का इस्तेमाल करके आप घर या जिम में

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कर सकती हैं। *

अपने कंधों को रिलैक्स करने

और एक ही जगह पर जॉगिंग करने से शुरूआत करें। अपने दोनों हाथों के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच एक पापड़ रखे होने की कल्पना करें। आपको ये

पापड़ तोड़ना नहीं है, इसलिए आपको इसे कोमलता से पकड़ना होगा, यानी अपने कंधों और शरीर के ऊपरी हिस्से को रिलैक्स रखना होगा।

* आप चाहे सैर करें या दौड़ें, आपको अपनी सांसों को काबू में करना होगा। जब आप सैर की शुरूआत करें, सांस को काबू में करने का अभ्यास करें। इसके लिए लंबी सांस भरें, एक या दो सैकेंड रोकें और फिर सांस छोड़ें। अभ्यास के बाद यह बेहद सहज हो जाएगा, चाहे आप बेहद तेज गति पर ही क्यों न दौड़ रही हों।

* दौड़ते समय केवल अपने कदमों की आवाज सुनें। अगर आप उन्हें सुन पा रही हैं तो इसका अर्थ है कि आप बेहद जोर डाल रही हैं, अपने पैरों का इस्तेमाल कोमलता से करें।

* आरंभ में आपका शरीर ही आपको रुकने का संकेत दे देगा क्योंकि शुरूआत में थोड़ी तकलीफ होगी। पहले तीन से चार सप्ताह ऊपर दी गई सलाह का ही पालन करें, लेकिन अगर कुछ दिन दर्द कायम रहे तो चिकित्सकीय सलाह लें।

* दौड़ की शुरूआत के समय अपनी जरूरत के अनुसार अच्छे और उपयुक्त जूतों का इस्तेमाल करें।

* हर दस से पंद्रह मिनट में एक या दो घंट पानी पिएं, इससे अधिक नहीं। बेहतर है कि सादे पानी की जगह इलैक्ट्रॉलाइट मिलाकर पानी पिएं। खाने के तत्काल बाद कभी न दौड़ें। जरूरी है कि दौड़ने के बाद, अगले 20 से 30 मिनट के भीतर कुछ प्रोटीन लें।

त्वचा को दें 'प्रकृति का स्पर्श'

धूल, मिट्टी और प्रदूषण के बढ़ते प्रभाव का सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है। कॉस्मैटिक उत्पाद थोड़े समय के लिए त्वचा की खामियों को ढंकने का काम करते हैं लेकिन इनके दुष्परिणाम जल्द ही त्वचा पर दिखाई देने लगते हैं।

कैमिक्लयुक्त ब्यूटी उत्पादों के इस्तेमाल से बेहतर है कि हम त्वचा की देखभाल प्राकृतिक तरीकों से करें। सबसे अच्छी बात है कि प्रकृति की ढेर सारी चीजें सुंदरता बढ़ाने में कारगर साबित होती हैं, जैसे-एलोवेरा, व्हाइट लिली, केसर, बादाम, गुलाब जल, चंदन, हल्दी आदि। आइए जानें इनकी खूबियों के बारे में :

व्हाइट लिली : यह फूल दिखने में जितना खूबसूरत है, इसके गुण और लाभ भी उतने ही अधिक हैं।

अरोमा थैरेपी में इसका काफी अधिक इस्तेमाल होता है, जो त्वचा को खुशबूदार बनाने के साथ ही स्वस्थ भी बनाता है।

गुलाब जल व बादाम गुलाब जल का इस्तेमाल प्राकृतिक टोनर के रूप में किया जाता है। यह त्वचा की सफाई के साथ- साथ उसे नमी भी देता है। शुष्क त्वचा वालों के लिए बादाम बहुत फायदेमंद है। इसका पेस्ट त्वचा की रूखाई के को कम करता है और इसे दरदरा कर स्क्रब की तरह इस्तेमाल करने से भी त्वचा की सफाई होती है।

चंदन और हल्दी : चंदन और हल्दी में अत्यधिक गुणकारी तत्व पाए जाते हैं। जहां चंदन त्वचा को कांतिमय बनाता है, वहीं हल्दी के त्वचा के दाग- धब्बों को हटाने में सहायक है। एलोवेरा : एलोवेरा मृत त्वचा की सफाई और त्वचा को चिकनाई प्रदान करता है। बहुगुणी एलोवेरा त्वचा को नमी देता है, ताकि त्वचा स्वस्थ रहे। साथ ही एलोवेरा में एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा का झुर्रियों से बचाव करते हैं। एलोवेरा के नियमित इस्तेमाल से त्वचा की स्निग्धता और कोमलता बनी रहती है। आप इसे सर्दियों के मौसम में विशेष रूप से इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन आसान उपायों से पाएं 'खूबसूरत त्वचा'

घर और ऑफिस के एक साथ कई सारे काम करने वाली महिलाओं को पता ही नहीं चलता कि कब बढ़ती उम्र दस्तक देने लगती है और उनकी त्वचा में बदलाव आने लग जाता है। ऐसे में आप छोटे-छोटे उपाय करके अपनी त्वचा में चमक और चेहरे पर सौंदर्य ला सकती हैं, ताकि हर मौसम के लिए आपकी त्वचा पहले से ही तैयार रहे।

नीम फेस पैक

चेहरे के दाग-धब्बे हटाने में नीम का फेस पैक बहुत कारगर होता है। नीम का फेस पैक बनाने के लिए नीम की चार-पांच ताजी पत्तियों को मिक्सी में पीसकर उसमें एक चम्मच मुलतानी मिट्टी पाऊडर मिलाएं। अब इस गाढ़े फेस पैक में थोड़ा गुलाब मिलाएं तथा इस जल पैक को पूरे चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर पानी से चेहरा धो लें। नीम रक्त साफ करता है।

बेदाग और चमकता चेहरा

बादाम पाऊडर, गुलाब जल, ग्लिसरीन और नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे पूरी रात अपने चेहरे पर लगा रहने दें। सुबह उठकर पहले गुनगुने और फिर ठंडे पानी से अपना चेहरा धोएं। ऐसा हर दूसरे दिन करें।

मुंहासे

मुंहासे और उनके दाग हटाने के लिए चेहरे पर टमाटर का गूदा

लगाएं। एक घंटे बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें। ऐसा प्रतिदिन करें। ऐसा करने से जल्द ही आपके मुंहासे और उनके दाग चेहरे से गायब हो जाएंगे।

झुर्रियां

अपने चेहरे से झुर्रियां हटाने के लिए आधे खीरे के रस में अंडे की सफेदी, 1 टी स्पून नींबू का रस और 1 टी-स्पून ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाएं। दस मिनट बाद चेहरे को धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

बालों का रूखापन

बालों का गिरना और रूखापन एक आम समस्या हो गई है। इससे बचने के लिए 150 मि.ली. सरसों के तेल में मेहंदी के 40 पत्ते डालकर उबाल लें। ध्यान रहे, मेहंदी की पत्तियां अच्छे तरह से गल जाएं। फिर इन्हें छानकर ठंडा कर लें और एक बोतल में भर लें। इस तेल से नियमित रूप से बालों में मसाज करें। इससे आपके बाल मजबूत होंगे और चमकदार भी।

तमिलनाडु में स्टरलाइट कॉपर इकाई बंद करने का मामला

वेदांता की याचिका पर सुनवाई करेगा न्यायालय

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।उच्चतम न्यायालय मंगलवार को तमिलनाडु के तूत्तुक्कुडि में वेदांता समूह की स्टरलाइट कॉपर इकाई को बंद करने से संबंधित याचिका पर सुनवाई पर विचार करने के लिए सहमत हो गया। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वेदांता समूह की कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान की दलीलों पर ध्यान दिया

जिसमें कहा गया था कि मामले में सुनवाई की जरूरत है। वरिष्ठ वकील ने कहा कि मामले में सुनवाई 22 जनवरी को सूचीबद्ध की गई है। उन्होंने पीठ से आग्रह किया कि उसी दिन मामले की सुनवाई की जाए। सीजेआई ने कहा कि दिन के दौरान यह सुनिश्चित करने के बाद कि क्या कोई संवैधानिक पीठ का मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है, पार्टियों के वकील को इस बारे में जानकारी दे दी जाएगी। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने कहा था कि उसने रजिस्ट्रार को वेदांता समूह की याचिका पर सुनवाई के लिए "दो विशेष तिथियां" आवंटित करने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने मई में तमिलनाडु सरकार से शीर्ष अदालत के 10 अप्रैल के उस निर्देश के अनुपालन के तहत एक जून तक उचित फैसला करने को कहा, जिसमें उसने वेदांता समूह को स्थानीय स्तर की निगरानी समिति की देखरेख में तूत्तुक्कुडि में अपनी स्टरलाइट कॉपर इकाई के रखरखाव की अनुमति दी थी।

शीर्ष अदालत ने 10 अप्रैल के अपने आदेश में संयंत्र में बचे हुए जिप्सम को बाहर निकालने और कंपनी के अनुरोध पर आवश्यक श्रमशक्ति उपलब्ध कराने की भी अनुमति दी थी।

भारत-ईरान की दोस्ती को लगी किसकी नजर

5 साल में कम हुआ 34 हजार करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।लाल सागर मौजूदा समय में व्यापार का रास्ता नहीं बल्कि युद्ध का अखाड़ा बना हुआ है। एक तरफ हूती ग्रुप के लोग हैं। दूसरी तरफ इजराइल के पक्ष में खड़ा अमेरिका। अब बीच में ईरान की भी एंट्री हो गई है। जो हमेशा हूती ग्रुप के लोगों का समर्थन करता रहा है। जो लाल सागर युद्ध का अखाड़ा बना है, वो भारत का काफी अहम व्यापारिक रास्ता है। खैर आज बात अमेरिका, हूती और इस युद्ध की नहीं होगी। बल्कि बात भारत और ईरान के बीच की दोस्ती की होगी। जिसका इतिहास काफी पुराना रहा है। जब से भारत और अमेरिका के रिश्ते प्रगाढ़ हुए हैं। वैसे-वैसे भारत और ईरान के रिश्ते हाशिए पर चलते चले गए। जिसका उदाहरण दोनों देशों के बीच ट्रेड के आंकड़ों को देखकर लगाया जा सकता है। साल 2022 में दोनों देशों के बीच जो ट्रेड के आंकड़ें थे, उसके मुकाबले में वो आंकड़ें साल 2023 में काफी परेशान करने वाले हैं। आइए तेहारान में मौजूद भारतीय दूतावास के आंकड़ों पर नजर दौड़ाते हैं कि आखिर दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध भी किस तरह से खत्म हो रहा है।

कितना कम हो गया ईरान से कारोबार?

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत-ईरान द्विपक्षीय व्यापार 2.33 बिलियन डॉलर था,

उस वक्त साल-दर-साल ट्रेड में 21.76 फीसदी का इजाफा देखने को मिला था। इस अवधि के दौरान, ईरान को भारत का निर्यात 1.66 बिलियन डॉलर (वर्ष-दर-वर्ष 14.34 फीसदी की ग्रोथ) था और ईरान से भारत का इंपोर्ट 672.12 मिलियन डॉलर (वर्ष-दर-वर्ष 45.05 फीसदी की ग्रोथ) था। चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल 2023-जुलाई 2023 की अवधि में बाइलेटरल ट्रेड 660.70 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इस अवधि के दौरान, भारतीय निर्यात 455.64 मिलियन अमेरिकी डॉलर था और भारतीय आयात 205.14 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। पिछले वर्ष के इसी आंकड़े की तुलना में कुल व्यापार में 23.32 फीसदी की कमी आई।

पांच साल कम हुआ 34 हजार करोड़ का कारोबार

कॉमर्स डिपार्टमेंट के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 में भारत और ईरान के बीच कुल ट्रेड 4.77 बिलियन डॉलर यानी करीब 40 हजार करोड़ रुपए का था। जो कि अप्रैल से जुलाई 2023 के बीच 0.66 बिलियन डॉलर यानी 5500 करोड़ रुपए रह गया है। इसका मतलब है करीब 5 सानों में दोनों देशों के बीच का ट्रेड 34 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा कम हो गया। डिपार्टमेंट की ओर से अभी तक डाटा अपडेट नहीं किया गया है। दिसंबर तक का डाटा आने के बाद ये आंकड़ा बदल सकता है।

भारत भेजता है ये सामान

इंडियन कॉमर्स डिपार्टमेंट के अनुसार, भारत से ईरान को कई सामान निर्यात किए जाते हैं। जिसमें प्रमुख रूप से बासमती चावल, चाय, चीनी, ताजे फल, दवाएं/फार्मास्यूटिकल्स, शीतल पेय-शरबत के अलावा, गिरी एचपीएस, हड्डी रहित गो—मांस, दालें आदि शामिल हैं।

भारत ईरान से लेता ये है सामान

इंडियन कॉमर्स डिपार्टमेंट के अनुसार के आंकड़ों के अनुसार भारत ईरान से कई खास सामान आयात भी करता है। प्रमुख भारतीय आयात में मेथनॉल, पेट्रोलियम बिटुमेन, सेब, लिक्विफाइड प्रोपेन, सूखे खजूर, अकार्बनिक/कार्बनिक कैमिकल, बादाम आदि शामिल हैं।

मुकेश अंबानी का बड़ा प्लान

4जी-5जी नहीं अब सीधे सैटेलाइट से होगी बात

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।मुकेश अंबानी को देश का सबसे अमीर व्यक्ति बनाने में रिलायंस जियो का बड़ा हाथ रहा है। रिलायंस जियो ने पहले देश में 4जी और फिर 5जी टेलीकॉम सर्विस को रिवोल्युशनाइज करके रख दिया। अब रिलायंस जियो ने एक और जबरदस्त प्लान बनाया है। कंपनी लोगों को सीधे सैटेलाइट के माध्यम से बात करने की सुविधा देगी।रिलायंस जियो को बहुत जल्द सैटेलाइट बेस्ड कम्युनिकेशंस सर्विस शुरू करने के अधिकार मिल सकते हैं। कंपनी सैटेलाइट बेस्ड गीगाबिट फाइबर सर्विस को शुरू कर सकती है। इसके लिए उसे 'इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर से इसी महीने अनुमति मिल सकती है।मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से ईटी ने खबर दी है कि रिलायंस जियो ने इस संबंध में इन-स्पेस के पास सभी दस्तावेज जमा करा दिए हैं। 'इन-स्पेस' देश में स्पेस सेक्टर की रेग्युलेटर है। भारत में किसी भी तरह की ग्लोबल सैटेलाइट बैंडविथ के कम्युनिकेशंस को सेट-अप करने के लिए ' इन-स्पेस' की मंजूरी अनिवार्य है।

मुश्किल होता है इन-स्पेस की मंजूरी लेना

सैटेलाइट कम्युनिकेशंस सर्विस सेटअप करने के लिए जरूरी 'इन-स्पेस' की अनुमति मिलना काफी मुश्किल काम होता है। इसमें सिर्फ एक डिपार्टमेंट की मंजूरी से काम नहीं चलता, बल्कि कई सारे मंत्रालयों से अनुमति और सिक्योरिटी क्लीयरेंस मिलने के बाद ही इन-स्पेस की ओर से अनुशंसा की जाती है। हालांकि जियो के बारे में विशेष तौर पर टिप्पणी करने से इन-स्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने मना कर दिया है।

एलन मस्क से लेकर भारती एयरटेल तक से मुकाबला

मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो की मार्केट में सुनील भारती मित्तल की एयरटेल से 4जी-5जी सेगमेंट में पहले से प्रतिस्पर्धा है। अब इस सेगमेंट में भी दोनों कंपनियां जल्द आमने-सामने होंगी। भारती एयरटेल इस सेक्टर में पहले ही अपनी वन बेव सर्विस लॉन्च कर चुकी है। जबकि एलन मस्क की स्टारलिंक भी इंडिया में जल्द अपनी ऐसी सर्विस लॉन्च कर सकती है। वहीं अमेजन और टाटा ने भी इस सेगमेंट में एंट्री का ऐलान किया है।

नए साल पर अनिल अंबानी ने सरकार से की 128 करोड़ की डील

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।अनिल अंबानी वो नाम है जो भारत के औद्योगिक जगत का चमकता हुआ सितारा था और कुछ ही सालों में टूटकर अर्श से फर्श पर आ गया। अनिल अंबानी की तमाम कंपनियां डूबी हुई हैं। उनकी कंपनियां लाइन लगाकर बिक रही है। यहां तक कि उन्होंने खुद अपनी नेटवर्थ को जीरो बताया है। ऐसे में अब उन्होंने सरकार के साथ बड़ी डील की है। अनिल अंबानी की रिलायंस पावर और टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के बीच हुई है। रिलायंस पॉवर ने सरकारी कंपनी को अपने अरुणाचल प्रदेश में 1,200 मेगावाट क्षमता की कलाई-दो हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को बेचने का फैसला लिया है। दोनों के बीच डील हो चुकी है। ये डील 128 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। 35 साल पुरानी टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का मालिकाना हक एनटीपीसी के पास है और ये एक मिनि रत्न कंपनी है। वहीं दूसरी ओर कलाई पावर लिमिटेड रिलायंस पावर की सहयोगी कंपनियों में से एक है। जिसे सरकारी कंपनी खरीदने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अरुणाचल प्रदेश सरकार, रिलायंस पॉवर की सहयोगी

कंपनी कलाई पावर और टीएचडीसी ने 30 दिसंबर, 2023 को इस डील पर साइन किए। डील के अनुसार अरुणाचल प्रदेश के लोहित नदी बेसिन पर स्थित प्रस्तावित 1,200 मेगावाट क्षमता की कलाई-दो हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के डेवलपमेंट राइट्स और रिलेटिड फिजिकल असेट्स, स्टडी, मंजूरी, डिजाइन और इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी टीएचडीसी को ट्रांसफर होंगे। यह डील कुल 128.39 करोड़ रुपए की है जो कुछ शर्तों पर बेस्ड है।इस डील के बाद रिलायंस पावर के शेयर में मामूली तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर कंपनी का शेयर 0.63 फीसदी की तेजी के साथ 24.10 रुपए पर कारोबार कर रहा है।कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर 24.44 रुपए के हाई पर पहुंचा। वैसे आज कंपनी का शेयर 24.13 रुपए के साथ ओपन हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-32 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मकर..	07-40 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-30 बजे
बुध-	वृश्चिके	पें	मीन...	11-08 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-44 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-28 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-28 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-41 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-52 बजे
			कन्या..	22-59 बजे
			तुला....	01-05 बजे
			वृश्चिक.	03-16 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय -**06-50** सूर्यास्त. -**17-50**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - **19 -48** - तक उपरान्त अष्टमी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , बुधवार **03 January**
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - **14 - 45** - तक उपरान्त हस्त
योग - शोभन - **06 - 20** - पूर्ण दिन-रात तक
करण- बव - **19 -48** - तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -सर्वार्थ सिद्ध योग-**14-46** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:20 से 13:43 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:50 - 08:11 शुभ	उत्पात	17:50 - 19:30 अशुभ
अमृत	08:11 - 09:34 शुभ	शुभ.	19:30 - 21:07 शुभ
काल	09:34 - 10:57 अशुभ	अमृत	21:07 - 22:44 शुभ
शुभ.	10:57 - 12:20 शुभ	चंचल	22:44 - 24:21 शुभ
रोग	12:20 - 13:43 अशुभ	रोग	24:21 - 01:58 अशुभ
उत्पात	13:43 - 15:07 अशुभ	काल	01:58 - 03:34 अशुभ
चंचल	15:07 - 16:30 शुभ	लाभ	03:34 - 05:11 शुभ
लाभ	16:30 - 17:50 शुभ	उत्पात	05:11 - 06:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

सौहार्द और सार्वभौमिक जयकार का माहौल आज आपके कार्यस्थल में रहेगा और आप जिस कार्य को करने में आम तौर पर नफरत करते है उसे आप आनंद के साथ करेंगे । आज आप अपने कार्य के लिए नए उत्साह एवं ऊर्जा पाएंगे और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए अपने सहयोगियों से सक्रिय समर्थन की प्राप्ति होने की भी संभावना प्रबल है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा , तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे । आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है । आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे, लेकिन आप एक बेहतर जीवन के लिए कल की दिशा में काम कर रहे हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी आय और कैरियर को प्रभावित करने वाले ग्रहों के बीच का गठबंधन अब अपनी मजबूत केंद्र बिंदु पर आ रहा हैं। इसका मतलब यह है की अगर आप अपने कैरियर के लिए अपने समय और ऊर्जा से कार्य करते है, तो आपकी जमा राशि को बढ़ावा मिलेगा । आप में ऐसी ऊर्जा और क्षमता है की।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज उन परियोजनाओं पर एक अच्छी शुरुआत करें जिनको लंबे समय से आपने ठंडे बस्ते में डाल दिया था । आप एक सफल भविष्य के लिए अच्छी नींव बिछाने में बस एक कदम दूर है। चीजों को आसान तरीके से ले और बिना सोच समझे कुछ भी न करे । अपने काम को करने के लिए दूसरों पर भरोसा न करे । जो उचित है , इस विचार को रखने में आप जरा भी न घबरायें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप काफी मेहनत के साथ भागदौड़ करेंगे परन्तु उतना संतोषजनक परिणाम मिलना मुश्किल होगा । दिल छोटा न करे । हर दिन एक जैसा नहीं होता और किसी किसी दिन मेहनत काम नहीं आती । आज की घटनायें आपके लिए सबक का काम करेंगी जो आपको कुछ करने के लिए प्रेरित करेंगी जिससे की आप योजना और संधि बनाकर आगे बढ़ सकते है । नया क्रय कार्ड न बनवाए ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

नए साल का पहला मंगल शेयर बाजार के लिए अमंगल साबित

मुनाफावसूली के चलते बड़ी गिरावट के साथ हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।नए साल का दूसरा कारोबारी सत्र और मंगलवार का दिन भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद अमंगल साबित हुआ। निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। केवल फार्मा सेक्टर के स्टॉक्स इस गिरावट से अछूते रहे। सेंसेक्स फिर से 72,000 के आंकड़े के नीचे जा फिसला है। आज का कारोबार खत्म होने बीएसई सेंसेक्स 380 अंकों की गिरावट के साथ 71,892 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76 अंकों की गिरावट के साथ 21,665 अंकों पर क्लोज हुआ है। दिन के ट्रेड के दौरान एक समय सेंसेक्स 650 तो निफ्टी 200 अंक नीचे जा फिसला था। लेकिन निचले लेवल से बाजार ने थोड़ी रिकवरी दिखाई है। आज के ट्रेड में फार्मा, हेल्थकेयर, मेटल्स, मीडिया, एनर्जी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के स्टॉक्स में खरीदारी रही जबकि बैंकिंग, आईटी, ऑटो, एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में मिड कैप और स्मॉल कैप पर भी मुनाफावसूली छाई रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 24 शेयर गिरकर बंद हुआ जबकि केवल 6 शेयर तेजी के साथ क्लोज हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ और 20 गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 365.21 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है। आज के कारोबार में सन फार्मा 2.90 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.91 फीसदी, भारती एयरटेल 1.07 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.88 फीसदी, रिलायंस 0.86 फीसदी, टाइटन कंपनी 0.66 फीसदी, आईटीसी 0.62 फीसदी, पावर ग्रिड 0.11 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट 2.46 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.44 फीसदी, कोटक महिंद्रा 2.42 फीसदी, लार्सन 2.31 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.91 फीसदी, विप्रो 1.71 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.59 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

साल के पहले दिन अडानी से मात खा गए एलन मस्क और अंबानी, 1.10 अरब डालर का इजाफा

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। साल के पहले दिन अडानी ग्रुप के शेयरों में अच्छा इजाफा देखने को मिला था। जिसका असर गौतम अडानी की दौलत में भी देखने को मिला। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को दुनिया के 500 अरबपतियों की दौलत में इजाफे के मामले में गौतम अडानी दूसरे नंबर पर रहे। पहले नंबर पर चीन के विलियम डिंग है। वहीं दूसरी ओर एलन मस्क और मुकेश अंबानी की दौलत में गिरावट देखने को मिली है। एलन मस्क की दौलत सोमवार को 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा कम हो गई। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर साल के पहले दिन दुनिया के किन अरबपतियों की दौलत में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ है। वहीं किन अरबपतियों की दौलत में गिरावट देखने को मिली है।

गौतम अडानी की दौलत में कितना हुआ इजाफा

चीन के विलियम डिंग और गौतम अडानी की दौलत में सबसे ज्यादा इजाफा देखने को मिला है। चीन के विलियम डिंग दुनिया के 54वें सबसे अमीर कारोबारी हैं। जिनकी दौलत में 1.12 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 29.2 बिलियन डॉलर हो

गई है। वहीं गौतम अडानी की कुल दौलत में 1.10 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 84.3 अरब डॉलर हो गई है। मौजूदा समय में गौतम अडानी दुनिया के 15वें सबसे अमीर कारोबारी हैं। विलियम डिंग और गौतम अडानी दो ही ऐसे अरबपति हैं, जिनकी दौलत में एक बिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। वर्ना बाकी अरबपतियों की दौलत में एक बिलियन डॉलर से कम की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

मस्क की दौलत में सबसे ज्यादा गिरावट

वहीं दूसरी ओर दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की दौलत में साल के पहले दिन सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क को पहले दिन 3.36 बिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिली थी। जिसके बाद उनकी कुल दौलत 229 अरब डॉलर हो गई। वहीं दूसरी ओर शेंगपेंग जाउ की दौलत में 3 बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। मार्क जुकरबर्ग और जेफ बेजोस की दौलत में भी एक बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में 4 ही ऐसे अरबपति है जिनकी दौलत में एक बिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।

भारतीय अरबपतियों का हाल

वहीं दूसरी ओर एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी की दौलत में 750 मिलियन डॉलर की गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से उनकी कुल दौलत 96.3 अरब डॉलर हो गई है। वहीं दूसरी ओर शापूर मिस्त्री की दौलत में 87.4 मिलियन डॉलर, अजीम प्रेमजी 139 मिलियन डॉलर, सावित्रि जिंदल 49.9 मिलियल डॉलर, राधाकिशन दमानी 371 मिलियन डॉलर, कुमार बिड़ला 191 मिलियन डॉलर, साइरस पूनावाला 25 मिलियन डॉलर, नुस्ली वाडिया 119 मिलियन डॉलर, मंगल प्रभात 308 मिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है।

ध्वस्त हुए पुराने रिकॉर्ड, 8.18 करोड़ लोगों ने फाइल किया इनकम टैक्स रिटर्न, क्या हैं इसके मायने?

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।देश के टैक्सपेयर्स ने इस साल पिछले सारे रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया है। 31 दिसंबर 2023 तक रिकॉर्ड 8.18 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। ये आईटीआर एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए दाखिल किए गए हैं। ये एक नया रिकॉर्ड है। आखिर इतनी बड़ी संख्या में आईटीआर फाइल होने के क्या मायने हैं? आयकर विभाग की जानकारी के मुताबिक 2023 में पिछले साल के मुकाबले आईटीआर फाइल किए जाने के मामले में 9 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। 31 दिसंबर 2022 तक देशभर में 7.51 करोड़ आईटीआर ही दाखिल हुए थे। आईटीआर की बढ़ी संख्या के चलते इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भी एक्स्ट्रा काम करना पड़ा। साल 2023 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को 1.60 करोड़ ऑडिट रिपोर्ट्स और अन्य फॉर्म्स की जांच से गुजरना पड़ा। जबकि 2022 में ये संख्या 1.43 करोड़ ही थी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने लोगों की आसानी के लिए एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) और टैक्सपेयर इंफॉर्मेशन समरी (टीआईएस) जारी करना शुरू किया है। इसके चलते लोगों के अंदर अपने टैक्स इंफॉर्मेशन की खुद से स्क्रूटनी करना बेहतर हुआ है।

नए साल की शुरुआत से ही बढ़े सोना-चांदी के दाम

जानें आज कितना महंगा हुआ 10 ग्राम गोल्ड

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 02 जनवरी, 2024 को सोना और चांदी महंगा हुआ है। अब सोने की कीमत 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है। वहीं, चांदी का भाव 74 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 63544 रुपये है। जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 74142 रुपये है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, सोमवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 63352 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 63544 रुपये तक पहुंच गया है। इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी दोनों महंगे हुए हैं।

आज क्या है सोने-चांदी की कीमत?

आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज सुबह 995 प्योरिटी वाले दस ग्राम सोने के दाम बढ़कर 63290 रुपये पहुंच गए हैं। वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाला 10 ग्राम सोना आज 58206 रुपये का हो गया है। इसके अलावा, 750 प्योरिटी वाले (18 कैरेट) सोने के दाम 47658 पर आ गए हैं। वहीं, 585 प्योरिटी वाला गोल्ड (14 कैरेट) आज महंगा होकर 37173 रुपये में आ गया है। इसके अलावा, 999 प्योरिटी वाली एक किलो चांदी आज 74142 रुपये की हो गई है।

जापान में ही क्यों आती है बार-बार सुनामी

समुद्र में प्लेट टकराने से उठती हैं 50 फीट ऊंची लहरें, ऐसा क्यों होता है?

टोक्यो, 2 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। एक जनवरी 2024, दोपहर 12:30 बजे के बाद जापान में एक के बाद एक, भूकंप के 21 झटके महसूस किए गए। इशिकावा प्रांत में सबसे ज्यादा 7.4 तीव्रता के भूकंप आने की खबर है। भूकंप का झटका इतना तेज था कि इसका असर पूरे नॉर्थ जापान में महसूस हुआ। अब सरकार ने सुनामी को लेकर अलर्ट जारी किया है। 16 फीट तक ऊंची लहर उठने की आशंका जताई जा रही है। मार्च 2011 में भूकंप के बाद आई एक ऐसी ही सुनामी में 16 हजार लोगों की मौत हुई थी।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने कहा है कि जापान के मुख्य द्वीप होंशू के पास जापान के समय के अनुसार शाम 4:06 बजे और भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे पहली बार 5.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। कुछ समय बाद जापानी समय के मुताबिक शाम 4:10 बजे 7.4 तीव्रता, 4:18 बजे 6.1 तीव्रता, 4:23 बजे 4.5 तीव्रता, 4:29 बजे 4.6 तीव्रता के झटके अलग-अलग जगहों पर महसूस किए गए। भूकंप के तुरंत बाद 1.2 मीटर यानी 4 फीट ऊंची लहरें इशिकावा प्रांत के वाजिमा बंदरगाह से टकराने की खबर है। नॉर्थ जापान के 36,000 से ज्यादा घरों में बिजली सप्लाई काट दी गई है। जापान सरकार सुनामी आने से पहले लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के काम में लग गई है। नेशनल जियोग्राफी के मुताबिक समुद्र में आने वाले भूकंप को सुनामी कहते हैं। सुनामी जापानी भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। सु और नामी। सु का अर्थ समुद्र तट और नामी का अर्थ लहरें हैं। समुद्र के अंदर कई टेक्टोनिक प्लेट हैं। जब एक प्लेट दूसरे प्लेट से टकराकर उस प्लेट के ऊपर या नीचे जाती है तो समुद्र के पानी में हलचल होती है। इसी हलचल की वजह से समुद्र में विनाशकारी लहरें पैदा होती हैं। ये समुद्री लहरें तेजी से बढ़ते हुए तटों से जाकर टकराती हैं। कई बार ये लहरें समुद्र के बीच में 200 किलोमीटर तक लंबी और तट के किनारे 50 फीट तक ऊपर उठ सकती हैं।

जब भी भूकंप के बाद सुनामी आती है तो समुद्र के सतह से नीचे चलने वाली लहरें पहले तटों से टकराती हैं। जब समुद्र के नीचे की लहरें तटों की ओर बढ़ती हैं तो नीचे एक वैक्यूम क्रिएट होता है, जो किनारे से ऊपर के पानी को समुद्र की ओर खींचता है। इससे बंदरगाह के किनारे या समुद्र तल की जमीन नजर आने लगती है। समुद्र के पानी का पीछे जाना ये संकेत है कि अब सुनामी आने वाली है। इसके कुछ मिनट या घंटे बाद सुनामी वाली लहर

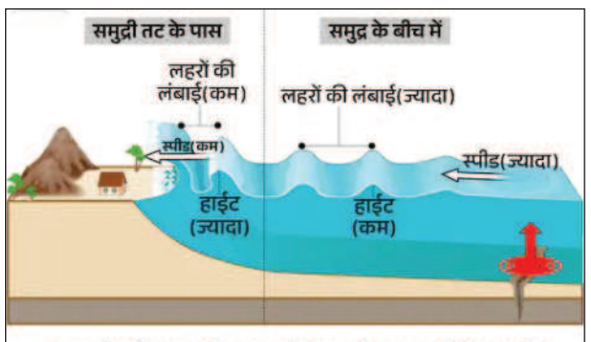

1. **लहरों की लंबाई**: मान लीजिए बीच समुद्र में भूकंप के बाद उठने वाली लहरों की लंबाई 200 किलोमीटर होती है। यही लहरें जब तटों से टकराती हैं तो इनकी लंबाई 10 किलोमीटर रह जाती है।

2. **हाईट**: इसी तरह समुद्र के बीच में लहरों की लंबाई अगर 200 किलोमीटर होती है तो इन लहरों के ऊपर उठने की हाईट 1 मीटर होती है। यही लहरें जब तटों तक पहुंचती हैं तो इनकी लंबाई घटती है, लेकिन हाईट बढ़कर 30 मीटर तक हो जाती है।

3. **स्पीड**: समुद्र के बीच इन लहरों की स्पीड तेज होती है, लेकिन तटों तक पहुंचने पर इनकी स्पीड कम हो जाती है।

जोरदार ताकत और शोर के साथ किनारे से टकराती है। सुनामी विनाशकारी लहरों की एक सीरीज होती है, जो एक के बाद एक आती है। इसे 'वेव ट्रेन' कहा जाता है। जैसे-जैसे एक के बाद एक लहरें बीच समुद्र से किनारे की ओर पहुंचती हैं तो सुनामी की ताकत बढ़ती जाती है। सुनामी की त्रासदी झेलने वाले लोग बताते हैं कि एक छोटी लहर आकर चली गई, इसका मतलब ये नहीं है कि सुनामी चली गई। वो दूसरी, तीसरी, चौथी लहर के रूप में विनाश लेकर आती है। इस कारण जैसे ही मौका मिले, तुरंत सुरक्षित स्थान पर चले जाना चाहिए।

जापान भूकंप के लिहाज से सबसे सेंसिटिव एरिया में है। यहां भूकंप आते रहते हैं, क्योंकि ये दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है। इशिकावा प्रांत, जहां भूकंप आया है, महासागर के चारों ओर भूकंपीय फॉल्ट लाइनों की एक घोड़े की नाल के आकार की श्रृंखला- रिंग ऑफ फायर, के करीब स्थित है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है। इनके असर से ही सुनामी आती है और वोल्केनो भी फटते हैं। दुनिया के 90% भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75% इसी क्षेत्र में हैं।

दुनियाभर में सुनामी की चेतावनी देने के लिए 46 देशों के संगठन ने 'पेसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर बनाया है। अमेरिका की लीडरशिप में इसकी स्थापना 1960 में की गई थी। इसका मुख्यालय अमेरिका के हवाई राज्य के होनोलूलू में है। सुनामी का अनुमान लगाने के लिए दुनियाभर के समुद्री इलाकों में भूकंपीय उपकरण, वाटर लेवल गेज लगाए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंडोनेशिया में क्षेत्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र खोले जाने के बाद पीटीडब्ल्यूसी ने 2013 में हिंद महासागर के लिए काम करना बंद कर दिया है, लेकिन ये एक-दूसरे से इन्फॉर्मेशन शेयर करते हैं। 2007 में देश में भारतीय सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र की स्थापना की गई है। इसका मुख्यालय हैदराबाद में है। यह समूचे हिंद महासागर की निगरानी करता है। भारत यूनेस्को संबंधित और गरीब देशों को जानकारी साझा करता है।

26 दिसंबर 2004 में इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के तट पर 9.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिस वजह से समुद्र के पानी में हलचल मच गई। इस भूकंप के सात घंटे बाद हिंद महासागर में सुनामी आई। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक ये सुनामी इतनी तेज थी कि तट रेखा से टकराते समय लहरें 30 फीट तक की ऊंचाई तक पहुंच रही थीं। हिंद महासागर में उठी इन सुनामी की लहरों ने भारत, इंडोनेशिया, श्रीलंका, मालदीव और थाईलैंड के साथ पूर्वी अफ्रीका के तटीय क्षेत्रों को पूरी तरह से तबाह कर दिया। इस सुनामी का असर भारत के दक्षिणी क्षेत्र में सबसे ज्यादा हुआ था। 2004 की इस आपदा से भारत के तमिलनाडु में 8 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। अंडमान-निकोबार में 3.5 हजार, पुडुचेरी में 599, केरल में 177 और आंध्र प्रदेश में 107 लोगों की मौत हुई थी।

ठगों ने नहीं छोड़ा साइबर सेल

फर्जी पुलिस बनकर करते थे ठगी शिकायतकर्ताओं से करते थे ये मांग, चार दबोचे

कांकेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। कांकेर पुलिस ने साइबर फ्रॉड के नए तरीके को उजागर करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चारों आरोपी फर्जी पुलिस बनकर ठगी को अंजाम देते थे। आरोपियों द्वारा छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्य के पुलिस पोर्टल को खोलकर वहां के दर्ज हुए।

आनलाइन प्रकरण में दिये गये प्रार्थियों के मोबाइल नंबर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय कांकेर के पुलिस अधिकारी बनकर उनके प्रकरण में कार्रवाई आगे बढ़ाने के नाम पर पैसों की मांग करते थे। आरोपियों के द्वारा मोबाइल से बात कर पेटीएम, फोन पे के माध्यम से पैसो की मांग की जाती थी और पैसा आपस में बांट लिया जाता था।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपीयों से दो नग मोबाइल, एक नग एटीएम कार्ड और 5700 रुपये की नकदी जब्त की है। कांकेर पुलिस ने आरोपी लवकेश यादव निवासी ग्राम पृथ्वीपुर जिला निवाडी मध्यप्रदेश, अनीत यादव निवासी ग्राम महेला निवाड़ी मध्यप्रदेश, मनीष कुशवाह निवासी ग्राम राजापुर जिला निवाडी मध्यप्रदेश, विजय कुशवाह निवासी ग्राम जिला निवाड़ी मध्यप्रदेश चारो आरोपी मध्यप्रदेश के रहने वाले को गिरफ्तार किया गया है।

कैफे में लगी भीषण आग

कांकेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के सेन चौक स्थित कैफे में अचानक भीषण आग लग गई। कैफे में लगी आग से पूरा कैफे जलकर राख हो गया। कैफे बंद होने के बाद कैफे में आग लग गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। नए साल के पहले दिन ही शहर में आगजनी की घटना सामने आई। बीती रात शहर के सेन चौक स्थित परिंदा कैफे में भीषण आग लग गई। जिसमे पूरा कैफे जलकर खाक हो गया है। परिंदा कैफे के संचालक अशोक उके ने बताया कि एक जनवरी की रात नौ बजे कैफे बंद कर घर चले गए थे।

रांची समेत झारखंड के कई जिलों में बारिश की संभावना

कोहरे और ठंडी हवाओं ने बढ़ाई ठंड

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम अपना मिजाज बदल रहा है। जनवरी के पहले सप्ताह में राज्य के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मौसम में आ रहे इस बदलाव की वजह साइक्लोनिक सर्कुलेशन को बताया है। झारखंड में अगले चार-पांच दिनों तक कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है।

राज्य के कई हिस्सों में कोहरा और धुंध का असर है। राजधानी में आसमान साफ रहा लेकिन देवघर, दुमका, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा सहित कई इलाकों में आसमान में बादल नजर आने लगे हैं।

मौसम विभाग ने बदलते मौसम के मिजाज को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी समेत राज्य के अन्य हिस्सों के न्यूनतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 2 जनवरी की सुबह मध्यम दर्जे का कोहरा

या धुंध छाया रहा। 3 से 5 जनवरी तक राजधानी रांची के साथ रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी के अलावे उत्तर पश्चिमी हिस्से में कहीं कहीं आंशिक बादल छाए रहने के आसार हैं इस दौरान बारिश भी हो सकती है।

बारिश हुई तो राज्य में तापमान और गिरेगा कनकनी बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़त हो सकती है। इस दौरान रांची का न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

कानूनी सलाह देने सीएम आवास पहुंचे महाधिवक्ता

मीटिंग में मुख्यमंत्री संग अधिकारी भी मौजूद, आज शाम होगी विधायक दल की बैठक

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में सियासी हलचल तेज है। ईडी की ओर से सातवें समन की समय सीमा समाप्त होने और जेएमएम विधायक डॉक्टर सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद सीएम कानूनी सलाह ले रहे हैं। महाधिवक्ता राजीव रंजन सीएम हेमंत सोरेन के कांके रोड आवास पहुंचे हैं। सीएम के सचिव विनय चौबे भी मीटिंग में शामिल हैं। दोनों के सीएम हाउस पहुंचने के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सीएम हाउस सूत्रों की मानें तो कानूनी कदम क्या-क्या उठाए जा सकते हैं, इन सब को लेकर चर्चा हो सकती है। इधर 3 जनवरी की शाम सीएम ने महागठबंधन के विधायक दल की बैठक बुलाई है। सियासी उठा-पटक के बीच ये मीटिंग अहम मानी जा रही है।

सोमवार की देर रात मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, सचिव विनय कुमार चौबे, सचिव मनीष रंजन, अपर पुलिस महानिदेशक संचार एवं तकनीकी सेवाएं आरके मल्लिक, आईजी एसीबी पंकज कंबोज, डीआईजी रांची अनूप बिरथरे, एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा और एसएसपी धनबाद हृदीप पी जनार्दन पहुंचे थे। सरकार की संभावनाओं को देखते हुए महाधिवक्ता से राय लेने और राजनीतिक विमर्श के बाद जेएमएम एक अहम बैठक करने वाली है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडे से मिली जानकारी के अनुसार यह बैठक तीन जनवरी को 04.30 बजे रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास (पुराना) के सभागार में होगी। इस बैठक में गठबंधन दलों के विधायक शामिल होंगे।

राजनीतिक गतिविधियों के बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा - संविधान का मजाक उड़ाया जा रहा है। हेमंत सोरेन जेल जाने से पहले पत्नी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य में उप चुनाव नहीं हो सकता है। राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में राज्यपाल विधिवेत्ताओं से परामर्श से विधिसम्मत निर्णय लें, ताकि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि झारखंड में भी बिहार के जंगल राज के जमाने का इतिहास दुहराने का प्रयास हो रहा है।

चारा घोटालेबाज लालू प्रसाद जी के सारे पैंतरे फेल हो गये तो राबड़ी देवी को "खड़ाऊ मुख्यमंत्री" बनाकर लालू जी जेल चले गये। एक के बाद एक सजा हुई। जेल जाते-आते उनकी पूरी उम्र निकल गयी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा - घपले-घोटाले एवं आदिवासियों की जमीन-जायदाद, जल, जंगल, ज़मीन, पहाड़, लूटकर थोड़े समय में ही बेहिसाब धन-दौलत जमा करने की भूख के चलते केश-मुक़दमे में फंसे सोरेन परिवार के एक्सीडेंटल राजकुमार हेमंत सोरेन के सारे पैंतरे फेल हो गये तो वे अब अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर खुद जेल जाने की योजना बना रहे हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद साय कैबिनेट की पहली बैठक आज

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद बुधवार को नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में सीएम विष्णुदेव साय कैबिनेट की तीसरी अहम बैठक होगी। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद साय सरकार की ये पहली कैबिनेट बैठक है। इसमें कई महत्वपूर्ण फैसलों पर निर्णय लिए जा सकते हैं। इस बैठक में साय सरकार रामलला दर्शन योजना पर मुहर लगा सकती है।

इसके अलावा बैठक में राज्य सरकार प्रदेश में सीबीआई के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध भी हटा सकती है। राजिम पुन्नी मेले को फिर से अर्ध कुंभ का दर्जा देने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। इससे पहले विष्णुदेव साय कैबिनेट की दो बैठकें हो चुकी हैं, हालांकि इन दोनों बैठकों में सीएम विष्णुदेव साय और दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा ही शामिल हुए थे। पहली बार तीसरी कैबिनेट की बैठक में सीएम, दोनों डिप्टी सीएम और 9 मंत्री शामिल होंगे। इस बैठक में सीएम अपने मंत्रिमंडल से अफसरों का परिचय भी करा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने विधानसभा चुनाव 2023 के समय अपने घोषणा पत्र को 'छत्तीसगढ़ के लिए मोदी की गारंटी' के नाम से जारी किया था। अब तीन महीने बाद लोकसभा चुनाव होने हैं।

ऐसे में अपनी घोषणाओं और वादों को राज्य में तेजी से लागू करने के लिए साय कैबिनेट की बैठक अहम मानी जा रही है।

आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों से मिलने हॉस्पिटल पहुंचे डिप्टी सीएम विजय शर्मा

पूछा- कुशलक्षेम, दिए निर्देश

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा आज मंगलवार को नवंबर-दिसंबर महीने में बस्तर इलाके में आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों से मिलने एक निजी हॉस्पिटल पहुंचे।

इस दौरान घायल जवानों का कुशलक्षेम पूछा। उनका हाल-चाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने डॉक्टर्स से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

हॉस्पिटल में छत्तीसगढ़ पुलिस के 4 जवान अरविंद एक्का, कुंजाम जोगा, रोशन हिकमी और सुरेश कुमार मिच्छा, सीआरपीएफ के जवान इंद्रजीत प्रसाद सिंह और मणिकांदन का इलाज चल रहा है।

इस दौरान शर्मा ने घायल जवानों से कहा कि किसी भी प्रकार की सहायता आदि की जरूरत हो तो उनसे सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर आरंग के विधायक गुरु खुशवंत साहेब, डीजीपी अशोक जुनेजा, पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सुनील खेमका एवं हॉस्पिटल के सीनियर डॉक्टर्स मौजूद रहे।

सब्जियों की सप्लाई ठप, दाम बढ़े

सरगुजा में 40% पेट्रोल पंप ड्राई, जगदलपुर में लिमिट तय, स्कूल बसों के पहिए थमे

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बस-ट्रक ड्राइवर्स की हड़ताल का असर पेट्रोल-डीजल सप्लाई पर पड़ा है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़, जगदलपुर में पेट्रोल पंप पर लोगों की भीड़ लग रही है। सरगुजा जिले में 40% तो रायपु-बिलासपुर के कुछ पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं। रायपुर, सरगुजा और बिलासपुर में कुछ स्कूल बसों के ड्राइवर्स भी हड़ताल पर हैं। ट्रकों के नहीं आने से सब्जियों की सप्लाई रुक गई है, जिससे उनके दाम बढ़ गए हैं।

रायपुर के जीई रोड, भाटागांव स्थित पेट्रोल पंप पर विवाद के हालात बन गए। लोगों को अपनी पारी का इंतजार करते हुए आधे घंटे का वक्त लग रहा था। तब जाकर कुछ लोगों को पेट्रोल मिल पाया। ये हड़ताल केंद्र सरकार के कानून का विरोध है जिसमें हिट एंड रन मामले में ड्राइवर्स को कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

स्कूलों के बस और वैन भी बंद

अंबिकापुर के सभी प्रमुख स्कूलों के बस एवं वैन भी आज बंद हैं। स्कूल बस एवं वैन संचालकों ने बताया कि नए कानून के विरोध में दो दिनें बसें एवं वैन नहीं चलेंगे। बुधवार को भी स्कूल बसों एवं वैनों का संचालन बंद रहेगा।

रायपुर में 3 तारीख तक बसों की हड़ताल

रायपुर के इंटर स्टेट बस टर्मिनल में यात्री बसों के पहिए थम गए। हड़ताल के चलते कोई भी चालक बस नहीं चला रहा है। बस स्टैंड में आने वाले यात्री वापस लौट रहे हैं। ड्राइवर्स 3 जनवरी तक आंदोलन जारी रखने की बात कर रहे हैं। अभी लोकल और अन्य राज्यों की बसे बंद है। निजी स्कूल के बस ड्राइवरों और मैनेजमेंट का कहना है कि उनके पास केवल एक या दो दिन का पेट्रोल बचा है। जो उनकी गाड़ियों में डला हुआ है। आगे पेट्रोल नहीं मिला तो स्कूल बसों के पहिये थम जाएंगे। जगदलपुर में स्कूल बसें चल रही हैं। जिन पेट्रोल पंप में पेट्रोल-डीजल है वहां एंबुलेंस, स्कूल बस, नगर निगम के वाहनों में पर्याप्त पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। जबकि अन्य वाहनों को कम दिया जा रहा है। बाइक के लिए 1 लीटर निर्धारित कर दिया गया है।

एनएच जाम करने पर होगा एफआईआर

बिलासपुर जिला प्रशासन ने सोमवार को स्थानीय ट्रक-बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक ली। ड्राइवरों को हड़ताल पर नहीं जाने की समझाइश दी गई। ट्रक और बस मालिकों से कहा गया कि वे अपने ड्राइवरों को टोल प्लाजा में अनावश्यक रूप से ट्रक खड़ा करने से मना करें। राष्ट्रीय राजमार्ग जाम करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। इसके लिए वे खुद जिम्मेदार होंगे।

गुटखा कारोबारी के घर से 2.88 करोड़ कैश जब्त

रायपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। सेंट्रल जीएसटी की टीम ने सोमवार को बोरियाकला में स्थित एक पैकेजिंग फैक्ट्री में छापा मारकर 2.66 करोड़ का स्टॉक जब्त किया। फैक्ट्री मालिक के घर की तलाशी लेने पर 2.88 करोड़ रुपए कैश भी मिला। अफसरों को इनपुट मिला था कि रायपुर में कई जगहों पर तंबाकू और गुटखा की अवैध फैक्ट्री चल रही है। इनमें करोड़ों के टैक्स के हेरफेर की जानकारी मिल रही थी।

गुटखे की पैकेजिंग का काम भी शहर के कई जगहों पर हो रहा है। सेंट्रल जीएसटी के अफसरों को पुख्ता जानकारी मिलने के बाद विभाग की टीम ने धमतरी रोड में स्थित मेसर्स ओम रोटो प्रिंटर्स बोरियाकला में छापा मारा। बाहर से देखने पर यह सामान्य प्रिंटिंग प्रेस जैसा दिखाई देता है। मगर यहां अंदर फैक्ट्री में तंबाकू, पान मसाला ब्रांड के लिए पैकेजिंग बनाई जा रही थी। अधिकारियों ने फिल्म, फॉइल, स्ट्रिप्स, प्लास्टिक का कच्चा माल जब्त किया है।

यहां पैकेजिंग का निर्माण और सप्लाई पूरी तरह से गुप्त तरीके से किया जा रहा था। जिसकी खबर आसपास के लोगों को भी नहीं थी। गुटखे की पैकेजिंग के रैपर को प्रिंट कर दूसरे राज्यों में भी भेजा जा रहा था।

विभाग की टीम ने फैक्ट्री में तलाशी के दौरान पाया कि फैक्ट्री संचालक ओडिशा में कारोबार करने वाली कई पार्टियों को तंबाकू, पान मसाला, गुटखा के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पैकेजिंग सामग्री की सप्लाई कर रहा था। उसकी फैक्ट्री से 2.60 करोड़ रुपए का बेहिसाब स्टॉक मिला। बड़ी संख्या में गुटखा के रैपर के साथ ही कई तरह की पैकेजिंग सामग्री मिली।

कोविड महामारी के बाद भी भारत के इस्पात क्षेत्र में हो रहा सुधार

टाटा स्टील के सीईओ का दावा

रांची, 2 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि देश में इस्पात क्षेत्र कोविड महामारी के बाद अब भी सुधार के दौर में है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास पर सरकार के फोकस करने से इस्पात की मांग बढ़ती रहेगी।

नरेंद्रन ने यहां कहा, 'यह (साल 2023) भारत में इस्पात क्षेत्र के लिए अच्छा साल रहा है। जबकि, यह वैश्विक स्तर पर एक चुनौतीपूर्ण दौर था।' उन्होंने कहा, 'वैश्विक महामारी के बाद इस्पात उद्योग में सुधार अब भी जारी है। वास्तव में, आरबीआई द्वारा व्यष्टि अर्थव्यवस्था (माइक्रो-इकोनॉमी) को अच्छी तरह से संभालने और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किए गए निवेश के कारण हम अच्छी तरह से उबर गए हैं।'

उन्होंने चीन से इस्पात के बढ़ते आयात की आशंका जताते हुए कहा कि 2023 में इस्पात की मांग 10-12 फीसदी बढ़ी और यह प्रवृत्ति जारी रहनी चाहिए। नरेंद्रन ने कहा, चीन हर महीने (2023 में) 80 लाख टन इस्पात का निर्यात कर रहा है। जो 2015 के बाद से सर्वाधिक है। इसका अंतरराष्ट्रीय इस्पात कीमतों के साथ-साथ लाभप्रदता पर भी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील को अपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए हर साल अपनी क्षमता 10 से 20 लाख टन बढ़ानी होगी। इससे पहले अगस्त 2023 में नरेंद्रन ने कहा था कि कंपनी भारत में 2030 तक अपनी वार्षिक इस्पात बनाने की क्षमता को 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक बढ़ाने की योजना बना रही है, जो वर्तमान में लगभग 22 मिलियन टन प्रति वर्ष है।

पत्नी और 3 बच्चों का घोंटा गला

बिलासपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने रस्सी से गला घोंटकर पत्नी की हत्या कर दी। फिर तीन बच्चों को भी मार डाला। वारदात के बाद आरोपी ने आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। जिसके बाद वह खुद थाने पहुंच गया और घटना की जानकारी पुलिस को दी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ग्राम हिर्री निवासी उमेंद्र राम केंवट (34) रोजी-मजदूरी करता था। घर में वह पत्नी सुकरिता (28) और तीन बच्चों के साथ रहता था। सोमवार की रात उमेंद्र शराब के नशे में घर पहुंचा तो पत्नी खाना खाने के लिए बोली, तब वह विवाद करने लगा। दोनों में विवाद इतना बढ़ा कि उसने मारपीट शुरू कर दी। देर रात हुए इस विवाद के बाद आरोपी उमेंद्र ने दो बेटी और एक बेटे का भी रस्सी से गला घोंट दिया और उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी फांसी लगाकर जान देने का प्रयास किया, लेकिन रस्सी टूट गई। फिर मरने के लिए घर में कीटनाशक ढूंढता रहा। जब कुछ नहीं मिला तो आरोपी थाने पहुंच गया।

अवैध प्रवासियों की संख्या में आई गिरावट

रक्षा मंत्री ने बताया बड़ी उपलब्धि, पीएम सुनक अभी भी चिंतित

लंदन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बताया कि उनकी सरकार ने प्रवासियों की संख्या सीमित करने की दिशा में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति आने वाले लोगों और ब्रिटिश सरकार की इजाजत के बिना यहां रहने वालों में कमी आई है। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के साथ ही पीएम सुनक का बयान सामने आया है।

गृह मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल इंग्लिश चैनल से नाव के माध्यम से आने वाले लोगों की संख्या में 36 फीसदी की कमी देखने को मिली है। पिछले पांच वर्षों में यह पहली गिरावट है। पीएम सुनक ने कहा, 'मैं ब्रिटिश लोगों के ऊपर अवैध प्रवासन के बोझ को कम करने के लिए संकल्पित हूं। हम महंगे होटल खर्चों में करदाताओं के लाखो पाउंड बचा रहे हैं और सार्वजनिक सेवाओं पर दवाब कम कर रहे हैं।'

आगामी चुनाव में पीएम सुनक के लिए प्रवासन का मुद्दा अहम रहने वाला है। सरकार के इजाजत के बिना यहां रहने वालों के कारण करदाताओं की जेब से आठ मिलियन पाउंड (84 करोड़ से अधिक) का खर्ज जाता है।

2024 मेंभारी संख्या में प्रवासियों के आने की संभावना

हालांकि, यह प्रगति कुछ समय के लिए ही हो सकती है, क्योंकि आप्रवासन सेवा संघ ने 2024 में भारी संख्या में प्रवासियों के आने की संभावना जताई है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल छोटे-छोटे नाव से 29,400 लोग यूनाइटेड किंगडम आए थे। देश में कानूनी और अवैध तरीके से प्रवासियों को आने की अनुमति देने के लिए अपने ही कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्यों पर पीएम सुनक निशाना साध रहे हैं। गृह मंत्री जेम्स क्लेवर्ली ने बताया कि अवैध तरीके से यूरोप आने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, जबकि अवैध तरीके से यूके आने वालों की संख्या में गिरवट देखने को मिली है। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। क्लेनर्ली ने कहा कि काम अभी खत्म नहीं हुआ है।

विपक्ष के नेता पर सरेआम हमला

हमलावर ने गर्दन पर मारा चाकू गंभीर हालत में ले जाए गए अस्पताल

सोल, 2 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के विपक्ष के नेता ली जे-म्यूंग पर मंगलवार को जानलेवा हमला हुआ। बुसान शहर में उन पर अज्ञात शख्स ने 20-30 सेंटीमीटर लंबे हथियार से हमला कर दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस वक्त ली पर हमला हुआ, उस वक्त वे पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक शख्स ने बाईं तरफ से आकर उनकी गर्दन पर चाकू से वार कर दिए। दक्षिण कोरिया की योनहैप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हमलावर को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, उसकी पहचान का खुलासा नहीं किया गया है। ली विपक्ष की सबसे बड़ी डेमोक्रेटिक पार्टी के मुखिया हैं। वे मंगलवार को ही बुसान के गैडियोक द्वीप पर हो रहे नए एयरपोर्ट के निर्माण को देने गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना दक्षिण कोरिया के समयानुसार सुबह 10.27 बजे हुई और यह कैमरे में भी कैद हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर ऑटोग्राफ लेने के लिए ली के करीब पहुंचा और उनकी गर्दन पर वार कर दिया। उसने जिस हथियार से ली को मारा, वह करीब 20 से 30 सेंटीमीटर लंबा था। इस घटना की वायरल तस्वीरों में ली को जमीन पर लेटा देखा जा सकता है। इस दौरान उनके समर्थकों ने खून के बहाव को रोकने के लिए गर्दन पर रुमालों को लपेट रखा है। घटना के 20 मिनट के अंदर ही ली को पुसान नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल पहुंचा दिया गया।

बलूचिस्तान को नहीं बनने देंगे बांग्लादेश

भारत की रॉ करती है फंडिंग, प्रदर्शनों से तिलमिलाए पाकिस्तान के पीएम

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के केयरटेकर पीएम अनवारुल हक काकड़ ने भारत और उसकी खुफिया एजेंसी रॉ पर बड़ा आरोप लगाया है। अनवारुल हक काकड़ ने बलोचिस्तान की आजादी की मांग करने वालों को आतंकी बताते हुए कहा कि इन्हें रॉ फंड करता है। इसके अलावा अपने बयान में उन्होंने हिंदुओं को लेकर एक अजीबोगरीब बयान दिया है। इस्लामाबाद में बलूच विरोध प्रदर्शन को लेकर वह भड़क गए हैं। उन्होंने इस प्रदर्शन को लेकर जवाब दिया है। दरअसल इस्लामाबाद पहुंचे बलोचिस्तान के चार युवाओं को पुलिस ने एक फेक एनकाउंटर में मार दिया था। इसके लिए इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकाला जा रहा था, जिस पर पुलिस ने कहर बरपाया। इस्लामाबाद में एक सप्ताह से ज्यादा समय से प्रदर्शन जारी है। मारे गए लोगों के घर वाले उनके शवों की मांग कर रहे हैं। क्योंकि केयर टेकर पीएम का संबंध बलोचिस्तान से है, इसलिए उनकी सबसे ज्यादा आलोचना हो रही है। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि बलूच होने के बाद भी वह उनका मुद्दा हल नहीं कर रहे। लोगों का कहना है कि बलूच उन्हें

वह हिंदू, अंग्रेज, ईसाई या यहूदी था? क्या वह बलूच नहीं था?'

हिंदुस्तान कर रहा फंडिंग

प्रदर्शन का समर्थन करने वालों को उन्होंने बीएलए जॉइन करने की नसीहत दी है। कार्यवाहक पीएम ने जोर देकर कहा प्रदर्शनकारियों को प्रदर्शन का अधिकार है, क्योंकि उनके परिवार के लोग मारे गए हैं। लेकिन उन्हें यह भी समझना चाहिए कि उनके परिवार के लोग देश के खिलाफ लड़ रहे थे। पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि यह 1971 नहीं है और बलोचिस्तान बांग्लादेश नहीं है जो अलग हो जाएगा। इसके आगे उन्होंने कहा, 'ये आतंकी 90-90 कत्ल करते हैं। हिंदुस्तान से पैसा लेकर यह कत्ल करते हैं।

खुलेआम कहता हूं। रॉ और भारत की फंडिंग के साथ करते हैं। बताएं कि क्या ये नहीं करते हैं। हिंदुस्तान में कोई आईएसआई के पैसों से लड़कर देख ले। देख लेना वो क्या हाल करेंगे।'

याद रखेगा।

क्या मारने वाला हिंदू था

इस्लामाबाद में होने वाले प्रदर्शन को लेकर काकड़ बौखला गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में 15-20 मिनट तक वह बोलते रहे। इसमें कई बार वह नाराज भी दिखे। एक रिपोर्टर जब उनसे सवाल पूछने के लिए खड़ा हुआ तो काकड़ ने गुस्से में कहा, 'एक मिनट, बैठें, मुझे बोलने दें।' उन्होंने कहा, 'हमारी लड़ाई बलोचिस्तान के सशस्त्र संगठनों के खिलाफ है। बलूचों के नहीं। जो लोग विरोध में बाहर से शामिल हुए हैं, उन्हें जवाब देना चाहिए कि डॉ. शफी मेंगल की हत्या किसने की? क्या वह बलूच नहीं था? क्या वह हिंदू था या हिंदुस्तान से आया था? मौला बक्स दश्ती कौन था? क्या

बतौर अध्यक्ष रूस का कार्यकाल शुरू

पांच और देश पूर्णकालिक सदस्य बने, राष्ट्रपति पुतिन ने कही यह बात

मॉस्को, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पांच देशों का समूह- ब्रिक्स अब 10 देशों का संगठन बन चुका है। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता रूस को मिली है। अध्यक्षता मिलने के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, नए पूर्णकालिक सदस्यों का ब्रिक्स में शामिल होना काफी सकारात्मक पहल है। पांच और देशों के शामिल होने से संगठन का दायरा बढ़ेगा। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स का विस्तार अंतरराष्ट्रीय मामलों में इसकी अहम भूमिका का मजबूत संकेत है। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स के विस्तार का मकसद समान वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है।

बता दें कि ब्रिक्स में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नए सदस्य हैं। इसी के साथ ब्रिक्स समूह अब 10 देशों का संगठन बन गया है। अगस्त, 2022 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था। शीर्ष ब्रिक्स नेताओं ने एक जनवरी से अर्जेंटीना सहित छह देशों को इस समूह में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि, अर्जेंटीना के नए राष्ट्रपति जेवियर माइली ने पिछले हफ्ते ब्रिक्स से किनारा करने का एलान किया। बता दें कि ब्रिक्स में (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) पहले से ही सदस्य हैं।

सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग का प्रयास

पुतिन ने कहा, रूस सभी संबंधित देशों के साथ सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के ध्येय / आदर्श वाक्य- 'समान वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद की मजबूती' को चरितार्थ करने का प्रयास किया जाएगा। वे इसी तरीके से काम पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पारस्परिक हितों पर विचार और आम सहमति पर भी ध्यान

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने सोमवार को कहा, ब्रिक्स में सदस्य देशों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संगठन अपने आदर्श के कारण समर्थकों और समान विचारधारा वाले देशों का ध्यान खींच रहा है। उन्होंने संगठन के अंतर्निहित सिद्धांतों के रूप में- संप्रभुता, समानता, विकास के अलग-अलग रास्तों का सम्मान, पारस्परिक हितों पर विचार और आम सहमति का जिक्र किया।

लगभग 30 और देश ब्रिक्स से जुड़ने को तैयार

ब्रिक्स भागीदार देशों की एक नई श्रेणी बनाने के तौर-तरीकों पर काम करने का आश्वासन देते हुए पुतिन ने कहा, हम इस बात पर निश्चित विचार करेंगे कि कितने

और देश किसी न किसी रूप में ब्रिक्स के बहुआयामी एजेंडे से जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 30 देश ब्रिक्स के साथ जुड़ सकते हैं। हम ब्रिक्स भागीदार देशों की नई श्रेणी बनाने पर काम करना शुरू करेंगे।

रूस ने कहा कि ब्रिक्स एक संगठन के रूप में तीन प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी जारी रखेगा। पुतिन के मुताबिक, राजनीति और सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वित्त के साथ-साथ सांस्कृतिक और मानवीय संपर्कों के सभी पहलुओं को बढ़ावा देना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि सदस्य देशों के बीच विदेश नीति समन्वय बढ़ाने पर भी काम किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर मिल रही चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त और प्रभावी प्रतिक्रिया का प्रयास किया जाएगा। पुतिन के मुताबिक ब्रिक्स के सदस्य देश, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी काम करेंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली में भी ब्रिक्स की भूमिका बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

पाकिस्तानी सेना को दोस्त चीन ने फिर लगाया करोड़ों का चूना

कबाड़ बना अवाक्स विमान, करना पड़ रहा रिटायर

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना को एक बार फिर से चीन ने बड़ा चूना लगाया है। यही वजह है कि पाकिस्तान की वायुसेना एक हैरान करने वाला कदम उठाते हुए इस साल अपने जडडीके-03 कराकोरम ईगल एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट को रिटायर करने जा रही है। पाकिस्तान की वायुसेना अब हवाई निगरानी के लिए केवल स्वीडन की कंपनी साब के बनाए 2000 इरिए अवाक्स विमान पर भरोसा करेगी। अभी 10 साल पहले ही पाकिस्तान ने भारत के इजरायल से खरीदे अवाक्स विमानों से निपटने के लिए चीन से करोड़ों के 4 जडडीके-03 कराकोरम एयरक्राफ्ट खरीदे थे जो बेकार निकल गए हैं। यही वजह है कि अब चीन के इन विमानों की क्षमता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक पाकिस्तान का जडडीके-03 कराकोरम चीन के विमान शांक्सी वाई 8 पर आधारित है। इस विमान की खरीद के बाद पाकिस्तानी वायुसेना और चीन दोनों ने ही इसकी क्षमता की जमकर शेखी

बघारी थी। चीन और पाकिस्तान का दावा था कि इससे लंबी दूरी तक वे अपनी निगरानी को बढ़ा पाएंगे। पाकिस्तान ने भारत और अफगानिस्तान दोनों के मोर्चे पर निगरानी के लिए यह विमान खरीदा था जो अब बेकार निकल गया है।

चीन का अवाक्स विमान मात्र 8 साल में बेकार

चीन ने साल 2011 से 2015 के बीच में इन विमानों की आपूर्ति की थी। इस तरह से इन विमानों का सेवाकाल 10 साल से भी कम रहा। अचानक से इन विमानों को रिटायर करने के फैसले से चीन के विमानों की क्षमता और विश्वसनीयता को लेकर एक बार फिर से सवालिया निशान लग गया है। बताया जा रहा है कि इन चीनी विमानों में तकनीकी दिक्कतें आ रही थीं और इसी वजह से इसे पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम में शामिल नहीं किया जा सका।

जडडीके-03 कराकोरम को लेकर रहस्यमय बात यह रही कि इन विमानों को 5 महीने पहले ही चीन भेजा गया था और दावा किया गया था कि उन्हें मिड लाइफ अपग्रेड करने के लिए भेजा गया है। वहीं जब ये विमान वापस आए तो उनमें न तो मुख्य रेडॉर था और न ही अन्य सेंसर थे। इसके बाद इन चीनी विमानों के भवष्यि को लेकर सवाल उठने लगे थे। अब इन विमानों को जबरन रिटायर करने के बाद पाकिस्तान के पास स्वीडन की कंपनी साब का बनाया हुआ 2000 इरिए अवाक्स विमान है।

चीन का जेएफ 17 विमान भी निकला है कबाड़

स्वीडन का यह अवाक्स विमान पाकिस्तानी वायुसेना में काफी प्रभावी और वश्विसनीय माना जा रहा है।

हालांकि इनकी संख्या काफी कम है जिससे पाकिस्तानी वायुसेना के निगरानी इलाके में काफी कमी आ सकती है। इससे पाकिस्तान को अफगान सीमा पर भी निगरानी में काफी समस्या आ सकती है जहां से अभी खतरा ज्यादा बना हुआ है। इससे पहले चीन ने पाकिस्तान को कई हथियार और सबमरीन दिए हैं जो बेकार निकल रहे हैं। चीन की तकनीक पर पाकिस्तान में बनाए हुए जेएफ-17 फाइटर जेट को म्यांमार कबाड़ बता चुका है। यही वजह है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख हथियारों के लिए अब अमेरिका समेत पश्चिमी देशों की शरण में फिर से पहुंच गए हैं।

चीन में मिला 4 हजार साल पुराना विशाल महल

बीजिंग, 2 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में 4000 साल पुराने की महल की खोज ने दुनियाभर के पुरातत्वविदों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बताया जा रहा है कि यह महल मध्य चीन के हेनान प्रांत शिनमी पुरातात्विक स्थल पर मिला है। यह पुरास्थल चीन के इतिहास में बहुत अहमयित रखता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह महल संभवतः शिया राजवंश (2070-1600 ईसापूर्व) के दौरान चीन के हेनान प्रांत में बनाया गया था। जिस शहर में यह महल स्थित है, वह चारों ओर से दीवार से घिरा हुआ था। अवशेषों से भरा हुआ यह पूरा इलाका 17 हेक्टेयर में फैला हुआ है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस महल के खोज की जानकारी दी है। पुरातत्वविदों ने कुछ साल पहले झेंशुई नदी के पूर्वी किनारे पर इस प्राचीन शहर के अवशेषों को खोजा था।

गाजा में 29 इजराइली सैनिक गलतियों से मारे गए

कुछ को साथियों ने ही गोली मार दी, हिजबुल्लाह पर अब जबरदस्त हमले

तेल अवीव, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल यानी 2024 में भी इजराइल और हमास की जंग जारी है। इस बीच, साल के पहले दिन इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) के हवाले से हैरान करने वाली खबर आई।

आईडीएफ की रिपोर्ट के मुताबिक- गाजा में जंग के दौरान अब तक कुल 172 इजराइली सैनिक मारे गए हैं। इनमें से 29 की मौत फ्रेंडली फायर या एक्सीडेंट्स की वजह से हुई। अगर सैनिक सतर्क रहते और नियमों का पालन करते तो ये घटनाएं रोकी जा सकती थीं। दूसरी तरफ, आईडीएफ ने साफ कर दिया है कि वो अब दक्षिणी लेबनान पर वैसे ही हमले कर रहा है, जैसे उसने गाजा में हमास पर किए हैं। इजराइल और हमास के बीच वैसे तो जंग की शुरुआत 7 अक्टूबर 2023 को हुई थी, लेकिन आईडीएफ ने ग्राउंड ऑपरेशन अक्टूबर के आखिर में

शुरू किए। इसके बाद अब तक कुल 172 इजराइली सैनिक मारे गए हैं। अब आईडीएफ की ही रिपोर्ट में कहा गया है कि 29 सैनिकों की मौत दो वजहों से हुई। पहली- फ्रेंडली फायर। इसके मायने ये होते हैं कि कोई सैनिक अपने ही साथी सैनिक को गलती से या दूरी होने पर न पहचानने के चलते गोली मार दे। दूसरी- एक्सीडेंट्स की वजह से। आईडीएफ की रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि फ्रेंडली फायर या फिर एक्सीडेंट्स में कितने सैनिक घायल हुए हैं। 18 सैनिक तो सिर्फ फ्रेंडली फायर में मारे गए हैं। इसमें भी ज्यादातर पहचान न होने की वजह से हुई और इसकी वजह ज्यादा दूरी या पहचानने में गलती से हुई। कुछ सैनिक एयरस्ट्राइक्स में भी मारे गए। 9 सैनिकों की मौत एक्सीडेंट्स में हुई। कुछ को अपने ही बख्तरबंद वाहनों ने गलती से रौंद दिया तो कुछ बिल्डिंग डिमोलिशन के दौरान विस्फोटकों की चपेट में आ गए। आईडीएफ का कहना है कि गाजा में कई सैनिक एक साथ ऑपरेट कर रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे हैं, जिन्होंने वॉर जोन प्रोटोकॉल को पूरी तरह फॉलो नहीं किया और इसकी वजह से सेना को भी नुकसान उठाना पड़ा।

इजराइल के विपक्षी नेता और पूर्व डिफेंस मिनिस्टर एविगडोर लिबरमैन ने सरकार से कहा है कि अब दक्षिणी लेबनान पर भी कब्जा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा- लेबनान की वजह से हमें काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए इस नुकसान की भरपाई भी उससे ही की जानी चाहिए। लिबरमैन ने कहा- कम से कम 50 साल के लिए लेबनान को हमें कब्जे में ले लेना चाहिए।

82 की उम्र में भी महिला भाए तो शादी करो

पाकिस्तान के केयरटेकर पीएम ने नागरिकों के सवालों के जवाब दिए

इस्लामाबाद, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ ने नए साल के मौके पर अवाम के सवालों के जवाब दिए। कुछ सवाल मुल्क की सियासत, 8 फरवरी 2024 को होने वाले जनरल इलेक्शन और लॉ एंड ऑर्डर के हालात पर थे। इसके अलावा कुछ सवाल मजेदार किस्म के भी थे और काकड़ ने इनके जो जवाब दिए, उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मसलन, एक शख्स ने पूछा- मेरी उम्र 52 साल है। एक महिला को पसंद करता हूं, क्या करूं? काकड़ की हाजिर जवाबी देखिए। कहा- शादी कर लीजिए। दरअसल, लोगों ने ये सवाल सीधे नहीं, बल्कि कुछ जर्नलिस्ट्स के जरिए पूछे थे। मतलब ये लोगों ने अपने सवाल जर्नलिस्ट्स को भेजे और फिर उन्होंने कुछ चुनिंदा सवालात चुने।

टोक्यो एयरपोर्ट पर दो विमान टकराए, आग लगी

लैंडिंग कर रहे प्लेन के सभी 379 लोग सुरक्षित, दूसरे विमान के 5 क्रू मेंबर्स की मौत

टोक्यो, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जापान की राजधानी टोक्यो के हानेडा एयरपोर्ट पर एक प्लेन में आग लग गई। जापान टाइम्स के मुताबिक लैंडिंग से पहले विमान कोस्ट गार्ड के प्लेन से टकरा गया। इस दौरान कोस्ट गार्ड के प्लेन में सवार 6 में से 5 क्रू मेंबर्स की मौत हो गई। वहीं पायलट घायल होने के बाद भी विमान से निकलने में कामयाब रहा।

जापान एयरलाइंस (जेएएल) के एक प्रवक्ता ने कहा है कि पैसेंजर प्लेन होकाइडो के शिन-चितोसे एयरपोर्ट से रवाना हुआ था। इसमें करीब 367 पैसेंजर्स और 12 क्रू मेंबर्स सवार थे। सभी को प्लेन से सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। दरअसल, कोस्ट गार्ड का प्लेन भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में जरूरत का सामान पहुंचाने जा रहा था। जापान की ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री पूरे मामले की जांच कर रही है।

हानेडा एयरपोर्ट पर सभी रनवे बंद

बीबीसी के मुताबिक, जेएएल की फ्लाइट शाम करीब 4 बजे (जापानी समयानुसार) न्यू चितोसे एयरपोर्ट से रवाना हुई थी। ये 5:40 बजे टोक्यो लैंड होने वाली थी। सोशल मीडिया पर प्लेन में आग लगने का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें फायर फाइटर्स आग बुझाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

जापान टाइम्स के मुताबिक, हादसे को देखते हुए हानेडा एयरपोर्ट के सभी रनवे को बंद कर दिया गया है। कई फ्लाइट्स को नरिता एयरपोर्ट की तरफ डायवर्ट किया जा रहा है।

दो अमेरिकी राज्यों के मतदान से ट्रंप का नाम हटाने पर चुनाव का करें बहिष्कार

वाशिंगटन, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों से अपील की है कि वह अमेरिकी राज्यों मोन और कोलोराडो मतदान का बहिष्कार करें, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप को भाग लेने से अयोग्य घोषित कर दिया है। गौरतलब हैं कि 2021 में यूएस कैपिटल पर हमले में लगे आरोपों के कारण मेन और कोलोराडो ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को इस साल राज्यों में राष्ट्रपति पद से अयोग्य घोषित कर दिया है। उनका लक्ष्य उन दो राज्यों को अशक्त करना था, जिन्होंने अपने चुनावों से ट्रंप को अपने मत पत्रों से हटा दिया है। पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव से पहले कई कानूनी बाधाओं का सामना कर रहे ट्रंप वर्तमान में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों में सबसे आगे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार निक्की हेली, क्रिस क्रिस्टी और रॉन डेसेंटिस समेत कई नेताओं ने ट्रंप को चुनाव में भाग लेने से रोकने के प्रयासों का विरोध किया है। रामास्वामी ने कहा कि अगर वे ट्रंप का नाम हटाते हैं, तो मेरा नाम भी हटा दिया जाता है और मैं रॉन डेसेंटिस, निक्की हेली और क्रिस क्रिस्टी को भी यही काम करने के लिए कहता हूं।

न्यूयॉर्क सिटी के रूजवेल्ट आईलैंड्स पर धमाकों की खबर

ब्रिटिश अखबार का दावा- तीन ब्लास्ट के बाद झटके लगे, पुलिस मौके पर मौजूद

न्यूयॉर्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में मैनहटन एरिया के रूजवेल्ट आईलैंड्स से तीन धमाकों की खबर आ रही है। ब्रिटिश अखबार 'द डेली मेल' के मुताबिक- तीन धमाकों के बाद इस इलाके में झटके भी महसूस हुए।

पुलिस मौके पर मौजूद है। फायर डिपार्टमेंट को यहां से कुछ धमाकों की जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस और फायर डिपार्टमेंट की टीम मौके पर पहुंची। अब तक दोनों ही डिपार्टमेंट्स ने इस बारे में ऑफिशियली कुछ नहीं बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्हें तीन धमाकों और इसके बाद बिल्डिंग हिलने जैसा महसूस हुआ।

बहुत हल्के धमाके थे

सोशल मीडिया पोस्ट में एक स्थानीय नागरिक ने कहा- यह धमाके काफी हल्के थे। ये रूजवेल्ट आईलैंड और क्वींस इलाके में सुने गए। इनकी असली वजह जानने के लिए फायर डिपार्टमेंट और पुलिस जांच कर रहे हैं। कुछ घरों में बिजली भी नहीं है।

किसी के घायल होने के खबर नहीं है और न ही किसी प्रॉपर्टी को नुकसान हुआ है। शुरुआती तौर पर लगता है कि लोकल एरिया में केबल कनेक्शन फेल हुए हैं और मुमकिन है कि इनकी वजह से ही धमाके हुए हों। बिजली गुल होने की भी यही वजह हो सकती है।

राजस्थान की बंजर जमीन उगलेगी 'सोना'

› 2000 वर्ग कि.मी एरिया में तेल भंडार › 4 जिलों की बदल सकती है किस्मत › ओएनजीसी कर रहा सर्वे

बीकानेर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान को 2024 में बाड़मेर के बाद दूसरा तेल-गैस भंडार मिल सकता है। सर्वे शुरू हो चुका है। प्रदेश के 2 हजार वर्ग किलोमीटर एरिया में खोज चल रही है। अगले एक महीने में इससे जुड़े सर्वे की रिपोर्ट भी आ जाएगी।

इस प्रोजेक्ट पर करीब 49 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की शुरुआत बीकानेर से 10 किलोमीटर दूर नाल से की गई है। नाल में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने काम शुरू कर दिया है। यहां बड़ी मशीनों से बीकानेर-नागौर बेसिन के 2 हजार वर्ग किलोमीटर से भी ज्यादा एरिया में पेट्रोल और गैस की संभावना तलाशी जा रही है। दावा है कि शुरुआती परिणाम अच्छे मिले थे, इसलिए ओएनजीसी ने यहां ड्रिलिंग शुरू की। इससे पहले पुरानी रिसर्च और शोध पत्रों के आधार पर दावा था कि प्रदेश के 2 हजार 118 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल-गैस के भंडार हैं। सर्वे के आधार पर अब नाल में दो स्थानों पर और कोलायत के सालासर गांव में ड्रिलिंग की जा रही है।

बीकानेर से लेकर सांचौर बेसिन तक पेट्रोल-गैस का सर्वे

इंजीनियर वीर सिंह मीणा ने बताया- बीकानेर-नागौर, जैसलमेर और सांचौर बेसिन में पेट्रोल-गैस का सर्वे किया जा रहा है। हमें उम्मीद है कि ड्रिल के बाद पॉजिटिव रिजल्ट सामने आएंगे। इससे पहले जियोलॉजिकल सर्वे किया गया था। इसमें टू डी और थ्री डी सर्वे शामिल था। तीन लोकेशन इस सर्वे के आधार पर तय की गई। पहली लोकेशन नाल ही है, जहां ड्रिल शुरू कर दिया गया है। अब तक ये तय नहीं हो पाया है कि यहां पेट्रोल-डीजल कितना है, लेकिन ये तय है कि यहां पेट्रोलियम तो है।

नाल के 10 किलोमीटर एरिया में 3 जगह ड्रिल

अभी नाल गांव के पास दहिया में ड्रिल किया जा रहा है। इसके बाद नाल के ही 10 किलोमीटर क्षेत्र में दो और जगह ड्रिल करके पेट्रोल और गैस की खोज की जाएगी। अब तक के सर्वे में ओएनजीसी को बेहतर रिजल्ट मिले हैं। उम्मीद की जा रही है कि ये क्षेत्र पेट्रोल-गैस का बड़ा हब बन जाएगा। हालांकि सब कुछ तय होने में एक साल का वक्त लग सकता है। उन्होंने बताया कि दहिया गांव के पास नमूने लेने और उसके परिणाम आने के बाद ही आगे स्पॉट पर काम शुरू किया जाएगा। जहां पहला ड्रिल हो रहा है, वहां पहले पानी निकल रहा है। जिसे खेतों में छोड़ने के बजाय एक डिग्गी में जमा किया जाएगा। दो-तीन दिन की ड्रिल के बाद ही डिग्गी में काफी पानी आ चुका है। बीकानेर में जहां-जहां ONGC ड्रिल कर रहा है, वहां खेत लीज पर लिए जा रहे हैं। पॉजिटिव रिजल्ट मिलने पर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया की जाएगी।

सिरेमिक हब बनेगा बीकानेर

बीकानेर के सांसद और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का कहना है- इस क्षेत्र में सिरेमिक का कच्चा माल बहुतायत से है। वर्तमान में यहां से कच्चा माल देश के अन्य स्थानों पर भेजा जाता है। यहां तेल और गैस मिलने के बाद बीकानेर सेरेमिक हब बन सकेगा। बीकानेर में औद्योगिक विकास तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में सोलर ऊर्जा में 40 हजार करोड़ का निवेश किया जा चुका है।

मेघवाल ने कहा-जैसे दुबई में तेल मिलने से वहां के विकास को नई ऊंचाई मिली, उसी प्रकार बीकानेर क्षेत्र में भी यदि तेल और गैस मिलता है तो इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास के नए आयाम स्थापित हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि यहां लिथियम, हीलियम और हाइड्रोजन होने के साक्ष्य भी मिले हैं। साथ ही यहां भूगर्भ में पानी की खोज के संबंध में भी कार्य किया जा रहा है। इससे औद्योगिक विकास परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव होगा। भूगर्भ में नई खोज होना बीकानेर के लिए सौभाग्य की बात है।

इन गांवों की बदल जाएगी तस्वीर

पेट्रोलियम मिला तो बीकानेर-नागौर के 2 हजार वर्ग किलोमीटर एरिया की तस्वीर बदल जाएगी। फिलहाल बीकानेर शहर से नाल और नाल से आगे गजनेर तक के गांवों की तस्वीर बदल सकती है। नाल से जैसलमेर की ओर जाने वाले रास्ते में खेत बंजर पड़े हैं। यहां न तो नहर का पूरा पानी मिल पाता है और न ही किसान की जमीन से मीठा पानी आ रहा है। बमुश्किल ही लोग यहां खेती कर पाते हैं। ऐसे में पेट्रोल-गैस बहुतायत से पाई गई तो आसपास के किसानों की चांदी हो सकती है।

उपचुनाव से पहले कांग्रेस प्रत्याशी के अपहरण का आरोप

पिता बोले-जबरन गाड़ी में डाल ले गए, अब फोन बंद आ रहा

केकड़ी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के केकड़ी जिले में नगर परिषद के उपचुनाव से पहले कांग्रेस के प्रत्याशी महावीर डसानिया के अपहरण का मामला सामने आया है। महावीर नगर परिषद के उपचुनाव में वार्ड नंबर 9 से चुनाव लड़ रहे हैं। जिसके लिए 10 जनवरी को मतदान होने है। लेकिन चुनाव से पहले ही प्रत्याशी के अपहरण की बात सामने आई। इसको लेकर महावीर के पिता ने कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ अपने बेटे के अपहरण का सिटी थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया है।

जबरन गाड़ी में बिठाकर अपहरण का आरोप

वार्ड नंबर 9 से कांग्रेस प्रत्याशी महावीर डसानिया के अपहरण के मामले में उसके पिता जगदीशपुर निवासी कानाराम पुत्र घीसालाल जाट ने मामला दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि 30 दिसंबर को दोपहर 12:00 बजे सावर निवासी राजेंद्र भट्ट, नगर परिषद सभापति कमलेश साहू, केकड़ी निवासी रामावतार जाट महेंद्र जाट और दिनेश जैन उसके घर आए। जहां उसके बेटे महावीर को बहला फुसला कर जबरन गाड़ी में डालकर ले गए। इसके बाद से उसके बेटे का फोन बंद आ रहा है।

इस मामले को लेकर प्रत्याशी महावीर के पिता ने अपने बेटे को बंधक बनाने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसको लेकर सिटी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। बता दें कि केकड़ी नगर परिषद के वार्ड नंबर 9 से भाजपा पार्षद मिश्री लाल डसानिया के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। इसको लेकर 10 जनवरी को उपचुनाव के तहत मतदान होना है। इस पर बीजेपी ने वार्ड नंबर 9 से दिवंगत पार्षद मिश्रीलाल की पत्नी विमला को प्रत्याशी बनाया है। जबकि कांग्रेस ने महावीर डसानिया को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेसी प्रत्याशी महावीर के पिता कानाराम की ओर से अपने बेटे को बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहन फूंका पथराव में दो एसएचओ घायल

केंद्र सरकार के हिट एंड रन कानून का विरोध उग्र हो गया है। सोमवार देर रात केकड़ी जिले के भिनाय थाना इलाके में हड़ताल कर रहे ड्राइवरों व प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी में पहले तोड़फोड़ की फिर आग के हवाले कर दिया। घटना बांदनवाड़ा इलाके में हुई। यहां ड्राइवरों ने जाम लगा रखा था।

तारीख बढ़ाने को लेकर कैबिनेट मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक लगाई अर्जी

असमंजस की स्थिति बरकरार

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। आरएएस मेन्स की परीक्षा 27 और 28 जनवरी को होनी है। भर्ती मेन्स परीक्षा की तिथि को आगे बढ़ाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल हाल ही में कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा से मिला था। अभ्यर्थियों की मांग मेन्स परीक्षा की तिथि को स्थगित करने और 3 महीने का और समय दिए जाने की है। मीणा ने कहा कि अभ्यर्थियों की समस्या जायज भी है क्योंकि हमेशा तैयारी के लिए 4 से 5 महीने का समय मिलता है, इस बार चुनाव होने की वजह से अभ्यर्थियों को तैयारी का समय कम मिला है।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने इस संबंध में सीएम से मुलाकात कर कहा कि उनके पास बहुत से छात्र इस मांग को लेकर आ रहे हैं। कई छात्रों का यह भी कहना है कि पेपर कांग्रेस के राज में बनाए गए हैं। पिछली सरकार में जो परीक्षा प्रश्नपत्र बनाए गए थे, उनमें से ज्यादातर लीक हुए। ऐसे में सरकार इस बात की जांच करवा सकती है।

सीएम ही बदल सकते हैं मेन्स परीक्षा की डेट

आरएएस मेन्स परीक्षा के लिए इस बार छात्रों को 3 महीने से भी कम वक्त मिला है, यह युवाओं भविष्य के लिए ठीक नहीं है। मेन्स परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों ने रविवार को सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की और मेन्स परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की। ध्यान रहे कि आरएएस मुख्य परीक्षा का शेड्यूल सिर्फ मुख्यमंत्री भजनलाल ही बदल सकते हैं।

साली ने जीजा के घर किया सुसाइड

भिवाड़ी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भिवाड़ी के मिलकपुर में गजराज कॉलोनी में अपनी बहन के पास रह रही एक 18 साल की युवती ने शाम को अपने ही कमरे में चुन्नी से फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर ली। घटना के समय बहन और जीजा काम करने के लिए कंपनी में गए थे। घर पर बहन के दो छोटे बच्चे थे। पड़ोसियों ने जब युवती को फंदे पर लटका हुआ देखा तो तुरंत ही उसके जीजा और उसकी बहन को सूचना दी, युवती के जीजा ने तुरंत ही भिवाड़ी पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का फंदे नीचे उतारा और शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। अब मंगलवार को परिजनों की उपस्थिति में युवती के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

भजन लाल सरकार में गहलोत के खास प्रमोद जैन भाया पर केस दर्ज

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया के खिलाफ धोखाधड़ी करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई है। इसको लेकर अंता नगर पालिका अध्यक्ष मुस्तफ़ा खान के खिलाफ भी यह मामला दर्ज हुआ।

इन दोनों पर बारां जिले में धोखाधड़ी जलसाजी और अन्य आरोपी को लेकर मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बता दें, गहलोत सरकार में मंत्री रहे प्रमोद जैन पहले शख्स हैं, जिन पर भजन लाल सरकार में केस दर्ज हुआ है। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन और नगर पालिका अध्यक्ष मुस्तफ़ा खान पर अवैध रूप से निविदाए मंजूर करने का आरोप है।

उन्होंने पिछले साल सितंबर माह में राजस्थान विधानसभा चुनाव में जारी आचार संहिता के बावजूद भी निविदाएं जारी कर दी, जो आचार संहिता के नियमों का खुला उल्लंघन है। इस शिकायत को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के अंता शहर इकाई के अध्यक्ष रामेश्वर खंडेलवाल ने दर्ज कराई है। बता दें कि प्रमोद जैन भाया कांग्रेस सरकार में खनन मंत्री थे।

पूर्व मंत्री और पालिका अध्यक्ष के खिलाफ इन धाराओं में मामला दर्ज

डीएसपी ओमेंद्र सिंह ने बताया कि अंता पुलिस थाने में पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया और मुस्तफा खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वास घात), 467 468 और 471 जालसाजी से संबंधित और 120 (B) आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया गया। इसमें आरोपियों ने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी बैक डेट में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अंता नगर पालिका की निविदाएं स्वीकृत कर खोल दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

आसमान में 12 चक्कर लगाने के बाद हुई इंटरनेशनल फ्लाइट की लैंडिंग

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जनवरी के पहले सप्ताह में कोहरा कहर बरपा रहा है. कोहरे के कारण रेल, बस और हवाई यातायात सब प्रभावित हो रहे हैं. राजस्थान की राजधानी जयपुर आज सुबह से कोहरे में लिपटी रही. इसके चलते जहां ट्रेनों और बसों के पहिए धीमे हो गए, वहीं फ्लाइट्स को लैंडिंग करने में खासा मशक्कत करनी पड़ी. जयपुर एयरपोर्ट पर एक इंटरनेशनल फ्लाइट को उतरने के लिए आसमान में 12 चक्कर लगाने पड़े. फ्लाइट करीब एक घंटे तक आसमान में ही घूमती रही।

देश के अन्य हिस्सों की तरह आज राजस्थान में भी चारों तरफ कोहरा छाया हुआ है. सुबह-सुबह राजधानी जयपुर जबर्दस्त कोहरे की चपेट में रही. इसके चलते फ्लाइट्स को उतरने और उड़ान भरने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. कोहरे का आलम यह रहा कि दुबई से आई फ्लाइट जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाई. यह वाकया स्पाइजसेट की फ्लाइट संख्या SG-58 के के साथ हुआ.

यह फ्लाइट दुबई से जयपुर आई थी. लेकिन जयपुर एयरपोर्ट पर घने कोहरे के चलते यह लैंड नहीं हो पाई. इस दौरान करीब एक घंटे तक यह फ्लाइट हवा में ही चक्कर लगाती रही. एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार इस एक घंटे के दौरान फ्लाइट ने आसमान में 12 चक्कर लगाए. बाद में मौसम साफ होने पर इसकी सेफ लैंडिंग करवाई जा सकी. जयपुर में सुबह करीब 10 बजे के बाद हल्की धूप निकलनी शुरू हुई थी.

जब ठंड में सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक पर लोगों के बीच पहुंच गए मुख्यमंत्री, चौंके लोगों ने साथ में पी चाय

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को सुबह-सुबह जयपुर में मॉर्निंग वॉक करते नजर आए। उन्होंने लोगों से मुलाकात की। उनके बीच बैठकर चाय पी। नववर्ष की शुभकामनाएं दी। सेल्फी भी खिंचवाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान की चर्चा करते नजर आए। दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी ने 2023 के आखिरी मन की बात कार्यक्रम में फिट इंडिया की चर्चा की थी। इसके बाद ही भजनलाल शर्मा मंगलवार को सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले। पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा था कि आजकल हम देखते हैं कि लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों के बारे में कितनी बातें होती हैं। यह हम सभी के लिए खासकर युवाओं के लिए ज्यादा चिंता की बात है। आज फिजिकल हेल्थ और वेल बिइंग की चर्चा तो खूब होती है, लेकिन इससे जुड़ा एक और बड़ा पहलू मेंटल हेल्थ का है। उस पर भी बात होनी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र सांगानेर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में मंगलवार को सुबह की सैर करने पहुंचे। उन्होंने इस दौरान सिटी पार्क में मॉर्निंग वॉक करने आए के लोगों से मुलाकात की। नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने लोगों के बीच चाय पी और बातचीत की। मानसरोवर क्षेत्र के लोगों में क्षेत्र के विधायक और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपने बीच पाकर मिलने की होड़ मची रही। मुख्यमंत्री के इस डाउन-टू-अर्थ वाले व्यक्तित्व की चर्चा आम लोगों में हो रही है।

पार्षदों के साथ बैठक भी की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मॉर्निंग वॉक की सूचना पाकर कई पार्षद भी सिटी पार्क पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पार्षदों से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने वार्ड में विकास कार्यों के साथ-साथ उनकी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। हर महीने समीक्षा करने और कमियों को दूर करने को भी कहा।

चोरी के आरोप में युवक को नंगा कर बाजार में घुमाया

लाठी-डंडों से की पिटाई, जांच में जुटी पुलिस

नागौर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर जिले में लगातार पुलिस का खौफ खत्म होता हुआ नजर आ रहा है। पुलिस थानों के बाहर स्लोगन लिखा हुआ है 'अपराधियों में भय, आम लोगों में विश्वास', लेकिन नागौर में ऐसा नहीं हो रहा है। उसका उल्टा देखने को मिल रहा है।

नागौर के सदर थाना इलाके की बासनी बेहलीमा गांव में एक युवक को चोरी के मामले में ग्रामीणों ने पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। उसके बाद उसको नंगाकर बासनी गांव की मुख्य बाजार और सड़कों के ऊपर उसकी पिटाई करते हुए घुमाते रहे। वीडियो देखने के बाद यह लगता है कि आम लोगों का पुलिस के ऊपर से विश्वास उठ गया है।

बता दें कि बासनी गांव के रहने वाले शकील उर्फ छतरी पुत्र अल्लाह बक्श बांगी ने मोबाइल फोन चोरी कर लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में कई बार इसने ऐसी कई वारदात को अंजाम दे दिया, लेकिन पुलिस को शिकायत करने के बावजूद इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। पुलिस आती है और ले जाती है, वापस छोड़ देती है। आज उसको रंगेहाथ पकड़ लिया, जिस कारण उसकी पिटाई कर दी। नागौर सदर थानाधिकारी, सुखराम चोटिया ने बताया कि मेरे पास में वीडियो वायरल होने से पहले और बाद में किसी ने भी रिपोर्ट नहीं दी है। वीडियो के आधार पर पुलिस स्वतः संज्ञान लेगी। इन लोगों के ऊपर पुलिस कार्रवाई करेगी।

17 साल की लड़की 8 महीने की प्रेग्नेंट थी : जहर खाया, प्रसूता-नवजात की मौत-पॉक्सो में केस दर्ज

बांसवाड़ा, 2 जनवरी (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के राजतालाब इलाके में किराए के रूम में रहने वाली 17 साल की नाबालिग लड़की की मंगलवार सुबह जहर खाने से मौत हो गई। लड़की 8 महीने की प्रेग्नेंट थी। रविवार शाम उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। लड़की प्रतापगढ़ जिले के सालमगढ़ थाना इलाके की रहने वाली थी। मंगलवार को प्रतापगढ़ की सालगमगढ़ थाना पुलिस लड़की का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव को साथ ले गई।

एएसपी प्रतापगढ़ ऋषिकेश मीणा ने बताया- लड़की सालमगढ़ थाना इलाके की थी। वह बांसवाड़ा में राजतालाब थाना इलाके में किराए का कमरा लेकर रह रही थी। जानकारी मिली थी कि जहर खाने से लड़की की मौत हो गई। मंगलवार को बांसवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचकर पोस्टमॉर्टम कराया। लड़की नाबालिग और प्रेग्नेंट थी इसलिए पॉक्सो की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

शीतलहर की चपेट में राजस्थान

राजधानी जयपुर सहित कई जिले घने कोहरे की चपेट में

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। शीतलहर और कोहरे के कारण प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाले दिनों में और अधिक कोहरे की चेतावनी दी है। कोहरे के चलते विजिबिलिटी बेहद कम हो गई है जिससे आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। हाईवेज पर कोहरे का असर और भी ज्यादा देखा जा रहा है जिसके चलते दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। ट्रेन अपने तय समय से काफी देरी से चल रही हैं और हवाई यात्रा पर भी इसका असर आ रहा है।

ठंड के चलते दिन के तापमान में तेजी से गिरावट आ रही है। अलवर में दिन के अधिकतम तापमान में 7.2 डिग्री की गिरावट आई है। जिससे यहां दिन का अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री रह गया है। कोटा में दिन के तापमान में 8.8 डिग्री की कमी दर्ज की गई है। जयपुर में 1.5 डिग्री, गंगानगर में 8.4 डिग्री, चूरू में 4.5, बीकानेर में 6.6 डिग्री दिन के तापमान में कमी आई है।

ट्रांसपोर्ट हड़ताल के चलते पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लंबी कतारें

जयपुर, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने नया हिट एंड रन कानून को पास कर दिया है, जिसके बाद से देशभर में ड्राइवर इस कानून का विरोध कर रहे हैं। ड्राइवरों की चक्काजाम हड़ताल ने आम आदमी का सुख-चैन छीन लिया है। ड्राइवरों की हड़ताल के कारण अभी तो कई पेट्रोल पंप ही ड्राई हुए हैं। ट्रांसपोर्ट हड़ताल के चलते शहर के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लंबी लंबी कतारें लग गई है। ज़्यादातर पेट्रोल पम्पों पर डीज़ल पेट्रोल ख़त्म होने वाला है। आम जानता को पम्प से तेल आज ही मिल पाएगा।

नए हिट एंड रन कानून में 10 साल की सजा, 7 लाख रुपए जुर्माना नए कानून के तहत फरार और घातक दुर्घटना की सूचना न देने पर ड्राइवरों को 10 साल तक की जेल हो सकती है। इससे पहले, आईपीसी की धारा 304ए (लापरवाही से मौत) के तहत आरोपी को केवल दो साल तक की जेल हो सकती थी।

एआईएमटीसी का कहना है कि देश में एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन प्रोटोकॉल का अभाव है। इसके कारण मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो पाती और ड्राइवर को दोषी करार दिया जाता है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि, कोई भी जानबूझकर दुर्घटना नहीं करता है और ड्राइवरों को डर है कि अगर वे घायलों को अस्पताल ले जाने की कोशिश करेंगे तो भीड़ उनकी पिटाई कर देगी, इसलिए वे इस काले कानून को रद्द करने की मांग कर रहे हैं।

सिंचाई पर श्वेत पत्र जल्द आयेगा : उत्तम

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को यहां कहा कि राज्य सरकार जल्द ही सिंचाई क्षेत्र पर एक श्वेत पत्र लाएगी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) के कार्यान्वयन में राज्य द्वारा घोषित न्यायिक जांच एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह दोहराते हुए कि मेदिगड्डा बैराज के पुनर्वास पर पूरा खर्च एलएंडटी कंपनी द्वारा वहन किया जाएगा जिसने बैराज कार्यों को अंजाम दिया था, उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों को छूटने नहीं देगी। बीआरएस और भाजपा ने 3500 दिनों तक एक साथ काम किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बिजली और सिंचाई परियोजनाओं के लिए ऋण देने के मानदंडों को संशोधित करके राज्य को भारी ऋण की सुविधा प्रदान की है। केंद्र में भाजपा कालेश्वरम परियोजना को लागू करने में राज्य के लिए समर्थन का प्रमुख स्रोत थी। उन्होंने कहा कि राज्य ने 1.27 लाख करोड़ रुपये की ऋण सहायता ली है, अकेले सिंचाई घटक के लिए ऋण सहायता 60,000 करोड़ रुपये थी। उन्होंने आश्चर्य जताया कि जब राज्य सरकार ने परियोजना लागत को 80,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.27 लाख करोड़ रुपये करने की मांग की तो केंद्र सरकार ने अपनी सहमति कैसे दे दी। राज्य सरकार बैंकों और ग्रामीण विद्युतीकरण निगम के माध्यम से बड़े पैमाने पर ऋण प्राप्त कर सकती है। इस तरह की प्रगति के पीछे के मकसद पर सवाल उठाते हुए, उन्होंने खुद जानना चाहा कि क्या सत्तारूढ़ दोनों पार्टियों ने मिलकर राज्य को लूटने की योजना बनाई है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मेडिगड्डा बैराज का दौरा करने की जहमत नहीं उठाई, लेकिन वह सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने अक्सर कालेश्वरम परियोजना की तुलना बीआरएस नेताओं के लिए एटीएम से की है। उन्होंने पूछा, उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय से जांच का आदेश क्यों नहीं दिया।

आनंद गौड़ ने की होटल में ग्राहकों पर हुए हमले की निंदा

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने पिछले साल 31 दिसंबर की आधी रात को एबिड्स ग्रैंड होटल में ग्राहकों पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने होटल स्टाफ पर महिलाओं पर बिना देखे लकड़ी, पाइप और रॉड से हमला करने का आरोप लगाया। उन्होंने शिकायत की कि होटल मालिक व्यस्त एबिड्स इलाके में सड़क और पार्किंग पर कब्जा कर रहा है और लोगों को परेशान कर रहा है। उन्होंने पूछा कि नियम विरुद्ध होटल चलाने वाले अधिकारी क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस होटल को वो सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं जो शहर के अन्य होटलों को नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे आधी रात को होटल के पीछे शेड से पार्सल दे रहे हैं और स्थानीय लोगों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि हमला करने वालों के खिलाफ धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर और जीएचएमसी कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराएंगे। वे ग्रैंड होटल को सारी अनुमति मिलने तक होटल को घेरे में रखना चाहते हैं। श्री गौड़ ने चेतावनी दी कि अगर हमला करने वाले होटल प्रबंधन और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे बीआरएस पार्टी की ओर से चिंता जताएंगे।

आइए मिलकर काम करें और जिले का विकास करें : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने कहा कि जिले के सभी अधिकारियों को मिलकर काम करना चाहिए और जिले के सभी क्षेत्रों में विकास करना चाहिए।अंग्रेजी नववर्ष के अवसर पर मंगलवार को जिला केन्द्र स्थित कलक्ट्रेट भवन परिसर में जिला कलक्टर चैम्बर में जिला कलक्टर दीपक तिवारी सहित जिला अधिकारियों एवं कलक्ट्रेट कर्मचारियों ने जिला कलक्टर को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन समर्पण भाव से मिलकर कार्य करें और जिले के विकास में योगदान दें। इस कार्यक्रम में आरडीओ कदम सुरेश, ए. डी। सोमेश्वर, डीएसओ तारामणि, कलक्ट्रेट अधीक्षक, आसिफाबाद सब जेलर प्रेम कुमार, छात्रावासों के कल्याण अधिकारी, टीएनजीओएस के अध्यक्ष सचिव, संबंधित अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कृषि द्वारा ग्रामीणों की आजीविका में सुधार का लक्ष्य : डॉ. पी. चंद्रशेखर

मैनेज व एनआयआरडी पीआर ने किए आपसी समझौता

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मैनेज महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रशेखर ने कहा कि,राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआयआरडी व पीआर) व्दारा 1 जन.2024 को हस्ताक्षरित आपसी समझौता (एमओयू) का लक्ष्य कृषि व्दारा ग्रामीण आमजन की आजीविका में सुधार को बढ़ावा देना है। इसके चलते-कृषि माध्यम से बेहतर ग्रामीण आजीविका हेतु मैनेज तथा एनआयआरडी व पीआर ने आपसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस संदर्भ में, मैनेज के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, कृषि माध्यम से बेहतर ग्रामीण आजीविका हेतु मैनेज तथा एनआयआरडी व पीआर ने आपसी सहयोग पर स्वीकृती के चलते 1 जनवरी 2024: राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआयआरडी व पीआर) ने हस्ताक्षर किये। जिसमें आमजन के बेहतर ग्रामीण आजीविका में सुधार के प्रति समझौता ज्ञापन (एमओयू) मध्देनजर,देश में कृषि और ग्रामीण विकास पहलुओं के अभिसरण के माध्यम से मैनेज ग्रेटर हैदराबाद कार्यालय में मैनेज महानिदेशक डॉ. पी. चंद्र शेखर और एनआयआरडी एंम्प व पीआर महानिदेशक डॉ. जी. नरेंद्र कुमार आईएएस, ने तत्संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस मामले में मैनेज महानिदेशक डॉ. पी. चंद्रशेखर ने कहा कि, उक्त एमओयू का उद्देश्य कृषि व्दारा आमजन के बेहतर ग्रामीण आजीविका में सुधार को बढ़ावा देना है तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग जिसमें कृषि और संबद्ध गतिविधियों की योजना बनाना शामिल है। साथ ही ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी), स्वयं सहायता समूहों का प्रशिक्षण और सहायता (एसएचजी) को कृषि आधारित उद्यमियों के रूप में विकसित करने के लिए, स्वयं सहायता समूहों का अभिसरण है एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन के तहत एजेंसी (एटीएमए), ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण है। कृषि, प्रशिक्षण कार्यक्रम और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर सम्मेलन आयोजन व ग्राम पंचायतों में कृषि संबंधी स्थायी समितियों को मजबूत करना, विकास करना शामिल है। यही नही क्लस्टर, सामाजिक लेखा परीक्षा, कृषि श्रम, कृषि पर्यटन, कृषि में ड्रोन और संकाय विनिमय कार्यक्रम, छात्र इंटर्नशिप और इसके अतिरिक्त संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं भी शामिल हैं। कार्यक्रम में मैनेज तथा एनआयआरडी व पीआर संकाय सदस्यगण उपस्थित हुए।

शब्दाक्षर तेलंगाना साहित्यक अनुष्ठान संपन्न

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर की तेलंगाना प्रदेश समिति द्वारा पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य अनुष्ठान केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, बोइनपल्ली, सिकंदराबाद में अति भव्य रूप से आयोजित किया गया। शब्दाक्षर, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्षा ज्योति नारायण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंच पर, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गीतकार, शब्दाक्षर तमिलनाडु के अध्यक्ष केवल कोठारी, केंद्रीय हिन्दी संस्थान के निदेशक गंगाधर वानोड़े, विषेश अतिथि प्रो. ऋषभदेव शर्मा, विशिष्ट अतिथि वेणुगोपाल भट्टड़, शब्दाक्षर तेलंगाना के परामर्शदाता अजित गुप्ता तथा शब्दाक्षर, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती ज्योति नारायणप्रदेश उपस्थिति थे। मुख्य अतिथि का स्वागत सम्मान शाल, मोती माला, स्मृति चिन्ह एंव राधा कृष्ण की मूर्ति भेंट कर किया गया एंव सभी आ मंचासीन सम्मानित अतिथियों का भी शाल, मोती माला एवं स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुगना पुरुस्कार प्राप्त करने पर श्रीमती शिल्पी भटनागर एंव श्रीमती गीता अग्रवाल जी को शाल द्वारा सम्मानित किया गया। शब्दाक्षर तेलंगाना समिति द्वारा प्रकाशित तथा ज्योति नारायण द्वारा संपादित शब्दाक्षर के सदस्यों के श्रेष्ठ गीतों के काव्य संग्रह का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। प्रो. ऋषभदेव शर्मा जी ने सारगर्भित पुस्तक समीक्षा की। इस अवसर पर आयोजित काव्य अनुष्ठान में शब्दाक्षर तेलंगाना संगठन मंत्री शिल्पी भटनागर के सुन्दर संचालन में मंचासीन कवियों में आ. मुख्य अतिथि केवल कोठारी, अजित गुप्ता, ऋषभदेव शर्मा, वेणुगोपाल भट्टड़ एंव ज्योति नारायण ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को अतिरेक आनन्दित किया और खूब वाहवाही बटोरी। इस काव्य अनुष्ठान में सर्वश्री राजीव सिंह, विनीता शर्मा, वर्षा शर्मा ,मोहनी गुप्ता, गीता अग्रवाल,पूजा महेश, नुपुर अग्रवाल, सुनीता लुल्ला, भावना पुरोहित, आर्या झा, कृष्ण प्रकाश अग्रवाल, सुरभि दत्त, प्रेमलता श्रीवास्तव, सीमा मिश्रा, उमा सोनी, सविता सोनी ने अपनी रचनाओं के पाठ से वातावरण को सुरम्य बना दिया। राजीव सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम समाप्त हुआ।

नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव परिवार द्वारा अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुराने परिवारों में से एक नरसिंगदास आत्माराम बड़ागाँव परिवार द्वारा उनके पैतृक गाँव सोनासर जो झुनझुनू, राजस्थान में है वहाँ हर अमावस के दिन ग्राम वासियों में 200 पैकेट भोजन वितरित किया जाता है जिसमें एक मीठा एक खारा तथा पूरी सब्ज़ी होती है । अंग्रेज़ी कैलेंडर के नववर्ष के उपलक्ष्य में अन्नदान किया गया, जिसमें 200 डब्बे भोजन ग्रामवासियों में वितरित किए गए। एक प्रेस विज्ञप्ति में समाज के वरिष्ठ सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम उनके परिवार की सदस्य पिंकी रामा अग्रवाल द्वारा किया गया। हमेशा की भाँति दवाखाना तथा मंदिर के व्यवस्थापक डॉक्टर सुरेश शर्मा द्वारा यह सेवा की गई। सोनासर ग्राम में उनके परिवार द्वारा ग्राम वासियों हेतु एक दवाखाना पिछले 40 वर्षों से चलाया जा रहा है जहां निःशुल्क इलाज व दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाती है पैतृक गाँव में पितृदेवता का मंदिर भी है जहां वर्ष में एक बार यज्ञ, भजन व भंडारा किया जाता है तथा रोज़ पूजा की जाती है पिछले वर्ष पैतृक निवास को आधुनिक रूप से नवीनीकरण करवाया। उन्होंने हैदराबाद शहर में बसे सभी शहरवासियों से आग्रह किया कि वे भी अपने अपने पैतृक गाँव में किसी भी प्रकार की सेवाएँ प्रदान करें ताकि ग्राम वसियों में उनके प्रति जानकारी लगातार मिलती रहे।

नरसापुर जंगल में हजारों की तादात में वानरों को अन्नदान सेवा करती हुईं अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, संगीता जाजोदिया, कोमल अग्रवाल, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, स्मिता शाह, प्रीति गोयल, पवन भुवानिया व अन्य।

तुलजापुर की श्री तुलजा भवानी माता का आशीर्वाद लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जयसवाल, सुरेश चंद्र टोलडी, शिव गुट्टेडर, अनिल यादव, नरसिंग, बाबू, सुरी व अन्य।

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास से मिलकर उन्हें नववर्श की बधाई देते हुए बीआरएस नेता उत्तमसिंह राजपुरोहित, हेमचंद गुप्ता, अशोक सिंह, नीरज माथुर व अन्य।

गो सेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गोशाला, जियागुड़ा में नववर्ष के उपलक्ष्य में भाग्यनगर की धरती पर गो माता के लिए छप्पन भोग का आयोजन किया गया। इसमें भाग लेते हुए प्रभुदत्त महाराज, गोपाल बल्दवा, मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, प्रदीप मोर, सुनील जायालिया, विजय अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, रविन्दर अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अन्य।

स्वामीजी महाराज प्रवचन कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईमाता ट्रेडिंग गंडीमैसम्मा स्थित तिरुवल्लुर तमिलनाडु से नगर पधारने पर कल बुधवार अपराह्न 1 बजे से 3 बजे तक अखिल भारतीय महामंडालेश्वर अध्यक्ष स्वामी सत्यानन्दजी महाराज, स्वामी तेजानन्दजी महाराज के मुखारबिन्द से प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज बन्धु व भक्तगणों से पधारकर लाभ लेने की अपील की गई है।

महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग से मुलाकात कर उन्हें बधाई देते हुए संघमित्रा को-ऑपरेटिव बैंक, नलगोंडा के चेयरमैन संगम रामकृष्णा।

फलकनुमा काली माता मंदिर का दशृन करते हुए एन.आर. लक्ष्मण राव, सूर्या शुक्ला, मनोज मोगलगिड्डी, नरेश, विजय और आदित्य व अन्य।

एंडोले को स्वीकृत धनराशि रद्द कर रहे हैं राजा नरसिम्हा : क्रांति किरण

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अंडोले के पूर्व विधायक चांटी क्रांति किरण ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, जो 2023 के विधानसभा चुनाव में अंडोले से जीते है, अंडोले निर्वाचन क्षेत्र के लिए पहले से स्वीकृत धनराशि को रद्द करवा रहे हैं।

मंगलवार को संगारेड्डी में पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व बीआरएस विधायक ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में आर एंड बी और पंचायत सड़कों दोनों को बेहतर बनाने के लिए प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 60 करोड़ रुपये मंजूर कराए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव के सहयोग से निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए विशेष निधि से 30 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, किंतु राजा नरसिम्हा ने इन अनुदानों को रद्द करने का फैसला किया है। हालांकि बीआरएस सरकार ने चुनाव से पहले धनराशि दी थी, लेकिन आदर्श आचार संहिता के कारण काम रुका हुआ था। चूंकि लोकसभा चुनाव सिर्फ पांच महीने दूर है, क्रांति किरण ने कहा कि राज्य में एमसीसी फिर से प्रचलन में होगा। उन्होंने कहा कि धनराशि देने और कार्यों को धरातल पर उतारने में किसी भी तरह की देरी से निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को नुकसान होगा।

केंद्रीय हिंदी संस्थान के हैदराबाद केंद्र पधारने पर सिक्किम विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोरखनाथ तिवारी का सम्मान करते हुए केंद्र प्रमुख प्रो. गंगाधार वानोड़े, संदीप व अन्य।

बोइनपल्ली, भावना कोलोनी स्थित प्रसिद्ध गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए गणेश सेवा समिति के सदस्य जी. विनय सिंह जैन, राजीव सरीन, राखी लोढा, आशु, संतोष व अन्य।

नये साल पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा नये साल के दिन किया गया अन्नदान। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में उप्पल स्थित अभियंता फाउंडेशन में बच्चों को केक, चॉकलेट, बिस्किट, दिए गए एवं बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रेम चंद जैन, मीना जैन, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, मंजू गांधी, सीता गांधी, मीणा दुगड ,सुनीता जैन, का सराहनीय योगदान रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

डोप सैंपल लेने से रोका, कोच पर छह साल का प्रतिबंध; दो खिलाड़ी भी प्रतिबंधित

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। डोपिंग कंट्रोल अधिकारी (डीसीओ) को खिलाड़ी का डोप सैंपल लेने से रोकने और उसके साथ हाथापाई, दुर्व्यवहार करने के मामले में कोच को नाडा के सुनवाई पैनल ने छह साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध के साथ कोच पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह भारतीय खेलों के इतिहास में पहला मामला है जब डीसीओ को डोप सैंपल से रोकने और उसके साथ हाथापाई करने के मामले में किसी कोच पर इतना बड़ा प्रतिबंध लगाया गया है।

यही नहीं सुनवाई पैनल ने कोच के साथ संलिप्त दो जूडो खिलाडियों को भी चार और दो साल के लिए प्रतिबंधित किया है।

कोच पर बीते वर्ष लगा था हाथापाई का आरोप

बीते वर्ष जुलाई माह में नाडा का डीसीओ दिल्ली स्थित जूडो अकादमी में एक जुडोका का डोप सैंपल लेने गया था, लेकिन कोच नरेश आर्या ने डीसीओ को सैंपल लेने से रोका। मामला बढ़ने पर डीसीओ के साथ दुर्व्यवहार और हाथापाई का आरोप भी लगा। डीसीओ की शिकायत पर नाडा ने 24 जुलाई, 2023 को इस कोच को अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

मामले की सुनवाई में यह साबित हो गया कि कोच ने डीसीओ को सैंपल लेने से रोका और दुर्व्यवहार, हाथापाई भी की, जिसमें अकादमी के दो जुडोकाओं ने उनका साथ दिया।

अब प्रशिक्षण नहीं दे पाएंगे

पैनल की चेयरपरसन चारू प्रज्ञा ने फैसले में कहा कि कोच ने डीसीओ के कार्य में बाधा डालते हुए नाडा के नियम 2.5 और 2.9 का उल्लंघन किया है और आर्टिकल 10.3.1, 10.3.4 और नियम 10.4 के तहत उन पर बीते वर्ष 24 जुलाई से छह साल का प्रतिबंध लगाया जाता है।

प्रतिबंध की अवधि के दौरान कोच प्रशिक्षण की गतिविधि से दूर रहेंगे। वे किसी कंपटीशन, इवेंट में कोच और एथलीट मैनेजर की भूमिका नहीं निभा सकेंगे।

विजय दहिया ने भी एलएसजी का साथ छोड़ा

आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर और गौतम गंभीर भी कह चुके हैं अलविदा

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 से पहले सहायक कोच विजय दहिया ने लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ छोड़ दिया है। विजय दहिया 2022 में लखनऊ के आईपीएल में डेब्यू करने के साथ से ही गौतम गंभीर और एंडी फ्लावर के साथ टीम से जुड़े थे। लखनऊ ने 2022 और 2023 आईपीएल में प्लेऑफ तक का सफर तय किया था।

विजय दहिया ने लिखा- अब एलएसजी को अलविदा कहने का समय है

विजय दहिया ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी की वह लखनऊ का साथ छोड़ रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा- एलएसजी को अलविदा कहने का समय आ गया है। लखनऊ के साथ पिछले दो सालों में काम करना एक अद्भुत अनुभव था। टीम एलएसजी को शुभकामनाएं।

गौतम गंभीर और एंडी फ्लावर पहले ही छोड़ चुके हैं लखनऊ सुपर जायंट्स का साथ

गौतम गंभीर और एंडी फ्लावर आईपीएल 2024 ऑक्शन से पहले ही टीम का साथ छोड़ दिया था।

गौतम गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ बतौर मेंटर जुड़े हुए थे। जबकि एंडी फ्लावर चीफ कोच थे। गंभीर ने लखनऊ का साथ छोड़ने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ जुड़ गए हैं।

जस्टिन लैंगर हैं एलएसजी के नए कोच

आईपीएल 2024 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स ने जस्टिन लैंगर को चीफ कोच नियुक्त किया गया है। वहीं भारत के पूर्व स्पिनर श्रीधरन श्रीराम को सहायक कोच के रूप में शामिल किया गया है। जिसके अलावा कोचिंग टीम में प्रवीण तांबे, मोर्ने मोर्कल और जोंटी रोड्स को भी शामिल किया गया है।

पृथ्वी शॉ को मुंबई रणजी टीम में जगह नहीं

एसोसिएशन ने शुरुआती दो मैचों के लिए स्क्वॉड जारी किया, अजिंक्य रहाणे होंगे कप्तान

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई ने आगामी रणजी ट्रॉफी के नए सीजन के पहले दो मैचों के लिए 15 सदस्यीय स्क्वॉड जारी किया है। इसमें भारत के युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को जगह नहीं मिली है।

अजिंक्य रहाणे लगातार दूसरे सीजन में टीम की कप्तानी करेंगे। 2023 में मुंबई टीम एलीट ग्रुप बी में चौथे स्थान पर रही थी और नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करने में असफल रही थी।

मुंबई 5 जनवरी को बिहार के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, इसके बाद 12 से 15 जनवरी तक आंध्र प्रदेश से उसका मुकाबला होगा।

इंग्लैंड में चोटिल हुए थे शॉ

पिछले साल शॉ काउंटी क्रिकेट टीम नॉर्थहैंप्टनशायर का हिस्सा बने थे।

सितंबर में दुरहम के खिलाफ एक मुकाबले में उन्हें घुटने में चोट आ गई थी। वे तब 3 महीने के रिकवरी ब्रेक पर थे। हांलाकि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने शॉ के स्क्वॉड में नहीं होने पर कुछ नहीं कहा है। शॉ ने मुंबई के लिए 44 रणजी मैचों में 12 शतकों के साथ 3802 रन बनाए हैं।

अथर्व अंकोलेकर को पहली बार मौका

23 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर अथर्व अंकोलेकर पहली बार टीम में शामिल हुए है। 2020 में अथर्व भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। रविवार 31 दिसंबर को अंकोलेकर ने पुलिस जिमखाना में आयोजित पुलिस शील्ड फाइनल में न्यू हिंद स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ विक्ट्री क्रिकेट क्लब के लिए 70 रन बनाने के साथ ही 5 विकेट भी लिए।

जायसवाल और सूर्या भी स्क्वॉड में नहीं

शॉ के अलावा इस सीजन के शुरुआती गेम्स में यशस्वी जायसवाल और सूर्यकुमार यादव भी टीम का हिस्सा नहीं है। हांलाकि, दोनों प्लेयर्स नेशनल टीम के रेग्यूलर प्लेयर्स बन चुके है।

मुंबई रणजी की सबसे सफल टीम लेकिन 2015-16 से खिताब नहीं जीता

मुंबई रणजी ट्रॉफी के इतिहास में सबसे सफल टीम है। उन्होंने 88 सीजन में 39 बार ट्रॉफी जीती है जो कि 44.3 फीसदी है। इसके बाद दूसरी सबसे सफल टीम कर्नाटक है जिसने 8 बार खिताब जीता है।

हालांकि, मुंबई ने 2015-16 सीजन के बाद से एक भी खिताब नहीं जीता है। तब से मुंबई ने 2 बार फाइनल खेला, जिसमे उसे जीत नहीं मिली। पिछला (2022-23) सीजन सौराष्ट्र ने जीता था।

मुंबई टीम का पहले दो रणजी मैचों के लिए स्क्वॉड- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), जय बिस्टा, भूपेन लालवानी, हार्दिक तमोरे, सरफराज खान, शिवम दुबे, सुवेद पारकर, प्रसाद पवार, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, धवल कुलकर्णी, रॉयस्टन डायस और अथर्व अंकोलेकर।

किशोर जेना और डीपी मनु एआईयू के आरटीपी में शामिल

नीरज सहित ये खिलाड़ी पहले से हैं सदस्य

नई दिल्ली, 2 जनवरी (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना और डीपी मनु को भी ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के साथ वैश्विक ट्रैक एवं फील्ड की डोपिंग रोधी निगरानी संस्था एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल कर दिया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले कुछ समय से आरटीपी में शामिल हैं लेकिन जेना और मनु को पहली बार इसमें शामिल किया गया है जिससे भाला फेंक में विश्व स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों के दबदबे का पता चलता है।

जेना हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व चैंपियनशिप 2023 में पांचवें जबकि मनु छठे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। भारत के तीन खिलाड़ियों का शीर्ष छह में शामिल होना अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के अब सात खिलाड़ी एआईयू के आरटीपी में शामिल हो गए हैं। 3000 मीटर स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, महिला भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी और लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और जेसविन एल्ड्रिन इस सूची में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

शुभमन गिल ने अपना 2023 रेजोल्यूशन शेयर किया

लिखा- प्लान के मुताबिक कुछ चीजें नहीं हुई, 2024 में पूरे करूंगा लक्ष्य

मुंबई, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल ने अपने 2023 सीजन पर विचार करते हुए कहा कि यह शानदार अनुभवों, एंटरटेनमेंट और सीख से भरा था। गिल ने 31 दिसंबर को अपने हाथों से लिखे 2023 के न्यू इयर रेजोल्यूशन की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की।

गिल ने लिखा, 2023 के खत्म होने के साथ, यह साल अनुभवों, मौज-मस्ती और अन्य बेहतरीन सीख से भरा रहा है। साल का एंड प्लान के मुताबिक नहीं हुआ, लेकिन मैं गर्व से कह सकता हूं कि हम अपने लक्ष्य के करीब आ गए और अपना सब कुछ झोंक दिया। मैं अपने गोल्स साल 2024 में पूरे करूंगा।

गिल की लिस्ट में लिखे पॉइंट्स

भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक, फैमिली को खुश रखना, अपना बेस्ट एफर्ट देना, वर्ल्ड कप जीतना, आईपीएल में ऑरेंज कैप हासिल करना

गिल ने लगभग पूरे किए सभी रेजोल्यूशन

गिल ने साल का समापन 7 शतकों के साथ किया, जो कि कोहली से केवल एक कम है और आईपीएल में ऑरेंज कैप जीतने में सफल रहे। गिल भारत के लिए वर्ल्ड कर नहीं जीत सके, लेकिन अपना बेस्ट एफर्ट देकर फाइनल तक का रास्ता तय किया।

नंबर-1 बल्लेबाज भी बने गिल

गिल नवंबर 2023 में दुनिया के नंबर-1 वनडे बैटर भी बने थे। उन्होंने पाकिस्तान के बाबर आजम को पीछे छोड़कर यह उपलब्धि हासिल की थी। बाबर 951 दिन तक नंबर-1 पर रहे। गिल को साथ ही आईसीसी ने नवंबर के महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड भी दिया था।

2023 में गिल आईपीएल टीम के भी कप्तान बने

दिसंबर 2023 में शुभमन गिल को आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस की भी कप्तानी मिली। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के टीम छोड़ने की वजह से यह बदलाव हुआ। गिल आईपीएल में 91 मैच खेल चुके है।

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार ने किया प्रैक्टिस

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले हो सकते हैं फिट; प्रैक्टिस मैच में हुए थे चोटिल

सिडनी, 2 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले फिट हो सकते हैं। चोट की वजह से पहले दो टेस्ट से बाहर रहे अबरार अहमद ने सोमवार को सिडनी में प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, अबरार अहमद ने 1 जनवरी को पाकिस्तान के ट्रेनिंग सेशन के दौरान नेट्स में बिना किसी परेशानी के काफी समय तक गेंदबाजी की, लेकिन जिस तरह की उनकी चोट है, यह कहना मुश्किल है कि वह तीसरे टेस्ट में भाग ले पाएंगे या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अबरार के दाहिने पैर की नस दब गई है और उसकी मांसपेशियां कमजोर है, जिसके कारण उन्हें दिक्कत हो रही है। इलाज के दौरान उन्हें इंजेक्शन भी दिए गए। यदि ट्रेनिंग सेशन के बाद उन्हें कोई दिक्कत नहीं होती है तो तीसरे टेस्ट में वह टीम का हिस्सा हो सकते हैं।

अगर वह फिटनेस हासिल नहीं कर पाते हैं तो पाकिस्तान टीम उन्हें जोखिम में नहीं डालेगी, क्योंकि वह न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए टीम का हिस्सा हैं। उनकी जगह तीसरे टेस्ट में स्पिनर साजिद को खिलाया जा सकता है। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी में खेलना है।

अबरार ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया प्राइम मिनिस्टर 11 के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उन्हें मैच के तीसरे दिन दाहिने पैर में चोट लग गई थी। इस मैच में उन्होंने कुल 27 ओवर फेंके और मार्कस हैरिस का विकेट लेते हुए 80 रन दिए थे। जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में वह नहीं खेल पाए। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान 2-0 से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 360 रन से रहा था। वहीं बॉक्सिंग डे पर मेलबर्न में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 79 से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के साथ ही सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया।

भारतीय मूल के निखिल बिग बैश में जमा रहे चौके-छक्के

पंजाब से घरेलू क्रिकेट खेला, लेकिन भारत में मौका नहीं मिला तो ऑस्ट्रेलिया चले गए

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के निखिल चौधरी ने नार्दर्न सबअर्ब टीम की ओर से 28 गेंदों में 71 रन की धुआंधार पारी खेली। इसी के साथ उनकी टीम क्वींसलैंड टी-20 मैक्स फाइनल में पहुंच गई है। सेमीफाइनल में गोल्ड कोस्ट के खिलाफ अपनी इस पारी में उन्होंने 7 गगनचुंबी छक्के जमाए थे।

वे ऐसा ही प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी-20 लीग बिग बैश में होबार्ट हरिकेंस की ओर से दिखा रहे हैं। निखिल ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ 16 गेंद पर 32 रन जमाए थे।

पंजाब से खेल चुके हैं सैयद मुश्ताक अली और विजय हजारे ट्रॉफी

निखिल का बिग बैश का सफर इसलिए शुरू हुआ क्योंकि उन्हें भारत की ओर से खेलने का मौका नहीं मिला था। 1996 में दिल्ली में जन्मे निखिल ने पंजाब की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला था।

उन्होंने 2016-17 में हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से डेब्यू किया। विजय हजारे ट्रॉफी में भी हरियाणा के खिलाफ ही लिस्ट ए डेब्यू किया। उन्होंने पंजाब के लिए 16 टी-20 और 2 लिस्ट ए

मैच खेले। उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भारत में ज्यादा मौके नहीं मिले तो उन्होंने करियर को आगे बढ़ाने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने का फैसला किया। वे चार साल पहले ब्रिस्बेन पहुंचे और वहां क्लब क्रिकेट खेलने का मौका मिला। उन्हें अपने खेल से पहचान मिलनी शुरू हो गई है।

निखिल को ब्रिस्बेन हीट की ओर से कोविड रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया गया, लेकिन फिर उनका करियर अधर में लटक गया। पिछले साल सितंबर की शुरुआत तक उन्हें बिग बैश से कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला था, तो वे आशंकित हो गए।

निखिल कहते हैं, 'मुझे लगता था कि बिग बैश का अनुबंध मिल जाएगा। लेकिन आप जो चाहते हैं वैसा नहीं होता तो अंदर तक टूट जाते हैं।'

हालांकि, कुछ दिन बाद निखिल के एजेंट ने उन्हें फोन कर बताया कि होबार्ट हरिकेंस से करार मिल गया है। इस फोन ने निखिल की जिंदगी बदल दी और उनका ऑस्ट्रेलिया में पेशेवर क्रिकेटिंग करियर सही राह पर चल पड़ा।

हरभजन की कप्तानी में कई मैच खेले निखिल

निखिल ने पंजाब की ओर से हरभजन सिंह की कप्तानी में भी कई मुकाबले खेले थे। इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने कहा, भारत में क्रिकेट बिल्कुल अलग है।

वहां बड़े खिलाड़ियों को भगवान जैसा पूजा जाता है। मैं जब पहली बार हरभजन सिंह के अंडर खेला तो बहुत नर्वस था। लेकिन, जब धीरे-धीरे मैंने उनसे बातचीत करनी शुरू की तो पता चला कि वे काफी विनम्र इंसान हैं।

ब्रिस्बेन इंटनेशनल में तमारा को हराया

वर्ल्ड नंबर-17 पेट्रा ऑस्ट्रेलिया ओपन में नहीं खेलेंगी

खेल डेस्क, 2 जनवरी (एजेंसियां)। जापान की नाओमो ओसाका मां बनने के बाद टेनिस में वापसी कर ली हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ब्रिस्बेन इंटनेशनल में अपना पहला मैच जीता। वहीं चेक गणराज्य की वर्ल्ड नंबर-17 पेट्रा क्वितोवा ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगी, वह मां बनने वाली हैं। सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारियों के लिए खिलाड़ी ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में हिस्सा लेते हैं, ताकि 15 जनवरी से शुरू होने वाले इस हैप्पी स्लैम से पहले फॉर्म हासिल कर लें। जापान की नाओमी ओसाका भी ब्रिस्बेन में टेनिस कोर्ट पर उतरी हैं।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से ओसाका ने वापसी की और वो भी जीत के साथ। ओसाका 15 महीने बाद कोर्ट पर उतरीं और लगातार सेट में जीतीं। उन्होंने जर्मनी की तमारा कोरपास्च को 6-3, 7-6 से हराया। अब ओसाका का सामना 16वीं सीड चेक रिपब्लिक की कैरोलिना प्लिसकोवा से होगा। ओसाका ने पहला सेट आसानी से जीत लिया

था। वे जर्मन खिलाड़ी के खिलाफ दूसरे सेट में 5-3 पर सर्विस कर रही थी, लेकिन उन्होंने सर्विस गंवा दी।

यह सेट टाईब्रेकर तक गया, जिसमें ओसाका ने 7-6 (9) से जीत दर्ज की और मैच अपने नाम कर लिया। ओसाका 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन बनी थीं। फिर कई बार मेंटल हेल्थ की वजह से उन्होंने ब्रेक लिया था। पिछले साल प्रेग्नेंसी की वजह से वे कोर्ट से दूर हो गई थीं।

ओसाका ने कहा कि मां बनने के बाद वे ज्यादा ओपन माइंडेड और स्ट्रॉन्ग महसूस करने लगी हैं। 26 साल की ओसाका ने कहा, 'जुलाई में शाई को जन्म देने के बाद से अधिक खुले विचारों वाली, धैर्यवान और आत्मविश्वासी हो गई हूं। मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करती हूं। चीजों को देखने का नजरिया बदल गया है।

पहले मैं आसपास के माहौल से दूरी बनाने के लिए हेडफोन पहना करती थी, लेकिन अब ऐसा करना छोड़ दिया है। मैं पहले अन्य खिलाड़ियों से बातचीत नहीं करती थी। मैंने अपने चारों तरफ एक तरह की दीवार खड़ी कर दी थी। लेकिन अब लोगों से बातचीत के लिए पहल करती हूं।

वर्ल्ड नंबर 17 टेनिस खिलाड़ी पेट्रा क्वितोवा साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगी। साल का पहला ग्रैंड स्लैम 14 जनवरी से शुरू होना है। पेट्रा ने साल के पहले दिन इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर जानकारी दी कि वह पहले बच्चे की मां बनने वाली है। उनके घर में नया मेहमान आने वाला है।

सीएम ने की हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण के प्रस्तावों की गहन समीक्षा

मेट्रो फेज-2 प्रस्ताव में तेजी लाने का निर्देश

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां सचिवालय में हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण के प्रस्तावों की गहन समीक्षा की। एचएमआरएल के एमडी एनवीएस रेड्डी की विस्तृत प्रस्तुति के बाद, मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिया कि विस्तार प्रस्ताव शहर के प्रमुख हिस्सों को पूरा करेंगे और अधिकतम यात्रियों को सेवा प्रदान करेंगे। उन्होंने एमडी से आयुक्त, एचएमडीए के समन्वय में चरण-द्वितीय प्रस्तावों को सुलझाने के लिए कहा। पुराने शहर के मेट्रो रेल खंड में दारुलशिफा जंक्शन से शालीबंडा जंक्शन तक सड़क को चौड़ा करने के एचएमआरएल के प्रस्ताव पर, मुख्यमंत्री ने इच्छा व्यक्त की कि दारुलशिफा जंक्शन से फलकनुमा जंक्शन तक सड़क को 100 फीट तक चौड़ा करने की व्यवहार्यता की जांच की जाएगी।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि प्रस्तावित मेट्रो विस्तार पुराने शहर को शहर के अन्य हिस्सों के समान तेजी से विकास के लिए खोल देगा। हालांकि, सड़क चौड़ीकरण और मेट्रो रेल योजना के दौरान, पुराने शहर में पहचान की गई 103 धार्मिक, विरासत और अन्य संवेदनशील संरचनाओं में से कोई भी नहीं प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यदि आवश्यक हुआ, तो मैं व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करूंगा और इस प्रयास में पुराने शहर के जन प्रतिनिधियों को भी शामिल करूंगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि रायदुर्ग से शमशाबाद हवाई अड्डे (31 किमी; 6,250 करोड़ रुपये) तक पिछली सरकार की एयरपोर्ट मेट्रो योजना को स्थगित रखा जाएगा, क्योंकि पहले से ही बहुत व्यापक ओआरआर उपलब्ध है। इसके बजाय, पुराने शहर के माध्यम से एमजीबीएस से एयरपोर्ट मेट्रो कनेक्टिविटी की योजना बनाई जाएगी और एलबी नगर से, नागोले से एलबी नगर मेट्रो स्टेशनों तक 5 किमी के शेष अंतर को कम किया जाएगा।

एमडी, एचएमआरएल को पुराने शहर और एलबी नगर से संशोधित एयरपोर्ट मेट्रो संरेखण के लिए यातायात अध्ययन और डीपीआर जल्दी से पूरा करने का निर्देश देते हुए, रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से लक्ष्मीगुडा-जलपल्ली-मामिदिपल्ली खंड में मेट्रो का एक हिस्सा बिछाने की व्यवहार्यता की जांच करने के लिए कहा। नए संरेखण में 'एट ग्रेड' (सड़क स्तर), क्योंकि इस खंड में बिना किसी रुकावट के 40 फीट चौड़ा केंद्रीय मध्य भाग उपलब्ध है। इससे मेट्रो रेल निर्माण की लागत कम हो सकती है। उन्होंने पीआरएल को भी निर्देश दिये हैं. सचिव, एमए एंड यूडी और एचएमडीए आयुक्त एम दाना किशोर और सीएमओ पीआरएल सचिव वी शेषाद्रि को ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट शुरू करने के लिए इस खंड के साथ उपलब्ध सरकारी भूमि के बड़े पैमाने पर पहचान करने के लिए कहा गया है, जो एयरपोर्ट मेट्रो परियोजना के आंशिक वित्त पोषण में योगदान दे सकता है और साथ ही पुराना शहर और उसके आसपास विकास को प्रोत्साहित कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए संरेखण से शहर के कई हिस्सों की आपूर्ति के अलावा दूरी कम होगी और लागत में बचत होगी।

इसी प्रकार, उन्होंने एमडी, एचएमआरएल को निम्नलिखित तर्ज पर सभी दिशाओं में शहर के विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए मौजूदा मेट्रो कॉरिडोर के नजदीकी गंतव्यों तक विस्तार तैयार करने का भी निर्देश दिया।

मियापुर-चंदनगर-बीएचईएल-पतनचेरुवु (14 किमी), एमजीबीएस-फलकनुमा-चंद्रायनगुट्टा-मैलारदेवपल्ली-पी7 रोड-एयरपोर्ट (23 किमी), नागोले-एलबीनगर-ओवैसी अस्पताल - चंद्रायणगुट्टा - मैलारदेवपल्ली-अरामगढ़-एनएच पर राजेंद्रनगर में नया उच्च न्यायालय स्थल (कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के निकट) (19 कि.मी.)। बायोडायवर्सिटी जंक्शन, आईआईआईटी जंक्शन और आईएसबी रोड (12 किमी) के माध्यम से रायदुर्ग स्टेशन से फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट (विप्रो लेक जंक्शन/अमेरिकी वाणिज्य दूतावास) तक कॉरिडोर-III का विस्तार, एलबी नगर-वनसाथलीपुरम-हयातनगर (8 किमी)। रेवंत रेड्डी ने एचएमआरएल के एमडी और एचएमडीए आयुक्त को इन योजनाओं को एकीकृत तरीके से शीघ्र तैयार करने और अगले कुछ दिनों में शहरी विकास और आवास मंत्रालय के मंत्री हरदीप सिंह पुरी को एक पत्र का मसौदा तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने पीआरएल को भी निर्देश दिये हैं. सचिव, एमए एंड यूडी और एमडी, एचएमआरएल तारामाटिपेट से नागोले और एमजीबीएस (40 किमी) के माध्यम से मुसी रिवर फ्रंट ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर में मेट्रो रेल को शामिल करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों को हैदराबाद शहर की तेजी से बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार करने और पूरे ओआरआर के साथ बिखरे हुए विकास केंद्रों की योजना बनाने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा, हवाईअड्डा क्षेत्र से श्रीशैलम राजमार्ग पर कंदुकुर तक मेट्रो रेल कनेक्टिविटी की योजना बनाई जाएगी, जहां फार्मा सिटी के लिए पहले से ही अधिग्रहित भूमि पर एक मेगा टाउनशिप बनाई जा सकती है। उन्होंने यह भी इच्छा जताई है कि मेट्रो चरण-III की योजना में जेबीएस मेट्रो स्टेशन से शमीरपेट तक और पैराडाइज़ मेट्रो स्टेशन से कंडलाकोया/मेडचल तक विस्तार शामिल होगा। बैठक के दौरान मुख्य सचिव शांति कुमारी, आईजी इंटेलिजेंस बी.शिवधर रेड्डी और सीएमओ सचिव शाहनवाज कासिम भी मौजूद थे।

समुदाय को बेहतर सेवा देने के लिए एकजुट प्रयास जरूरी : रवि गुप्ता

डीजीपी कार्यालय में नये साल का जश्न मना

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना डीजीपी कार्यालय ने मंगलवार को एक जश्न समारोह के साथ नए साल की शुरुआत की, जिसमें पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) शिखा गोयल, अभिलाषा बिष्ट, महेश एम. भागवत, संजय कुमार जैन, आईजीएसपी एम. रमेश, तरुण जोशी, स्टीफन रवींद्र, सीआईडी एसपी अपूर्व राव, और एआईजी शामिल रहे। कार्यक्रम का आयोजन डीजीपी कार्यालय तेलंगाना अराजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा किया गया था। अपने संबोधन में, डीजीपी रवि गुप्ता ने पुलिस के काम की प्रकृति को स्वीकार किया और विभाग की रीढ़ के रूप में मंत्रालयिक कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। उन्होंने दक्षता बढ़ाने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बल के भीतर टीम वर्क के महत्व और परिवार जैसे माहौल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने त्वरित प्रतिक्रिया समय की आवश्यकता पर बल दिया और कर्मियों को उनके सामने आने वाली किसी भी चुनौती के बारे में संवाद करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंततः, उन्होंने समुदाय को असाधारण सेवा प्रदान करने के लिए एकजुट प्रयासों का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत डीजीपी कार्यालय तेलंगाना अराजपत्रित अधिकारी संघ सचिव टी. शिवरंजनी के स्वागत भाषण के साथ हुई। यूनियन अध्यक्ष सी.पवन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में राज्य पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष गोपीरेड्डी, सदस्य श्रीनिवास रेड्डी, शंकर रेड्डी, दुगरिड्डी और अन्य की भी भागीदारी देखी गई।

आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने मंगलवार को सेरिलिंगमपल्ली सर्कल कोंडापुर अंजैया नगर, पपीरेड्डी कॉलोनी और मजीद बांदा सामुदायिक हॉल में स्थापित सार्वजनिक प्रशासन काउंटरों का निरीक्षण किया।

जरूरत पड़ी तो हम केन्द्र से सिफारिश करेंगे : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी तेलंगाना अध्यक्ष किशन रेड्डी ने राज्य के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को अहम निर्देश दिए हैं। मंगलवार को उन्होंने प्रदेश बीजेपी कार्यालय में मीडिया से बात की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की इच्छा व्यक्त की कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा की गई गलतियाँ दोहराई न जाएँ। उन्होंने कहा कि केसीआर ने जो गलतियां कीं उनमें कालेश्वरम परियोजना सबसे ऊपर है। यह बहुत बड़ा घोटाला है और राज्य सरकार को इसकी तुरंत जांच करनी चाहिए। अगर राज्य सरकार अनुरोध करेगी तो वे 48 घंटे के अंदर सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश करेंगे। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस ने कानून बनाया था कि राज्य सरकार की अनुमति के बिना सीबीआई को कालेश्वरम की जांच नहीं करनी चाहिए। अब कांग्रेस से कानून वापस लेने और जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सीबीआई जांच नहीं चाहती है तो वे चर्चा करेंगे कि क्या कार्रवाई करनी है। उन्होंने शिकायत की कि कालेश्वरम परियोजना का दौरा करने वाले मंत्रियों के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने जानना चाहा कि कांग्रेस सरकार वास्तव में कालेश्वरम के बारे में क्या करने जा रही है।

पोन्नम ने सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए भाजपा व बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने राज्य सरकार की आलोचना करने के लिए अति उत्साह दिखाने के लिए भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियों की आलोचना की है। मंगलवार को यहां सचिवालय परिसर में मीडिया सेंटर में बोलते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि यह समझ में नहीं आता है कि बीआरएस नेता उस कांग्रेस सरकार की आलोचना करने के लिए उत्साह क्यों दिखा रहे थे जो अपने कार्यालय में एक महीना भी पूरा नहीं कर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस दोनों पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं और केंद्रीय पर्यटन मंत्री और भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी कालेश्वरम मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर को बचाने के लिए सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह स्पष्ट है कि बीआरएस पार्टी को भाजपा पार्टी द्वारा चलाया जा रहा है। लोग भाजपा पार्टी की ईमानदारी पर संदेह कर रहे हैं। महिलाओं और लड़कियों को राज्य परिवहन की बसों में मुफ्त यात्रा की पेशकश करने वाले राज्यव्यापी विरोध का आह्वान करने वाले ऑटो चालकों की प्रस्तावित हड़ताल पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऑटो चालकों के साथ बात करने और उनकी शिकायतों का समाधान करने के लिए तैयार है, हालांकि मंत्री ने आग्रह किया ऑटो चालकों को बीआरएस नेताओं के जाल में नहीं फंसना चाहिए जो राज्य सरकार के खिलाफ ऑटो चालकों को भड़का रहे हैं।

बीआरएस सरकार ने गरीबों की उपेक्षा की : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने गरीबों के कल्याण की उपेक्षा की थी और उनकी आजीविका में सुधार के लिए कोई उपाय नहीं किया था। मंगलवार को खम्मम ग्रामीण मंडल के मंगलागुडेम गांव में 'प्रजा पालन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना बीआरएस शासन के तहत कर्ज में डूबा राज्य बन गया है और उसने 6.71 लाख करोड़.रुपये उधार लिए हैं। पोंगुलेटी ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने ऋण लिया और सचिवालय भवन के निर्माण जैसी गैर-उत्पादक चीजों पर पैसा खर्च किया। उन्हें गरीबों के कल्याण और उनके विकास की जरा भी परवाह नहीं थी। यह कहते हुए कि कांग्रेस सरकार राज्य के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर रही है।

मंत्री ने याद दिलाया कि जैसे ही उनकी सरकार ने कार्यभार संभाला, पहली कैबिनेट बैठक में छह गारंटियों को मंजूरी दी गई और महिलाओं को आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा प्रदान की गई और 10 लाख रुपये तक आरोग्यश्री कवरेज प्रदान किया गया।

वाई.एस. शर्मिला शामिल होंगी कांग्रेस में!

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।पूर्व सीएम वाईएसआर की बेटी वाईएस शर्मिला, जिन्होंने वाईएसआरटीपी की स्थापना की और तेलंगाना चुनावों के मद्देनजर प्रभाव छोड़ने में विफल रहीं, कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगी। शर्मिला पहले ही कांग्रेस पार्टी के नेताओं के साथ सभी मुद्दों पर चर्चा कर चुकी हैं। आज वाईएसआरटीपी ने हैदराबाद में लोटसपॉन्ड के नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। वाईएसआरटीपी ने नेताओं को स्पष्ट कर दिया कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होने जा रही हैं. बाद में उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में कांग्रेस इसलिए हारी क्योंकि सोनिया गांधी ने तेलंगाना दिया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व कह रहा है कि आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को बचाने की जरूरत है। नेताओं ने साफ कर दिया है कि उन्हें लगता है कि एपी का सीएम बनने से पार्टी को फायदा होगा और अगर एआईसीसी में पद दिया गया तो वे दोनों राज्यों में प्रचार करेगी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को बचाने की जिम्मेदारी उनपर है। बाद में, शर्मिला एक महत्वपूर्ण घोषणा करने के लिए आज वाईएसआर जिले के इडुपुला पया जाएंगी। लेकिन शर्मिला को एपीसीसी अध्यक्ष का पद दिया जाएगा या एआईसीसी का, यह सरगर्मी बरकरार है।

जिलाधीश ने की आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया की जांच

निर्मल, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने मंजुलापुर, कड़ताल, गंजाल और रामनगर में आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया की जांच की। मंगलवार को लोक प्रशासन के आवेदनों के स्वागत के क्रम में उन्होंने विभिन्न वार्डों व गांवों का दौरा कर आवेदनों के स्वागत व व्यवस्था की जांच की। इस अवसर पर जिला प्रशासक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महत्वाकांक्षी रूप से चलाए गये अभयहस्त कार्यक्रम में छह गारंटी को क्रियान्वित करने के लिए पात्र लोगों से आवेदन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतते हुए तथा बिना किसी कठिनाई के आवेदनों की स्वीकृति सफल होनी चाहिए। लोगों को। उन्होंने कहा, यह अगले चार दिनों तक जारी रहेगा और जो पात्र हैं उन्हें आवेदन करना होगा। उन्होंने कहा कि गांवों एवं वार्डों में आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल, कुर्सियां, काउंटर जैसी अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं।

इसके बाद उन्होंने कहा कि संबंधित केंद्रों में आवेदन स्वीकार करने की प्रक्रिया की जांच की जाए और आवेदकों को बिना किसी परेशानी के आवेदन प्राप्त हो सकें, इसके लिए प्रत्येक केंद्र में हेल्प डेस्क बनाए गए हैं ताकि लोगों को पता चल सके कि उन्हें क्या संदेह है और आवेदन पत्र कहां हैं। प्रत्येक केन्द्र पर तैयार एवं उपलब्ध है। राम नगर पीएचसी का निरीक्षण किया और पूछा कि क्या सभी मेडिकल स्टाफ समय पर उपस्थित हो रहे हैं और बायोमेट्रिक सिस्टम जारी है या नहीं सातही स्टॉक रूम की जांच की। कार्यक्रम में नगर आयुक्त सीवीएन राजू, एमआरओ, एमपीडीओ, एमपीओ, राजस्व कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

मानू ने यूनुस एम्रे इंस्टीट्यूट, तुर्किये के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (एमएएनयूयू) ने यूनुस एम्रे इंस्टीट्यूट, तुर्किये के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। मानू के कुलपति, प्रो.सैयद ऐनुल हसन, रजिस्ट्रार, प्रो. एसके की उपस्थिति में यूनुस एम्रे इंस्टीट्यूट की ओर से इश्तियाक अहमद और तुर्की के महावाणिज्यदूत ओरहान यलमान ओकन ने आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह सहयोगात्मक प्रयास व्याख्यान देने, अनुसंधान में संलग्न होने, संयुक्त परियोजनाओं को विकसित करने, सांस्कृतिक गतिविधियों की स्थापना, छात्रों के आदान-प्रदान, निवासी और अनिवासी संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान, परियोजना विकास और कार्यान्वयन के लिए अपने अकादमिक और प्रशासनिक कर्मचारियों के सदस्यों के बीच यात्राओं का आदान-प्रदान करने में सक्षम होगा।

शैक्षिक, अकादमिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक मामलों से संबंधित क्षमता निर्माण, मुख्य रूप से विज्ञान कूटनीति पर, विश्वविद्यालय मिशनों और तुर्किये के अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग परियोजना के दायरे में आवश्यकतानुसार तकनीकी सहायता प्रदान करना।

बलराम नाइक बने सिंगरेनी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष

हैदराबाद, 2 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बलराम नाइक को सिंगरेनी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सिंगरेनी के सीएमडी एन श्रीधर को अपना कार्यकाल समाप्त होते ही जीएडी को रिपोर्ट करना होगा। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर उनकी जगह बलराम नाइक को नियुक्त किया है। वर्तमान में वे सिंगरेनी वित्त निदेशक हैं। सीएमडी के रूप में बलराम नाइक सिंगरेनी राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार वित्त और कल्याण विभागों की जिम्मेदारियों के अलावा अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभाएंगे। श्रीधर, जिन्हें सिंगरेनी सीएमडी के रूप में स्थानांतरित किया गया था, ने 1 जनवरी 2015 से सिंगरेनी सीएमडी के रूप में कार्यभार संभाला।

सिंगरेनी के नाम 9 साल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले व्यक्ति का रिकॉर्ड है। लेकिन कांग्रेस पार्टी लंबे समय से किसी एक व्यक्ति के एमडी बने रहने का विरोध करती रही है। ऐसे में पार्टी ने सत्ता में आने के एक महीने के भीतर ही उनका तबादला कर दिया। श्रीधर के शासनकाल में सिंगरेनी ने कई जीत हासिल की और विवादों में भी फंसे रहे। केंद्र की आपत्ति के बावजूद बीआरएस सरकार ने श्रीधर को बनाए रखा। विपक्षी दलों और श्रमिक संगठनों ने शुरू से ही श्रीधर के व्यवहार पर अपना गुस्सा जाहिर किया। राज्य में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद श्रीधर का तबादला कर दिया गया था। निदेशक बलराम को प्रभारी सीएमडी नियुक्त किया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.